@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 17 फरवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 98 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी ने की भारत टेक्स की तारीफ

नई दिल्ली, 16 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में भारत टेक्स 2025 को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, भारत टेक्स का दूसरा सत्र भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है...भारत टेक्स हमें हमारी परंपरा के साथ-साथ विकसित भारत की भी झलक दिखाता है...हमने जो बीज बोया है, वह बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्स 2025 में एक प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों से बातचीत की और उन्हें प्रदर्शनी के कई पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई। पीएम मोदी ने आगे कहा- भारत टेक्स एक बड़ा वैश्विक आयोजन है, इसमें 120 अधिक देश भाग ले रहे हैं। बता दें कि, भारत टेक्स 2025 का आयोजन 14-17 फरवरी को भारत मंडपम में किया जा रहा है। यह कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पादों तक वस्त्रों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को एक ही मंच पर लाने वाला एक अनूठा कार्यक्रम है। पीएम मोदी ने आगे कहा- इस आयोजन से टेक्सटाइल सेक्टर में इनवेस्टमेंट एक्सपोर्ट और ओवरॉल ग्रोथ को जबरदस्त बढ़ावा मिल रहा है। भारत टेक्स के इस आयोजन में हमारे परिधानों के जरिए भारत की सांस्कृतिक विविधताओं के भी दर्शन होते हैं। मेरे कुछ सहकर्मियों ने बताया कि एक कारखाना स्थापित करने में औसतन 70-75 करोड़ रुपये का खर्च आता है और इससे लगभग 2,000 लोगों को रोजगार मिलता है। मैं सबसे पहले बैंकिंग क्षेत्र के लोगों से आग्रह करूंगा कि वे इन उद्योगों की मांगों को समझें। इस आयोजन से टेक्सटाइल सेक्टर में इनवेस्टमेंट एक्सपोर्ट और ओवरॉल ग्रोथ को जबरदस्त बढ़ावा मिल रहा है। भारत टेक्स के इस आयोजन में हमारे परिधानों के जरिए भारत की सांस्कृतिक विविधताओं के भी दर्शन होते हैं भारत टेक्स 2025 ने आगंतुकों के अलावा 120 से अधिक देशों के नीति निर्माताओं और वैश्विक सीईओ, प्रदर्शकों, अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया है।

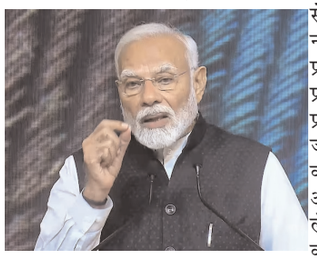

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 16 फरवरी। शनिवार की रात करीब साढ़े नौ बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। स्टेशन पर महाकुंभ जाने वाले लोगों की भारी भीड़ थी साथ ही अन्य यात्री भी थे। दो ट्रेनों के लेट होने के चलते भीड़ नियंत्रण से बाहर हो गई और भगदड़ मच गई। यह पूरी घटना महज 10 मिनट में घटी और प्रशासन की लापरवाही और यात्रियों में दुविधा के चलते इतना बड़ा हादसा हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रेलवे स्टेशन पर रात आठ बजे से ही भीड़ बढ़नी शुरू हो गई थी। हालांकि भीड़ बढ़ने के बावजूद रेलवे की तरफ से भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए। साप्ताहांत में महाकुंभ जाने वालों की भारी भीड़ के बावजूद स्टेशन पर कोई कंट्रोल रूम नहीं बनाया गया था। एक चश्मदीद ने बताया कि स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस और भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनें देरी से चल रहीं थी। ये दोनों ट्रेनें भी प्रयागराज जा रहीं थी। इनके यात्री प्लेटफॉर्म नंबर 12-13 और 14 पर मौजूद थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बड़ी संख्या में यात्री नई दिल्ली से प्रयागराज के लिए चलने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस का इंतजार कर रहे थे। यह ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर 14 से रात 10.10 बजे निकलने वाली थी। इसी दौरान प्रयागराज के लिए रात 9.50 बजे एक विशेष ट्रेन का अनाउंसमेंट हुआ, जो प्लेटफॉर्म 16 से जाने वाली थी। उल्लेखनीय है कि रात 9.05 बजे प्लेटफॉर्म नंबर 14 से जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस और मगध एक्सप्रेस में जो यात्री सवार नहीं हो पाए थे, वे भी विशेष ट्रेन का एलान होते ही प्लेटफॉर्म नंबर 16 की तरफ भागे। वहीं सैंकड़ों लोगों को स्टेशन पर जनरल टिकट बेचे गए। इससे भी भीड़ बढ़ी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कई लोग टिकट काउंटर पर थे, जैसे ही ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचने का एलान हुआ तो लोग बिना टिकट लिए ही प्लेटफॉर्म की तरफ भागे। इससे प्लेटफॉर्म पर जाने वाले फुटओवर ब्रिज पर भीड़ के चलते धक्का-मुक्की हुई और हालात इस कदर बेकाबू हो गए कि भगदड़ मच गई। भीड़ के चलते लोग सीढ़ियों और फुटओवर ब्रिज पर गिर गए भीड़ में दब गए। /ये पूरी घटना महज 10-15 मिनट में घटी और जब तक इसे काबू किया जाता, तब तक हादसा हो चुका था। सरकार ने नई दिल्ली स्टेशन पर मची भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए मुआवजे का एलान कर दिया है। रेलवे की ओर से मुआवजे का एलान किया गया है। रेलवे ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये, हादसे में गंभीर रूप से घायलों को ढाई लाख रुपये और मामूली रूप से घायल लोगों को एक लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। रेलवे ने भगदड़ की जांच के लिए दो सदस्यीय समिति का गठन कर दिया है। इस समिति में नरसिंह देव पीसीसीएम/उत्तर रेलवे और पंकज गंगवार, पीसीएससी उत्तर रेलवे को शामिल किया गया है। जांच समिति ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सभी वीडियो फुटेज को सुरक्षित करने का आदेश दिया है। नई दिल्ली स्टेशन पर मची भगदड़ पर राजनीति भी शुरू हो गई है और रेल मंत्री के इस्तीफे की मांग उठ गई है। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा कि घटना दुखद है। रेलवे के कुप्रबंध के कारण इतने लोगों की जान गई है। रेल मंत्री को हादसे की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। रविवार को रेल मंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उन्हें हादसे के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

सिद्धारमैया हमारे नेता, उनके नाम का न हो दुरुपयोग: शिवकुमार

कौमी संवाददाता

बंगलूरू, 16 फरवरी। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया कांग्रेस के निर्विवादित नेता हैं। शिवकुमार ने कहा कि किसी को भी उनके नाम का दुरुपयोग करके बयान देने की जरूरत नहीं है। उनका यह बयान पार्टी नेताओं के एक वर्ग की टिप्पणियों के जवाब में आया है। यह वर्ग सिद्धारमैया को आगामी चुनावों तक मुख्यमंत्री के पद पर बनाए रखने का समर्थन कर रहा है। इनका कहना है कि उनकी नेतृत्व क्षमता पार्टी की सत्ता बनाए रखने के लिए जरूरी है। राज्य कांग्रेस के प्रमुख शिवकुमार खुद मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं और उन्होंने कई बार यह जताया है कि उनका मुख्यमंत्री बनने का सपना है। उन्होंने कहा, सिद्धारमैया हमारे मुख्यमंत्री हैं, वह हमारे नेता हैं, हम उन्हें सभी चुनावों में देखना चाहते हैं। हम उन्हें जिला पंचायत, तालुक पंचायत, विधानसभा और संसद के चुनाव में भी देखना चाहते हैं। वह हमारे नेता हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, कांग्रेस ने सिद्धारमैया को दो बार मुख्यमंत्री बनाया है। हर दिन उनके नाम का दुरुपयोग करने की कोई जरूरत नहीं है। वह हमारे नेता हैं, कांग्रेस पार्टी के निर्विवादित नेता हैं। वह दूसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में काम कर रहे हैं और अच्छा काम कर रहे हैं। मैं नहीं चाहते कि उन्हें मीडिया की अटकलों का शिकार बनाया जाए। पार्टी नेताओं की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, कोई भ्रम नहीं है, कांग्रेस प्रति दिन हर चीज पर नजर रख रही है। सिद्धारमैया का दूसरा कार्यकाल मई 2023 में कांग्रेस की विधानसभा चुनावों में जीत के बाद शुरू हुआ है। इससे पहले वह 2013-2018 तक पांच वर्षों तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं। पार्टी के कुछ नेताओं और मंत्रियों के एक वर्ग ने सिद्धारमैया के समर्थन में आवाज उठाई है। हालांकि, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पिछले महीने अपने सहयोगियों को बयान जारी करने से बचने और शासन पर फोकस करने की चेतावनी दी थी। मई 2023 में विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर टकराव था।

अदालत ने सहकारी बैंक के महाप्रबंधक को 21 फरवरी तक हिरासत में भेजा

मुंबई, 16 फरवरी। मुंबई की एक अदालत ने रविवार को न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक के महाप्रबंधक हितेश मेहता को बैंक से 122 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी के मामले में 21 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले शनिवार को पुलिस ने हितेश को कई घंटे तक पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने मेहता और मामले के एक अन्य आरोपी धर्मेश पौन को अदालत में पेश किया। अदालत ने मामले की आगे की जांच के लिए उन्हें 21 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। बता दें कि धर्मेश पौन एक डेवलपर है। पुलिस के अनुसार, बैंक के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी देवर्षि घोष ने शुक्रवार को मध्य मुंबई के दादर पुलिस थाने में मेहता और अन्य के खिलाफ बैंक के धन के कथित दुरुपयोग के सिलसिले में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर, पुलिस ने शनिवार तड़के मामला दर्ज किया और जांच ईओडब्ल्यू को सौंप दी गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि मेहता और उसके सहयोगियों ने साजिश रची और बैंक की प्रभादेवी और गोरेगांव शाखाओं की तिजोरियों से 122 करोड़ रुपये का गबन किया। भारतीय न्याय संहिता की धारा 316 (5) (लोक सेवकों, बैंकरों और भरोसेमंद पदों पर बैठे अन्य लोगों द्वारा आपराधिक विश्वासघात) और 61 (2) (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कॉमेडियन अनुभव सिन्हा बस्सी के शो पर गिरी गाज

मुंबई, 16 फरवरी। इन दिनों इंडियाज गॉट लेटेंट शो को लेकर काफी विवाद चल रहा है। शो में दी गई टिप्पणी के कारण रणवीर इलाहाबादिया और समय रैना को भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी शो में कॉमेडियन अनुभव सिन्हा बस्सी भी आ चुके हैं। इस विवाद की चिंगारी अब स्टैंड अब कॉमेडियन अनुभव सिन्हा बस्सी के काम पर भी लग गई है। उनका लखनऊ में शनिवार को होने वाला शो अब कैंसल हो गया है। बस्सी को स्टैंडअप कॉमेडी शो के अलावा तू झूठी मैं मक्कार फिल्म से भी फैंस उन्हें जानते हैं। बता दें कि अनुभव सिन्हा का शो लखनऊ के गोमती नगर में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में दोपहर 3.30 बजे और शाम 7 बजे होना था। इस शो में पुलिस पहुंच गई और लखनऊ डेवलपमेंट अथॉरिटी ने कॉमेडियन को वापस भेज दिया। ये विवाद शो में प्रयोग की जाने वाली भाषा और कंटेंट को लेकर हो रहा है। इस शो को लेकर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने डीजीपी प्रशांत कुमार को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि वे सुनिश्चित करें कि इन कार्यक्रमों में महिलाओं की छवि खराब न हो या फिर इन्हें पूरी तरह से रद्द करने पर विचार करें। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने डीजीपी प्रशांत कुमार को पत्र लिखकर शो में शिष्टाचार बनाए रखने का आग्रह किया। 14 फरवरी को लिखे गए पत्र में पिछले कार्यक्रमों में अनुचित भाषा के इस्तेमाल पर प्रकाश डाला गया था और सार्वजनिक कार्यक्रमों में शिष्टाचार बनाए रखने की बात पर बल दिया गया था। उन्होंने लिखा, ज्ञात हो कि 15 फरवरी को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अनुराग सिंह बस्सी का कॉमेडी शो आयोजित किया जा रहा है। यूट्यूब चैनल पर उनके पिछले शो देखने के बाद पता चला है कि उनके शो में अभद्र शब्दों का प्रयोग किया जाता है इसलिए आपसे अपेक्षा की जाती है

कार्यस्थल पर वरिष्ठ की डांट-फटकार जानबूझकर अपमान और अपराध नहीं: सुप्रीम कोर्ट

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 16 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया है कि कार्यस्थल पर किसी वरिष्ठ अधिकारी की तरफ से डांट-फटकार देना जानबूझकर अपमान की श्रेणी में नहीं आता और इस पर आपराधिक कार्रवाई नहीं हो सकती। मामले में शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर ऐसे मामलों में आपराधिक आरोप लगाने की अनुमति दी गई, तो इससे कार्यस्थल का अनुशासन प्रभावित होगा और पूरे तंत्र पर नकारात्मक असर पड़ेगा। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति संजय करोल और संदीप मेहता की पीठ ने स्पष्ट किया कि केवल गुस्से में कही गई बातें, रूखा व्यवहार या असभ्य भाषा आईपीसी की धारा 504 के तहत जानबूझकर अपमान की श्रेणी में नहीं आते। इस धारा के तहत यदि कोई व्यक्ति किसी का जानबूझकर अपमान करता है, जिससे शांति भंग होने की संभावना हो, तो उसे दो साल तक की सजा हो सकती है। जुलाई 2024 से यह धारा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 352 से बदल दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला एक 2022 के आपराधिक मामले को रद्द करते हुए दिया। यह मामला राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान के कार्यकारी निदेशक के खिलाफ था। एक सहायक प्रोफेसर ने उनके खिलाफ शिकायत की थी कि उन्होंने अन्य कर्मचारियों के सामने उसे डांटा था। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया था कि निदेशक ने संस्थान में कोविड-19 संक्रमण से बचाव के लिए पर्याप्त पीपीई किट उपलब्ध नहीं करवाई, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया। अदालत ने कहा कि इस मामले में लगाए गए आरोप पूरी तरह से काल्पनिक लगते हैं और आईपीसी की धारा 269 व 270 (जो संक्रामक बीमारी फैलाने से जुड़ी हैं) के तहत अपराध सिद्ध करने के लिए काफी नहीं हैं। मामले में कोर्ट ने फैसला देते हुए कहा कि, अगर वरिष्ठ अधिकारी कार्यस्थल पर अनुशासन बनाए रखने और कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारियों का एहसास कराने के लिए फटकार लगाता है, तो इसे जानबूझकर अपमान नहीं माना जा सकता। वरिष्ठ अधिकारी से यह उम्मीद की जाती है कि वह अपने अधीनस्थ कर्मचारियों से ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करने की अपेक्षा रखे। यह फैसला 10 फरवरी को सुनाया गया था।

लालू यादव बोले फालतू है कुंभ

तेजिन्दर कौर बब्बर

पटना, 16 फरवरी। दिल्ली भगदड़ में 18 लोगों की मौत के बाद बिहार में सियासत तेज हो गई है। एक ओर राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो ने इस भगदड़ का दोषी मोदी सरकार को बताया है। इतन ही नहीं लालू प्रसाद ने महाकुंभ को फालतू बताते हुए कहा कि इसका कोई मतलब नहीं है। वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस हादसे में जान गंवाने वाले बिहारियों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये देने का एलान किया है। आइए जानते हैं दिल्ली भगदड़ के बाद किसने क्या कहा... राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने नई दिल्ली स्टेशन पर अव्यवस्था एवं भगदड़ के कारण हुई असामयिक मौत पर गहरी शोक संवेदना प्रकट की है। यह हादसा बहुत ही दुखद है। मैं मरने वालों सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। सरकार की लापरवाही के कारण ऐसा हुआ है। उन्होंने कहा कि रेलवे के द्वारा सुरक्षा में बरती गई लापरवाही और रेलवे के द्वारा यात्रियों की सुरक्षा के उपाय नहीं किए जाने के कारण ही इस तरह की घटनाएं हुई है। इस घटना पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और तत्काल उन्हें अपने पद से हट जाना चाहिए। कुंभ का कहां कोई मतलब है। फालतू है कुंभ। वहीं तेजस्वी यादव ने कहा कि सरकार से मृतकों के आश्रितों को मुआवजा तथा घायलों का समुचित इलाज कराए जाने की मांग की है। इतने सरकारी संसाधनों के बावजूद भगदड़ में श्रद्धालुओं की जाने जा रही है तथा डबल इंजन सरकार इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की लीपापोती तथा प्रचार प्रसार करने में व्यस्त है। आमजनों तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा के बजाय वीआईपी लोगों की सुविधा और उनकी विशेष व्यवस्था तक ही सरकार सीमित है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में लोगों की मृत्यु अत्यंत दुःखद है। मृतकों के परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना है। इस घटना में बिहार के रहने वाले मृतकों के आश्रितों को दो लाख रुपये अनुग्रह अनुदान एवं घायलों को 50 हजार रू? मुख्यमंत्री राहत कोष से देने का निर्देश दिया है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई दुर्घटना का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ईश्वर से सभी दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। वहीं स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ से लोगों के हताहत होने की सूचना अत्यंत ही हृदयविदारक है 7 इस दुर्घटना के मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी शोक संवेदनाएँ व्यक्त करता हूँ एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। प्रयागराज की ट्रेन पकड़ने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की उमड़ी भारी भीड़ की वजह से भगदड़ मच गई। इससे 18 लोगों की मौत हो गई।

नए स्वरूप में चेंज ऑफ गार्ड समारोह, राष्ट्रपति मुर्मू हुईं शामिल

नई दिल्ली, 16 फरवरी। राष्ट्रपति भवन में गार्ड परिवर्तन समारोह अब नए प्रारूप में आयोजित किया गया, जिसमें राष्ट्रपति भवन के सामने में संगीतमय प्रदर्शन भी शामिल है। राष्ट्रपति भवन की तरफ से सोशल मीडिया एक्स पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, यह समारोह हर शनिवार को आयोजित किया जाएगा। वहीं आम लोग भी अब राष्ट्रपति भवन में इस प्रभावशाली समारोह को देख सकेंगे। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि नए प्रारूप में राष्ट्रपति के अंगरक्षक दल के सैनिकों और घोड़ों के साथ-साथ सेरेमोनियल गार्ड बटालियन और सेरेमोनियल मिलिट्री ब्रास बैंड के कर्मियों की तरफ से सैन्य अभ्यास शामिल है। यह प्रदर्शन एक बड़े क्षेत्र में होगा। राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से जारी बयान के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में नए प्रारूप में आयोजित उद्घाटन समारोह में शामिल हुईं। इस बयान में कहा गया कि यह समारोह 22 फरवरी से बड़ी संख्या में आगंतुकों के लिए खुला रहेगा। चेंज ऑफ गार्ड एक प्राचीन सैन्य परंपरा है, जिसे 2007 में राष्ट्रपति भवन में एक औपचारिक कार्यक्रम के रूप में शुरू किया गया था।

धर्मेंद्र प्रधान कर रहे ब्लैकमेल: सीएम स्टालिन

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 16 फरवरी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। कहा, प्रधान तमिलनाडु को तब तक शिक्षा संबंधी फंड उपलब्ध नहीं कराएंगे, जब तक कि राज्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और तीन भाषा फार्मूले को स्वीकार नहीं कर लेता। सीएम ने 15 फरवरी को वाराणसी में पत्रकारों से बात करते हुए प्रधान की एक वीडियो क्लिप को टैग करते हुए, प्रधान के हवाले से कहा कि तमिलनाडु को भारतीय संविधान की शर्तों पर आना होगा और तीन भाषा नीति कानून का शासन है। मुख्यमंत्री ने इसे अस्वीकार्य बताया और कहा कि तमिल लोग इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने केंद्र से अपना हक मांगा है, जो उसका अधिकार है। केंद्रीय मंत्री अहंकार से बात करते हैं, जैसे कि हम उनकी निजी संपत्ति पर दावा कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में दिल्ली को तमिल लोगों की स्थिति को देखना पड़ेगा। स्टालिन ने कहा कि प्रधान सांविधानिक प्रावधान को स्पष्ट करें, जो अंग्रेजी संबंधित क्षेत्रीय भाषा और हिंदी की त्रिभाषा नीति को अनिवार्य बनाता है। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में एक बस तालाब में पलट गई। हादसे में पांच छात्र घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, बस में 35 छात्र सवार थे। हादसा मंडासा और उमागिरी के बीच हुआ। पुलिस ने बताया कि घायल छात्रों को इलाज के लिए 108 एम्बुलेंस से मंडासा अस्पताल ले जाया गया। मंडासा के सब-इंस्पेक्टर कृष्ण प्रसाद ने बताया कि बस को तालाब से निकाल लिया गया है। कोलकाता के एक मनोरोग स्वास्थ्य संस्थान ने शनिवार को एक राज्य स्तरीय बैठक आयोजित की, जिसमें बाल शोषण के मनोवैज्ञानिक प्रभावों पर चर्चा की गई। साथ ही यह समझने का प्रयास किया गया कि आघात बच्चे के भावनात्मक और मानसिक विकास को कैसे प्रभावित करता है। इस मौके पर पोक्सो अधिनियम की प्रभावशीलता की भी समीक्षा की गई। यह कार्यक्रम मनोरोग संस्थान के सामाजिक कार्य विभाग और गैर-सरकारी संगठन चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट द्वारा मिलकर आयोजित किया गया। इसमें यौन शोषण के शिकार बच्चों के लिए कानूनी ढांचे और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल पर भी चर्चा हुई। बैठक में कानूनी पेशेवरों, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों, बाल संरक्षण अधिकारियों, हृतहृह्य के प्रतिनिधियों और नीति निर्माताओं के बीच संवाद हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि केंद्र और असम सरकार मिलकर बोडो समुदाय को सशक्त बनाने और बोडो आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। उन्होंने 17 फरवरी से कोकराझार में होने वाले ऐतिहासिक एक दिवसीय विशेष विधानसभा सत्र का स्वागत भी किया। इस बीच असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि सत्र का प्रमुख एजेंडा छठी अनुसूची क्षेत्रों के प्रशासन को मजबूत करना होगा। इस पल को अपने करियर का सबसे महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए, सीएम हिमंत ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन के लिए भी धन्यवाद दिया। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी 17-18 फरवरी को भारत दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। साथ ही वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार कतर के अमीर के साथ उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा, जिसमें कई मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और कारोबारी दल भी शामिल होगा। बता दें कि कतर भारत का सबसे बड़ा एलएनजी सप्लायर है। बिहार के भागलपुर जिले में मॉब लिंचिंग का मामला सामने आया है। यहां मानसिक रूप से बीमार युवक को भीड़ ने पीटकर मार डाला। उस पर दो लोगों की हत्या का आरोप था। पुलिस ने बताया कि यह वारदात शुक्रवार की रात नाथनगर थाना क्षेत्र के मकनंदपुर गांव में हुई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, 36 वर्षीय छोटू कुमार ने अचानक गांव में राजीव राय (68), जय प्रकाश राम (65) और तीन अन्य लोगों को डंडे से बर्बर तरीके से पीटना शुरू कर दिया।

मौतों को छिपाने का काम न करे सरकार: अखिलेश यादव

लखनऊ, 16 फरवरी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि दिल्ली में महाकुंभ के श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत हृदय विदारक है। सरकार में बैठे लोगों को राजनीतिज्ञ नहीं, बल्कि उन परिवार वालों की तरह सोचना होगा, जिसने अपने मां-बाप, भाई-बहन, बच्चे और नाते-रिश्तेदार खोए हैं। मृतकों के शवों को उनके परिजनों तक पहुंचाने का ईमानदार से इंतजाम किया जाए। घायलों को अच्छे से अच्छा इलाज उपलब्ध कराया जाए। भाजपा सरकार मौत छुपाने का काम न करें। अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि महाकुंभ के श्रद्धालुओं से भरी बसों व अन्य वाहनों के एक्सीडेंट की खबरें लगातार ब? रही हैं। इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि भारी जाम व अव्यवस्था के कारण ड्राइवरों की हालत बहुत खराब है। न उनकी थकान उतर रही है और न नींद पूरी हो रही है। ऐसे में वे अर्द्धनिद्रा की अवस्था में वाहन चला रहे हैं। इससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। साथ ही स?कों पर पैदल चलने वालों को भी बचाने की चुनौती है। इसलिए ध्यान भटकते ही मौतें हो रही हैं। इसका समाधान सिर्फ अच्छी व्यवस्था है, जो सरकार ही कर सकती है, पर वो कर नहीं पा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि महाकुंभ यात्रा पर निकले उन सभी मृतक श्रद्धालुओं को एकसमान माना जाए, जो भगद?, हादसों या घुटन आदि कारणों से अलग-अलग जगहों पर मारे गए हैं। इसके लिए उनके परिजनों को मुआवजा दिया जाए। सभी घायलों को भी इलाज के साथ-साथ क्षतिपूर्ति राशि दी जाए।

पोप फ्रांसिस अस्वस्थ, अस्पताल ले जाया गया, सभी कार्यक्रम रद्द

एजेंसी

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस अस्वस्थ हैं। उन्हें वेटिकन सिटी के पॉलीक्लिनिको एगोस्टिनो जेमेली में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक चिकित्सीय जांच में पुष्टि हुई कि बुखार पीड़ित पोप फ्रांसिस के श्वसन तंत्र में संक्रमण है। उनका इलाज शुरू कर दिया गया है। यह जानकारी वेटिकन ने दी। वेटिकन के अनुसार, 14 फरवरी को पोप फ्रांसिस के अस्पताल में भर्ती होने के बाद 15 फरवरी को जयंती समारोह रद्द कर दिया गया। 16 फरवरी को जयंती अवसर के पवित्र मास की अध्यक्षता संस्कृति और शिक्षा विभाग के प्रीफेक्ट कार्डिनल जोस टॉलेन्टिनो डी मेंडोंका करेंगे। सिनेसिटा में पोप फ्रांसिस के साथ 17 फरवरी को होने वाली कलाकारों की बैठक को भी रद्द कर दिया गया है। पहले वेटिकन ने बताया था कि ब्रोंकाइटिस के इलाज के लिए पोप को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वेटिकन का कहना है कि उनकी चिकित्सीय स्थिति ठीक है। उन्हें हल्का बुखार है। उल्लेखनीय है कि 88 वर्षीय पोप फ्रांसिस का असल नाम जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो है। फ्रांसिस सोसाइटी ऑफ जीसस के सदस्य बनने वाले पहले पोप हैं।

चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र पर रूसी ड्रोन हमले का असर

मॉस्को। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि एक रूसी ड्रोन ने रात चेरनोबिल में पूर्व परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमला किया। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गयी। उन्होंने कहा कि एक हमले में संयंत्र की नष्ट हो चुकी चौथी बिजली इकाई को कवर करने वाले एक कंक्रीट शेल्टर पर आग लग गई, जिसे बाद में बुझा दिया गया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार चेरनोबिल 1986 की आपदा का स्थल था जिसने सोवियत संघ और यूरोप के कुछ हिस्सों में रेडियोधर्मिता फैलाई थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा कि साइट पर उसकी टीम ने स्थानीय समयानुसार शुक्रवार सुबह 2 बजे से कुछ देर पहले एक बड़ा विस्फोट सुना। आईएईए ने कहा कि उसकी टीम ने कुछ ही मिनटों में विस्फोट का जवाब दिया और कोई हताहत नहीं हुआ। यूक्रेन की सेना ने बताया कि रूस ने अपने रात भर के हमले में देश भर में 133 ड्रोन लॉन्च किए, जिनमें से 73 को मार गिराया गया और 58 अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाए। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये संख्याएँ मोटे तौर पर हाल के ड्रोन हमलों के औसत के अनुरूप हैं। सेना ने कहा कि देश के अधिकांश हिस्से को कवर करते हुए 11 क्षेत्रों में ड्रोन को मार गिराया गया।

पाकिस्तान में सुरक्षा अभियान में पन्द्रह आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में अलग-अलग सुरक्षा अभियानों में चार सैनिकों की मौत हो गयी और 15 आतंकवादी मारे गए है। सेना ने यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने केपी के डेरा इस्माइल खान और उत्तरी वजीरिस्तान जिलों में खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाया। आईएसपीआर के बयान में कहा गया कि डेरा इस्माइल खान जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच झड़प के दौरान सरगना समेत नौ आतंकवादी मारे गए। बयान में कहा गया है कि उत्तरी वजीरिस्तान में छह आतंकवादी मारे गए साथ ही सैनिकों और आतंकवादियों के बीच भीषण गोलीबारी में चार पाकिस्तानी सैनिकों की भी जान चली गई। क्षेत्र में अन्य आतंकवादियों की मौजूदगी को खत्म करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

गाजा में रिहा हुए तीन इजरायली बंधक इजरायल पहुंचे

यरूशलम। फिलिस्तीनी समूहों हमास और इस्लामिक जिहाद ने तीन इजरायली बंधकों को इजरायली अधिकारियों को सौंप दिया गया है और युद्धविराम के भाग के रूप में वे इजरायल में सीमा पार कर गए। इसकी जानकारी इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दी। मुक्त किए गए बंधकों में 29 वर्षीय इजरायली-रूसी नागरिक एलेक्जेंडर साशा ट्रोफानोव; 36 वर्षीय इजरायली-अमेरिकी नागरिक सागुई डेकेल-चेन; और 46 वर्षीय इज़राली-अर्जेंटीना नागरिक आयर हॉर्न शामिल हैं, जिनका सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इज़रायल पर हमास के नेतृत्व वाले हमले में अपहरण कर लिया गया था। ट्रोफानोव को उसकी मां, दादी और साथी के साथ अपहरण किया गया था, और तीन महिलाओं को नवंबर 2023 में पिछले बंधक सौदे में रिहा कर दिया गया था। अपहरण के दिन उसके पिता की हत्या कर दी गई थी। तीन बच्चों के पिता डेकेल-चेन के अपहरण के बाद एक बेटी का जन्म हुआ। हॉर्न का भाई, ईटन, गाजा में कैद में है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय से एक बयान में कहा, गाजा पट्टी में और उसके आसपास हमारी सेना की एकाग्रता के लिए धन्यवाद, और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्पष्ट रूख और स्पष्ट बयान के लिए धन्यवाद, हमास पीछे हट गया है और बंधकों की रिहाई जारी है।

ऑस्ट्रिया में 23 वर्षीय व्यक्ति ने छह लोगों पर चाकू से किया हमला; एक की मौत

एजेंसी

तेल अवीव। दक्षिणी ऑस्ट्रिया में एक 23 वर्षीय व्यक्ति ने छह राहगीरों पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि यह एक आकस्मिक हमला था, जिसमें एक 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को विलाच शहर में हिरासत में लिया गया, जहां हमला हुआ था। उन्होंने बताया कि वह सीरियाई नागरिक है और ऑस्ट्रिया में उसका कानूनी निवास है। पुलिस प्रवक्ता रेनर डायोनिसियो ने कहा कि अभी तक हमलावर की मंशा का पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि पुलिस हमलावर की व्यक्तिगत पृष्ठभूमि की जांच कर रही है। उन्होंने कहा, ÷हमें सुरक्षित जानकारी मिलने तक इंतजार करना होगा। पुलिस ने बताया कि एक 42 वर्षीय व्यक्ति जो एक खाद्य वितरण कंपनी के लिए काम करता

है, उसने अपनी कार से घटना को देखा। डायोनिसियो ने ऑस्ट्रिया के सार्वजनिक प्रसारक ओआरएफ को बताया कि वह संदिग्ध की ओर चला गया और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने में मदद की। पुलिस ने बताया कि सभी पीड़ित पुरुष थे, जिनमें से दो गंभीर रूप से घायल हुए और दो को मामूली चोटें आईं। शनिवार को बाद में पुलिस ने बताया कि हमले में एक पांचवां व्यक्ति भी घायल हुआ है, जो कि एक पुरुष है। ऑस्ट्रिया के कैरिंथिया प्रांत के गवर्नर पीटर कैसर ने 14 वर्षीय पीड़ित के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। इस नृशंस अत्याचार का कठोर परिणाम भुगतना होगा।

मैंने हमेशा स्पष्टता और स्पष्ट रूप से कहा है: जो लोग ऑस्ट्रिया के कैरिंथिया में रहते हैं, उन्हें कानून का सम्मान करना होगा और हमारे नियमों और मूल्यों के अनुसार ढलना होगा।अति-दक्षिणपंथी नेता हर्बर्ट किक्ल ने एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि वह विलाच में हुए भयानक कृत्य से स्तब्ध हैं और हमले में मारे गए 14 वर्षीय पीड़ित के परिवार को बहुत शक्ति की कामना करते हैं।

चीनी मूल का अमेरिकी नागरिक हजारों डॉलर और कई मोबाइल फोन के साथ काठमांडू हवाईअड्डे से गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पर बीती रात सुरक्षाकर्मियों ने एक चीनी मूल के अमेरिकन पासपोर्टधारी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 12 हजार रुपए अमेरिकी डॉलर के अलावा कई मोबाइल फोन और दर्जनों सिमकार्ड भी बरामद हुआ। शाम काठमांडू हवाईअड्डे पर सिक्योरिटी चेक के दौरान चीनी मूल के अमेरिकी नागरिक नी यान के हैंड बिग से अवैध अमेरिकी डॉलर बरामद किया गया। नेपाल पुलिस के एसएसपी और हवाईअड्डा सुरक्षा बल के प्रमुख कृष्ण शर्मा पोखरेल ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के पास से 12 हजार अमेरिकी डॉलर मिला है जिसके स्रोत के बारे में वो कुछ भी नहीं बता पा रहा है। एसएसपी पोखरेल ने यह भी बताया कि नी यान के पास अमेरिकी डॉलर के अलावा 20 आईफोन और विभिन्न देशों के 25 सिमकार्ड भी बरामद हुए। पुलिस ने यह भी बताया कि इनमें से किसी के भी बारे में गिरफ्तार व्यक्ति कुछ भी नहीं बता रहा है।

यूएन शांति मिशन में कार्यकाल पूरा कर स्वदेश लौट रहे नेपाली सेना के मेजर जनरल पर लेबनान में जानलेवा हमला

एजेंसी

काठमांडू। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में लेबनान में कार्यरत नेपाली सेना के मेजर जनरल चोक बहादुर ढकाल अपना दो वर्षों का कार्यकाल पूरा कर वापस लौट रहे थे, इस दौरान बेरुत के पास उनपर हिजबुल्लाह के आतंकियों ने जानलेवा हमला किया। मध्य रात्रि संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन से विदाई के बाद विमान स्थल लौटने के क्रम में मेजर जनरल पर यह जानलेवा हमला हुआ है। इस बारे में शनिवार को नेपाली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर गौरव केसी ने बताया कि बेरुत विमानस्थल पर पहुंचने से थोड़ी देर पहले ही मेजर कार्ला के काफिले को रोक कर उसमें आगजनी की गई। सैन्य प्रवक्ता केसी के मुताबिक सुरक्षा दस्ते और स्काटिंग के साथ विमानस्थल पहुंचने से पहले ही सैकड़ों की संख्या में हिज्बुल्लाह के आर्तकियों ने मेजर जनरल ढकाल की गाड़ी को रोक कर उसमें आगजनी कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि आगजनी के दौरान गाड़ी से सुरक्षित

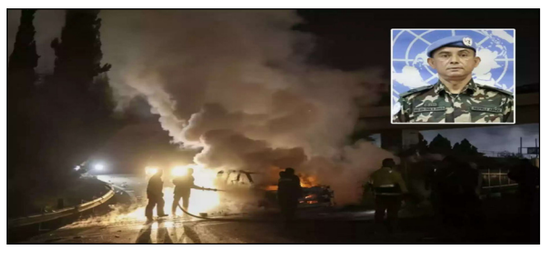

निकले मेजर जनरल को आर्तकियों ने पकड़ कर उन पर धारदार हथियारों से हमला किया, जिससे वे बुरी तरह जख्मी हो गए हैं।

लेबनान सेना के हस्तक्षेप के बाद नेपाल सेना के मेजर जनरल को आर्तकियों के चंगुल से छुड़ाया जा सका और इस समय बेरुत के लेवल श्री अस्पताल में उनका उपचार किया जा रहा है। उनकी सुरक्षा में तैनात संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के करीब आधा दर्जन सैनिक भी सामान्य रूप से घायल हुए हैं।

नेपाली सेना की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक मेजर जनरल ढकाल 22 दिसंबर 2022 से संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन में लेबनान में कार्यरत थे। अपना दो वर्षों का कार्यकाल पूरा कर लेने के बाद शाम उनकी औपचारिक विदाई हुई जिसके बाद वे अपने दफ्तर से सुरक्षा दस्ता सहित विमानस्थल जा रहे थे, जहां से उन्हें नेपाल वापस आना था।

गाजा समझौता – इजरायल ने 369 फिलिस्तीनी कैदियों को किया रिहा

एजेंसी

रामल्लाह। इजरायल ने 369 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा कर दिया। इसके पहले हमास ने 3 इजरायली बंधकों को मुक्त किया था। यह गाजा युद्ध विराम समझौते के तहत बंधकों-कैदियों की छठी अदला-बदली थी। फिलिस्तीनी कैदी क्लब के प्रमुख अब्दुल्ला अल-जगहरी ने समाचार एजेंसी को बताया कि रिहा किए गए कैदियों में 36 आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। 333 वे बंदी हैं जिन्हें 7 अक्टूबर, 2023 के हमले के बाद गाजा पट्टी से इजरायल सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया था। फिलिस्तीनी सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि कैदियों को रेड क्रॉस और उनके परिवारों की उपस्थिति में रामल्लाह सांस्कृतिक महल के प्रांगण में सौंपा गया। कैदियों की रिहाई से पहले, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इजरायली सेना ने रामल्लाह के पश्चिम में बेतुनिया शहर पर धावा बोल दिया। इस कार्रवाई का मकसद फिलिस्तीनियों को ओफर जेल के गेट के पास इकट्ठा होने से रोकना था, जहां कैदियों को रिहा किया जा रहा था। इससे पहले हमास ने तीन इजरायली

बंधकों को रिहा कर दिया। जिन तीन बंधकों को रिहा किया, उन्हें गाजा के करीब स्थित किबुत्ज नीर ओज से 7 अक्टूबर 2023 के हमले के दौरान हमास के लड़ाकों ने पकड़ा था। रिहा किए गए बंधकों में अलेक्जेंडर ट्रोफानोव (29 वर्षीय रूसी-इजरायली), यायर हॉर्न (46 वर्षीय अर्जेंटीनी-इजरायली), सगुई डेकेल-चेन (36 वर्षीय अमेरिकी-इजरायली) शामिल हैं। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमला करके 251 बंधकों को पकड़ लिया और लगभग 1,200 लोगों को मार डाला था जिसके बाद युद्ध शुरू हो गया। गाजा के हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायल के हमले में कम से कम 48,239 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इजरायल के हमलों से गाजा की लगभग दो-तिहाई इमारतें क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गई हैं।

विस्थापित लोगों के शिविर पर हमलों से संयुक्त राष्ट्र कार्यकर्त्ता चिंतित

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कार्यकर्ताओं ने कहा है कि पश्चिमी सूडान में विस्थापित लोगों के शिविर में और उसके आसपास लड़ाई बढ़ने से सहायता कार्यकर्ता चिंतित हैं। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा कि पिछले सप्ताह उत्तरी दारफुर राज्य के एल फशेर के बाहर ज़मज़म विस्थापन शिविर पर हमले बढ़ गए हैं। समाचार एजेंसी के अनुसार, ओसीएचए ने कहा कि उपग्रह से प्राप्त चित्रों से भारी हथियारों के प्रयोग तथा उत्तरी दारफुर की राजधानी एल फशेर के मुख्य बाजार क्षेत्र के विनाश का संकेत मिलता है। कार्यालय ने कहा, ज़मज़म में अंतर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों ने बड़ी संख्या में नागरिकों के हताहत होने की सूचना दी है, जिनमें कथित तौर पर मारे गए लोगों में मानवीय कर्मचारी भी शामिल हैं। घायलों सहित नागरिकों को कथित

तौर पर क्षेत्र से बाहर जाने से रोका जा रहा है। ओसीएचए ने कहा कि ज़मज़म में लाखों विस्थापित लोगों के रहने का अनुमान है। यह सूडान में अकाल की स्थिति वाले स्थानों में से एक है, जिससे शिविर के बाज़ार क्षेत्र के विनाश की रिपोर्ट विशेष रूप से चिंताजनक है। कार्यालय ने यह भी कहा कि विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) अपने भागीदारों के साथ मिलकर ज़मज़म और उसके आस-पास के 300,000 विस्थापित लोगों को महत्वपूर्ण खाद्य और पोषण सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहा है। हिंसा के इस नवीनतम दौर ने परिवारों और जीवन-रक्षक कार्यों को और अधिक जोखिम में डाल दिया है। ओसीएचए ने कहा, संयुक्त राष्ट्र संघ मांग करता है कि संघर्ष में शामिल पक्ष अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन करें। नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमले निषिद्ध हैं। सभी पक्षों को नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए कदम उठाने चाहिए, और जो लोग स्वेच्छा से क्षेत्र छोड़ना चाहते हैं, उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से ऐसा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुख्य प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि मानवीय मामलों के अवर महासचिव और आपातकालीन राहत समन्वयक टॉम फ्लेचर और शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त फिलिपो ग्रांडी सूडान में युद्ध के पीड़ितों की सहायता के लिए अपील करेंगे।

नेपाल और भारत के विदेश मंत्रियों की मस्कट में होगी अनौपचारिक मुलाकात

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा और भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के बीच ओमान की राजधानी मस्कट में अनौपचारिक मुलाकात होने की संभावना है। एक कार्यक्रम में सहभागी होने के लिए दोनों नेता मस्कट पहुंच रहे हैं। इंडिया फाउंडेशन के द्वारा इस वर्ष का इंडियन ओशन कॉन्फ्रेंस ओमान की राजधानी मस्कट में 16-17 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है। इसमें सहभागी होने के लिए नेपाल की विदेश मंत्री डा राणा आज मस्कट के लिए रवाना हुई। मस्कट जाने से पहले उन्होंने वहां भारतीय विदेश मंत्री के साथ साइडलाइन वार्ता का संकेत दिया है। इस समारोह का उद्घाटन भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और ओमन के विदेश मंत्री संयुक्त रूप से करने वाले हैं। इस समारोह में दो दर्जन से अधिक देशों के विदेश मंत्रियों की सहभागिता होने वाली है। नेपाल की विदेश मंत्री पहले दिन के दूसरे सत्र में ग्लोबल साउथ के बढ़ते प्रभाव को लेकर अपना मंतव्य देने वाली है। इस सत्र में

नेपाल की विदेश मंत्री के अलावा मालदीव्स के विदेश मंत्री, सेशेल्स के गृहमंत्री सहित यूएई, कतर, ब्रुनेई के विदेश राज्य मंत्रियों की सहभागिता रहने वाली है। विदेश मंत्री ने बताया कि मस्कट में भारतीय विदेश मंत्री के साथ अनौपचारिक साइडलाइन वार्ता के अलावा अन्य देशों के विदेश मंत्रियों से भी मुलाकात होनी तय है।

फिलिस्तीनी सशस्त्र समूह की इजरायली बंधकों को सौंपने की तैयारी

एजेंसी

गाजा। हमास की सैन्य शाखा अल-कसम ब्रिगेड और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) आंदोलन की सशस्त्र शाखा अल-कुद्स ब्रिगेड के सशस्त्र सदस्यों को तीन इजरायली बंधकों को सौंपने की तैयारी करने के लिए शनिवार को दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस शहर में तैनात किया गया।

गाजा में संवाददाता ने कहा कि हमास और पीआईजे के फिलिस्तीनी आतंकवादियों से उम्मीद थी कि वे इजरायली बंधकों को खान यूनिस में रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति को सौंप देंगे। बंधकों को सौंपने का काम युद्धविराम के पहले चरण के छठे बैच में हुआ, जो 19 जनवरी को प्रभावी हुआ। हमास से जुड़े कैदी सूचना कार्यालय के अनुसार, समझौते के भाग के रूप में, इज़रायल 369 फिलिस्तीनी बंदियों को रिहा करने के लिए तैयार है। कार्यालय ने पुष्टि की कि रिहा किए जाने वालों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 36 व्यक्ति और सात अक्टूबर, 2023 के बाद इजरायली हिरासत में लिए गए 333 गाजा बंदी शामिल हैं।

चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र पर रूसी ड्रोन हमले का असर

मॉस्को। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि एक रूसी ड्रोन ने रात चेरनोबिल में पूर्व परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमला किया। मीडिया रिपोर्टों में शनिवार को यह जानकारी दी गयी। उन्होंने कहा कि एक हमले में संयंत्र की नष्ट हो चुकी चौथी बिजली इकाई को कवर करने वाले एक कंक्रीट शेल्टर पर आग लग गई, जिसे बाद में बुझा दिया गया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार चेरनोबिल 1986 की आपदा का स्थल था जिसने सोवियत संघ और यूरोप के कुछ हिस्सों में रेडियोधर्मिता फैलाई थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा कि साइट पर उसकी टीम ने स्थानीय समयानुसार सुबह 2 बजे से कुछ देर पहले एक बड़ा विस्फोट सुना। आईएईए ने कहा कि उसकी टीम ने कुछ ही मिनटों में विस्फोट का जवाब दिया और कोई हताहत नहीं हुआ।

नेपाल के वित्त मंत्री और पोखरा के मेयर जख्मी, हेलिकॉप्टर से काठमांडू लाए गए

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के वित्त मंत्री विष्णु पौडेल और पोखरा के मेयर धनराज आचार्य पोखरा भ्रमण वर्ष के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान आग की लपटों की चपेट में आने से जख्मी हो गए। दोनों को हेलिकॉप्टर के जरिए काठमांडू लाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि पोखरा में आयोजित भ्रमण वर्ष के उद्घाटन समारोह में शामिल विष्णु पौडेल, मेयर आचार्य उस वक्त आग की लपटों की चपेट में आ गए जब वो दीप प्रज्वलित कर रहे थे। दीप प्रज्वलन के दौरान गुब्बारे उड़ाने का भी कार्यक्रम था।

इसी दौरान दीपक के स्पर्श में आने से कई गुब्बारे एक साथ फटने लगे और उसमें आग लग गयी। इस दौरान मंच पर मौजूद वित्त मंत्री पौडेल और मेयर आचार्य का चेहरा और हाथ का हिस्सा जख्मी हो गया। कार्यक्रम में मौजूद पर्यटन मंत्री बद्री पांडे ने मीडियाकर्मियों को बताया कि

इस घटना के तत्काल बाद दोनों को स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हेलिकॉप्टर से काठमांडू के लिए रवाना किया गया। काठमांडू में दोनों को कीर्तिपुर स्थित सुषमा कोइराला बर्न अस्पताल में दाखिल कराया गया है। चिकित्सकों ने बताया कि दोनों को गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती किया गया है। उपचार जारी है।

पाकिस्तान सड़क दुर्घटना में 12 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस के पलट जाने से 12 लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह दुर्घटना प्रांत के खैरपुर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग पर तब हुई,

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

ट्रंप ने बोइंग विमान का दौरा किया, नए एयर फोर्स वन की डिलीवरी में देरी को उजागर करना उद्देश्य

एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने (स्थानीय समयानुसार) को बोइंग विमान का दौरा किया, ताकि नए एयर फोर्स वन विमान के अपडेटेड वर्जन की डिलीवरी में विमान निर्माता द्वारा की जा रही देरी को उजागर किया जा सके। व्हाइट हाउस के अनुसार, इस दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने हार्डवेयर और प्रौद्योगिकी सुविधाओं की जांच भी की।

व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने पाम बीच अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खड़े 13 साल पुराने निजी विमान का दौरा किया। उनका यह दौरा नए एयर फोर्स वन की समय पर डिलीवरी में परियोजना की विफलता को उजागर करता है।

राष्ट्रपति के पास 30 से ज्यादा पुराने दो विमान

एयर फोर्स वन एक संशोधित बोइंग 747 है। राष्ट्रपति के पास दो विमान हैं, जो 30 साल से ज्यादा पुराने हैं। बोइंग इंक. के पास अपडेटेड वर्जन बनाने का अनुबंध है, लेकिन डिलीवरी में देरी हो रही है, जिससे विमान निर्माता को इस परियोजना पर अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है।

पहले विमान की डिलीवरी 2027 और दूसरे की 2028 तक

अमेरिकी वायु सेना के अनुसार, पहले डिलीवरी 2024 के लिए तय की गई थी, लेकिन अब पहले विमान की डिलीवरी 2027 और दूसरे की 2028 तक बढ़ा दी गई है, जो ट्रंप के कार्यकाल का अंतिम वर्ष है।

लागत और डिलीवरी में देरी के खिलाफ ट्रंप ने उठाई आवाज

राष्ट्रपति ट्रंप ने परियोजना की लागत और डिलीवरी में देरी के खिलाफ आवाज उठाई है। उन्होंने टेस्ला और स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क से एक्स प्लेटफॉर्म पर एक ऑनलाइन चैट में कहा कि उन्होंने अपने पहले कार्यकाल के दौरान बोइंग के साथ सख्ती बरतकर परियोजना की लागत में एक बिलियन डॉलर से अधिक की कटौती की थी। ट्रंप ने कहा, 'चार सप्ताह के दौरान, मैंने इसी विमान के लिए 1.6 बिलियन डॉलर की कीमत कम करवा ली।'

सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व कर रहे मस्क

अरबपति मस्क ने ट्रंप के 2024 के अभियान को वित्तपोषित करने में मदद की है और वे सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व कर रहे हैं, जो खर्च में कटौती, एजेंसियों को खत्म करना और संघीय कार्यबल में कटौती करने के लिए काम कर रहा है। इसके लिए मस्क की आलोचना भी की गई है।

मस्क डिलीवरी में तेजी लाने में मदद कर रहे: सीईओ केली

बोइंग के सीईओ केली ऑर्टबर्ग ने पिछले महीने कहा था कि मस्क एयर फोर्स वन की डिलीवरी में तेजी लाने में मदद कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप एयर फोर्स वन के रंग को हल्के नीले से गहरे नीले में बदलने में भी रुचि रखते हैं, लेकिन तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन ने ट्रंप के इस प्रस्ताव को एक अध्ययन के बाद खारिज कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि ऐसा करने से अतिरिक्त परीक्षण की आवश्यकता होगी, जिससे और देरी होगी और लागत बढ़ेगी।

'भारत में विज्ञान संचार की आवश्यकता और महत्व' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

एजेंसी

नई दिल्ली। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद- राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर) ने यहां अपने परिसर में भारत में विज्ञान संचार की आवश्यकता और महत्व पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय भाषाओं में विज्ञान संचार में मौजूदा प्रयासों का मूल्यांकन करना और भारत के विविध भाषाई समुदायों में विज्ञान के साथ सार्वजनिक जुड़ाव बढ़ाने की रणनीतियों का पता लगाना था। अपने स्वागत भाषण में सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने वैज्ञानिक अनुसंधान और समाज के बीच की खाई को पाटने में विज्ञान संचार की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने समावेशिता और व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में विज्ञान संचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सच्ची वैज्ञानिक प्रगति समावेशी होती है। क्षेत्रीय भाषाओं में विज्ञान को बढ़ावा देना यह सुनिश्चित करता है कि ज्ञान समाज के हर कोने तक पहुंचे। पीएमई प्रमुख डॉ. नरेश कुमार ने परिचयात्मक टिप्पणी करते हुए क्षेत्रीय भाषाओं में वैज्ञानिक ज्ञान के प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया।

आआपा के तीन पार्षद भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के तीन पार्षद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। इनमें एंड्रयूजगंज की पार्षद अनीता बसोया, हरिनगर से पार्षद निखिल चपराना और आरके पुरम से पार्षद धर्मवीर शामिल हैं। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पार्टी कार्यालय में तीनों निगम पार्षदों को भाजपा का पटका पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। इस दौरान वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि तीन पार्षदों के पार्टी बदलने के फैसले से राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार बन सकती है, जिसमें केंद्र, राज्य और नगर निगम स्तर पर भाजपा का बहुमत होगा। सचदेवा ने कहा कि पार्षद दिल्ली को स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने के लिए भाजपा में शामिल हुए हैं। सचदेवा ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के भ्रष्टाचार को लेकर कहा कि पिछली सरकार के सारे कुकर्म खत्म होने जा रहे हैं और सजा भी उसी हिसाब से दी जाएगी। चाहे शीश महल हो, शराब घोटाला हो, जल बोर्ड घोटाला हो, पैनिक बटन घोटाला हो, राशन कार्ड घोटाला हो या मोहल्ला क्लीनिक घोटाला हो। दिल्ली को लूटने का काम करने वाले हर व्यक्ति को सजा मिलेगी। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

केजरीवाल को भ्रष्टाचार की सजा मिलेगी : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। रोहिणी के नवनिर्वाचित भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के शीशमहल के केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के जांच के आदेश की सराहना की है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को भ्रष्टाचार की सजा मिलेगी। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने उनकी पिछली दो शिकायतों का संज्ञान लिया और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी। इसके आधार पर दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग को छह फ्लैग स्टाफ रोड बंगले के विस्तार के लिए संपत्तियों के कथित विलय और इसके अंदरूनी हिस्से पर किए गए खर्च की विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया है। सीवीसी द्वारा छह फ्लैग स्टाफ बंगले के नवीनीकरण की जांच के आदेश पर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि 'शीश महल' (आआपा) और अरविंद केजरीवाल का भ्रष्टाचार अब खुलकर सामने आ गया है। सीवीसी ने तथ्यों के आधार पर संज्ञान लिया है। गुप्ता ने कहा कि पिछले साल 14 और 21 अक्टूबर को सीवीसी को दो पत्र लिखे गए थे। सीवीसी को पत्र में लिखा था कि 'शीश महल' का क्षेत्रफल मूल रूप से 10 हजार गज से कम था लेकिन बगल के बंगलों और आठ टाइप-पांच फ्लैटों को खाली करा लिया गया और इसमें 50 हजार गज के करीब विलय कर दिया गया। इसका निर्माण अवैध है।

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की जीत पर नड्डा ने दी कार्यकर्ताओं को बधाई

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु सायदेव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव और कार्यकर्ताओं को बधाई दी। जेपी नड्डा ने एक्स पर लिखा- यह ऐतिहासिक विजय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल-इंजन सरकार द्वारा क्रियान्वित हो रही जन-कल्याणकारी व जनजातीय-हितैषी योजनाओं पर प्रदेशवासियों के अटूट विश्वास का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में नगरीय चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत हुई है। आए नतीजों के मुताबिक सभी 10 नगर निगम की सीटों पर भाजपा की जीत हुई है। नगर पालिका परिषद् की 49 में से 36 पर भाजपा की जीत, 114 नगर पंचायत में से 84 नगर पंचायत में भाजपा की जीत, कांग्रेस 20 और अन्य 10 जीते।

हाशिए पर रहने वालों पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव की चिंता करना जरूरीः मुर्मु

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि प्रौद्योगिकी प्रगति के साथ साथ समाज में व्यवधान भी पैदा करती है इसलिए हाशिए पर रहने वाले समूहों पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता करना जरूरी है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने झारखंड के रांची में बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह में भाग लिया। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि यह प्रौद्योगिकी का युग है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई प्रगति ने जीने के तरीके को बदल दिया है। कल तक जो अकल्पनीय था, वह आज वास्तविकता बन गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्ष और भी अधिक नाटकीय होने जा रहे हैं, जिसमें विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग में दूरगामी प्रगति की उम्मीद है। चूंकि एआई तेजी से अर्थव्यवस्थाओं को बदल रहा है, इसलिए सरकार उभरते परिदृश्य के अनुरूप कदम उठा रही है। उच्च शिक्षा संस्थानों में एआई को एकीकृत करने के लिए कई पहल की जा रही हैं।राष्ट्रपति ने कहा कि चूंकि प्रौद्योगिकी समाज में बड़े व्यवधान पैदा करती है, इसलिए हमें हाशिए पर पड़े समूहों पर इसके प्रभाव के बारे में चिंतित रहना चाहिए। अच्छे अवसर सभी के लिए उपलब्ध होने चाहिए और बदलाव का लाभ सभी को मिलना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि

अक्सर, हमारे आस-पास की समस्याओं के लिए किसी बड़े तकनीकी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती है। उन्होंने युवाओं को छोटे पैमाने के पारंपरिक समाधानों के महत्व को न भूलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नवोन्मेषकों और उद्यमियों को पारंपरिक समुदायों के ज्ञान के आधार को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि प्लेटिनम जुबली, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्रों में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में बीआईटी मेसरा के योगदान का सम्मान करने का यह एक उपयुक्त अवसर है।

उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि यह संस्थान कई क्षेत्रों में अग्रणी रहा है। देश में पहला अंतरिक्ष इंजीनियरिंग और रॉकेटरी विभाग 1964 में यहीं स्थापित किया गया था। इंजीनियरिंग उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सबसे पहले विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्क की स्थापना भी 1975 में यहीं की गई थी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बीआईटी मेसरा देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के निरंतर विकास में समृद्ध योगदान देना जारी रखेगा।

भाजपा के महासचिवों की अहम बैठक, संगठन चुनाव पर चर्चा संभव

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा पार्टी महासचिवों के साथ बैठक कर रहे हैं। भाजपा मुख्यालय में चल रही

बैठक में महासचिव दुष्यंत गौतम, विनोद तावड़े, तरुण चुघ, राधामोहन अग्रवाल, बीएल संतोष मौजूद हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक में संगठन चुनाव पर चर्चा भी हो सकती है। अगले महीने तक भाजपा के नए अध्यक्ष की भी घोषणा की जा सकती है। सूत्रों के अनुसार अभी तक 12 राज्यों में संगठन के चुनाव पूरे हो चुके हैं। 60 प्रतिशत चुनाव संपन्न होने के बाद भाजपा के अध्यक्ष पद का चुनाव होगा। इसके साथ दिल्ली विधानसभा चुनाव में 27 साल के बाद भाजपा की शानदार वापसी हुई है, इसलिए यहां सरकार बनाने पर भी चर्चा संभव है। कयास लगाए जा रहे हैं कि दिल्ली में 20 फरवरी से पहले नई सरकार शपथ ले सकती है। सरकार में कौन मुख्यमंत्री बनेगा इस पर गहन मंथन चल रहा है। संसदीय दल की बैठक के बाद दिल्ली के लिए पर्यवेक्षक की नियुक्ति की जाएगी। उसके बाद विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से दल का नेता चुना जाएगा।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को 48 सीटों पर जीत हासिल हुई है जबकि आम आदमी पार्टी को 22 सीटें मिली हैं। कांग्रेस इस बार भी खाता नहीं खोल पाई।

गुजरात, राजस्थान की 14 बुनियादी परियोजनाओं की समीक्षा

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप भाटिया की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरी बैठक में गुजरात और राजस्थान से जुड़ी 14 महत्वपूर्ण परियोजनाओं के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गयी ताकि उनके क्रिन्वयन में तेजी लाई जा सके। इसके लिए उच्चस्तारीय बैठक में निजी क्षेत्र की कंपनी रिलायंस जियों की 5जी-4जी विस्तार परियोजना की भी समीक्षा की गयी। वाणिज्य एवं उद्याग मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री भाटिया की अध्यक्षता में परियोजना निगरानी (पीएमजी) तंत्र की मदद से दोनों राज्यों में वृहद बुनियादी परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों की समीक्षा की। श्री भाटिया ने परियोजना निगरानी के लिए संस्थागत ढांचे को बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और संबंधित अधिकारियों को लंबित मुद्दों का समाधान निकालने में सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया। बैठक में संबंधित विभागों और राज्यों के अधिकारी शामिल थे। बैठक में, 14 महत्वपूर्ण परियोजनाओं में 21 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिनमें श्रम और रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत चार परियोजनाएं शामिल हैं, जिनकी कुल लागत 13,162 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके अतिरिक्त, 600 करोड़ रुपये मूल्य की एक निजी परियोजना से संबंधित सात मुद्दों की भी समीक्षा की गई। विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में गुजरात में खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क की ट्रांसमिशन परियोजनाओं पर महत्वपूर्ण रुप से बल दिया गया। इस परियोजना के पूरा हो जाने पर इससे हर साल लगभग 81 अरब यूनिट स्वच्छ बिजली मिलने की उम्मीद है। इसमें निर्माण, इंजीनियरिंग, परिचालन और रखरखाव सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 15,200 हरित रोजगारों के सृजन होने का अनुमान है। बैठक में निजी क्षेत्र की कंपनी रिलायंस जियो की 5जी/4जी विस्तार परियोजना की भी समीक्षा की गई। यह परियोजना अल्ट्रा-हाई-डेफ़िनेशन स्ट्रीमिंग की सुविधा और आईओटी और स्मार्ट सिटी समाधान जैसे अनुप्रयोगों की प्रगति से संबंधित है। श्री भाटिया ने परियोजना कार्यान्वयन में तेजी लाने और केंद्र सरकार, राज्य प्राधिकरणों और निजी हितधारकों के बीच सहयोग के माध्यम से चिंताओं का कुशल और समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) के इस विशेष तंत्र का लाभ उठाने के महत्व पर जोर दिया।

जनरल चौहान ने एयरो इंडिया में कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने भारत की विभिन्न देशों के साथ रणनीतिक रक्षा साझेदारी बढ़ाने की इच्छा व्यक्त करते हुए एयरो इंडिया 2025 में कई उच्च स्तरीय बैठकें की हैं। जनरल चौहान ने मुख्य रूप से अमेरिका की पैसिफिक एयर फोर्स के कमांडर जनरल केविन बी श्नाइडर, ब्रिटेन के रक्षा मंत्री लॉर्ड वर्नोन कोकर , संयुक्त अरब अमीरात के लेफ्टिनेंट जनरल इब्राहिम नासिर अल अलावी , वियतनाम के मेजर जनरल डुओंग वान येन , फिजी के मेजर जनरल रो जोन कलौनीवाई लोगवातु, मलावी के जनरल पॉल वेलेन्टिनो फिरी, तंजानिया के लेफ्टिनेंट जनरल सलुम हाजी ओथमान और अल साल्वाडोर के वाइस एडमिरल एक्सॉन ओस्वाल्डो एसेनियो अल्बेनो के साथ बैठकें की। इन बैठकों में रक्षा क्षेत्र में सैन्य सहयोग, क्षमता निर्माण और रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा की गई। जनरल चौहान ने वैश्विक

रक्षा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक रूप से बातचीत की, जिसमें साब एबी, एयरबस, इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज, बीएई सिस्टम्स, डसॉल्ट एविएशन और रोल्स रॉयस सहित प्रमुख एयरोस्पेस कंपनियों के अधिकारियों के साथ रणनीतिक चर्चा की गई। यह बातचीत स्वदेशी विनिर्माण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और भारत के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत विशिष्ट क्षमताओं के विकास पर केंद्रित थी। जनरल चौहान ने विभिन्न रक्षा मंडपों का भी दौरा किया, जहां उन्होंने भारतीय और विदेशी रक्षा उपकरण निर्माताओं, एमएसएमई और स्टार्टअप्स के साथ बातचीत की। उन्होंने मित्र देशों के सैन्य विमानों के प्रभावशाली प्रदर्शन देखे और क्षमता और प्रदर्शन मापदंडों पर व्यापक जानकारी प्राप्त की, जिसमें अमरीका से एफ-35, जर्मनी से एमआरटीटी, स्पेन से ए400, रूस से सुखोई -57 और फ्रांस से एच125 शामिल थे, जो घरेलू क्षमताओं को मजबूत करते हुए अंतर्राष्ट्रीय रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने की भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। एक उल्लेखनीय घटनाक्रम में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रमुख सैन्य नेतृत्व की उपस्थिति में 'नेटवर्क केंद्रित बहु डोमेन संचालन' पर एक ऐतिहासिक दस्तावेज का अनावरण किया।

राजग के मुख्य सहयोगी वक्फ संशोधन विधेयक पर सहमत : किरेन रिजिजू

एजेंसी

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के दो प्रमुख सहयोगी, बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू, वक्फ (संशोधन) विधेयक पर सहमत हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट विपक्ष के हंगामे के बीच 13 फरवरी को संसद में पेश की गई। श्री रिजिजू ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक पर फर्जी कहानी फैलाई जा रही है। केंद्रीय

मंत्री ने श्रीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ÷जब हमने वक्फ (संशोधन) विधेयक संसद में पेश किया, तो हमारा इरादा बहुत स्पष्ट था और हमने संसद को यह भी बताया कि विधेयक का एकमात्र उद्देश्य भारत में वक्फ संपत्तियों की रक्षा करना है, जो दुनिया में सबसे बड़ी हैं।

श्री रिजिजू ने कहा,÷वक्फ के पास करोड़ों रुपये की संपत्ति होने के बावजूद अगर कोई भीख मांग रहा है कि है, तो यह अफसोस की बात है। इसीलिए हमने वक्फ विधेयक में यह स्पष्ट कर दिया है कि मुसलमानों से संपत्ति छीनकर किसी और को देने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा कि देश कानून से चलता है और कोई किसी की संपत्ति नहीं छीन सकता। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित विधेयक पारदर्शिता लाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि महिलाओं समेत हजारों मुसलमानों ने उनसे मुलाकात की है और विधेयक की सराहना की है। उन्होंने कहा, ÷विधेयक के बारे में बहुत दुष्प्रचार किया जा रहा है। यहां तक कि विधेयक का समर्थन करने वाले कई विपक्षी मुस्लिम सांसद भी पार्टी की मजबूरियों के कारण इसका विरोध कर रहे हैं।

कतर के अमीर शेख तमीम 17-18 फरवरी को भारत की राजकीय यात्रा पर

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी 17-18 फरवरी को भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। उनके साथ मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा। कतर के अमीर की यह दूसरी भारत यात्रा होगी। इससे पहले मार्च 2015 में वह भारत की राजकीय यात्रा पर आए थे।

भारत के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए आज यहां बताया कि कतर के अमीर का 18 फरवरी को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत किया जाएगा। अपनी यात्रा के दौरान वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ विचार-विमर्श करेंगे, जो उनके सम्मान में भोज का आयोजन भी करेंगी। वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे।भारत और कतर के बीच दोस्ती, विश्वास और आपसी सम्मान के गहरे ऐतिहासिक सम्बंध हैं। हाल के वर्षों में व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों सहित दोनों देशों के बीच संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। कतर में रहने वाला भारतीय समुदाय कतर का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है और कतर की प्रगति और विकास में इसके सकारात्मक योगदान के लिए इसकी सराहना की जाती है। अमीर की यात्रा हमारी बढ़ती बहुमुखी साझेदारी को और गति प्रदान करेगी। गौरतलब है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस साल की शुरुआत में अपनी पहली कूटनीतिक मुलाकात के लिए दोहा का दौरा किया।

हम सदैव राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखें - उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का कहना है कि सिर्फ दो वर्षों में जम्मू-कश्मीर को 65,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह क्षेत्र में आर्थिक विश्वास की मजबूती को दर्शाता है। 2019 में धारा 370 के ऐतिहासिक निरसन ने पीढ़ियों की आकांक्षाओं को पंख दिए। धारा 370 केवल एक अस्थायी प्रावधान था। भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बीआर. अंबेडकर ने इसे लिखने से इनकार कर दिया था। सरदार पटेल, जिन्होंने अधिकांश रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण किया, वे भी जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण को नहीं कर सके। 2019 में, इस पवित्र भूमि पर एक नई यात्रा का शुभारंभ हुआ, 'अलगाव से एकीकरण की ओर।'

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, 'जम्मू-कश्मीर में 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान 35 वर्षों में सबसे अधिक मतदान हुआ, जिसमें कश्मीर घाटी में भागीदारी में 30 अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। लोकतंत्र को अपनी वास्तविक आवाज और सच्ची प्रतिध्वनि मिल गई है। यह क्षेत्र अब संघर्ष की कहानी नहीं रह गया है। नए कश्मीर में प्रत्येक

निवेश प्रस्ताव केवल पूंजी का विषय नहीं है, बल्कि यह पुनर्स्थापित विश्वास और पुरस्कृत आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन अदृश्य नहीं है, बल्कि प्रत्यक्ष रूप से दिखाई दे रहा है। धारणाएं बदल चुकी हैं, जमीनी हकीकत बदल रही है और जनता की आकांक्षाएं नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। वर्ष 2023 में 2 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व बढ़ावा मिला। जो कभी 'धरती का स्वर्ग' कहलाता था, वह अब आशा और समृद्धि का प्रतीक बन गया है। इस पावन भूमि के एक महान सपूत ने कभी 'एक देश में एक निशान, एक विधान, एक प्रधान' की मांग की थी। आज वह स्वप्न साकार हो चुका है। जहां कभी अव्यवस्था और अस्थिरता थी, वहां अब सुशासन और स्थिरता देखी जा रही है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि राष्ट्रवाद हमारी पहचान है। हमारा परम कर्तव्य है कि हम सदैव राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखें। कोई भी राजनीतिक या व्यक्तिगत स्वार्थ राष्ट्रहित से बड़ा नहीं हो सकता। प्रत्येक नागरिक के कुछ कर्तव्य होते हैं। हमारी संस्कृति हमें हमारे कर्तव्य सिखाती है। जब हम अपने नागरिक कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करेंगे, तो परिणाम असाधारण होंगे। हमें विकसित भारत की ओर अपनी यात्रा को तीव्र गति से आगे बढ़ाना होगा। इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, दंड विधान से न्याय विधान की ओर परिवर्तन और औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति।

एमपी टूरिज्म बोर्ड को प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन के लिए मिला स्कॉच अवॉर्ड-2024

एजेंसी

भोपाल। एमपी टूरिज्म बोर्ड (एमपीटीबी) को उसके सतत पर्यटन पहल 'प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशंस' के लिए प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में सिल्वर ओक हॉल, इंडिया हैबिटेट सेंटर में 100वें स्कॉच समिट के दौरान एमपी टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक बिदिशा मुखर्जी ने यह अवार्ड ग्रहण किया। पर्यटन और संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव एवं टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक शिव शेखर शुक्ला ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने इस उपलब्धि पर हर्ष जताते हुए कहा कि एमपी टूरिज्म बोर्ड सतत और जिम्मेदार पर्यटन के प्रति प्रतिबद्ध है। हम सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से मध्य प्रदेश को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित बनाने के सतत प्रयास कर रहे है। यह अवॉर्ड परियोजना को क्रियान्वित कर रहे सभी हितधारको और अधिकारियों का हौसला बढ़ाएगा। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड भोपाल द्वारा प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन का शुभारम्भ फरवरी 2022 में राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा पन्ना जिले से किया गया है। इस परियोजना को कोका-कोला इंडिया लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित किया गया है और इसे साहस (एसएएएचएएस) संगठन द्वारा क्रियान्वित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य ठोस कचरा प्रबंधन, पर्यावरणीय स्थिरता और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना है। यह पहल स्वच्छता, आगंतुक जागरूकता और राजस्व-साझाकरण मॉडल को सुनिश्चित करती है, जिससे स्थानीय संस्थानों को सशक्त बनाया जा सके।

यह परियोजना पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के पास स्थित 30 गांवों में सफलतापूर्वक लागू की गई है। पन्ना में मिली सफलता के बाद, एमपीटीबी ने इस पहल का विस्तार बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और इसके आसपास के 16 गांवों में कर दिया है। इसके अलावा, इस पहल को और प्रभावी बनाने के लिए एमपीटीबी, साहस (SAAHAS) और स्वच्छ भारत मिशन, मध्य प्रदेश के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए गए हैं।

पिछले आठ साल से पंजाब बैक गियर में है : तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधा। उन्होंने से बातचीत में अमेरिका से डिपोर्ट करके लाए जा रहे भारतीय नागरिकों के संदर्भ में मान से सवाल किया। उन्होंने कहा कि मान को सामने आकर जवाब देना चाहिए कि आखिर पंजाब के भोले-भाले बच्चे गए कैसे? भेजा किसने? तरुण चुघ ने मुख्यमंत्री मान से सवाल किया, 'आखिर जिन दलालों ने इन बच्चों को विदेश भेजा, उनके खिलाफ आपने अब तक क्या कार्रवाई की?

उन्होंने मुख्यमंत्री मान पर इस मामले में राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस मामले में कोई भी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसके विपरीत वह राजनीति करने में लगे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। भाजपा नेता ने दावा किया कि पिछले आठ साल से पंजाब बैक गियर पर चल रहा है। उद्योग, किसान और व्यापार, सब कुछ पूरी तरह से ठप हो चुका है। फर्जी ट्रेवल एजेंट्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने में 'आप-दा' की सरकार पूरी तरह से विफल साबित हुई है। पंजाब सरकार ने एक भी योजना युवकों के लिए नहीं बनाई। हर मोर्चे पर यह सरकार पूरी तरह से विफल साबित हुई।इसके साथ ही उन्होंने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'जब पूरा देश कोरोना की मार झेल रहा था, उस वक्त तानाशाह के शहंशाह (अरविंद केजरीवाल) गरीबों के पैसों से अपने लिए आलीशान 'शीश महल' तैयार कर रहे थे।' भाजपा नेता ने दावा किया कि इस 'शीश महल' को तैयार करने में 170 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए गए। इतना ही नहीं, कई अधिकारियों के फ्लैट भी तोड़े गए। केजरीवाल ने 11 साल तक दिल्ली के लोगों को धोखे में रखा। आम आदमी पार्टी की सरकार में अनेक घोटाले देखने को मिले, जिनमें शराब घोटाला, जल बोर्ड घोटाला सहित कई अन्य घोटाले शामिल हैं। इन्हीं घोटालों से परेशान होकर दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर कर दिया। उधर, उन्होंने रेवंत रेड्डी के बयान की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी का बयान निंदनीय, जातिवादी, कष्ट देने वाला, भेदभावपूर्ण और दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसी स्थिति में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, पूरी दुनिया में भारत को नई उम्मीदों के साथ देखा जा रहा है। ऐसी स्थिति में रेवंत रेड्डी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जाति का सवाल उठा रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। दरअसल, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछड़े वर्ग से नहीं हैं, बल्कि मुख्यमंत्री बनने के बाद कानूनी तौर पर पिछड़े वर्ग में शामिल हुए थे। उनके इसी बयान पर अब तरुण चुघ ने यह प्रतिक्रिया दी। गौरव गोगोई की पत्नी पर लगे आरोपों के संदर्भ में भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता गौरव गोगोई की पत्नी एजिलाबेथ का आईएसआईएस के साथ संपर्क होना देश की सुरक्षा के लिए एक तरह से खतरा है। मैं कहूंगा, यह देश की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

भारत-चाड विदेश कार्यालय परामर्श के पहले दौर में द्विपक्षीय रिश्तों को गहरा करने पर बनी सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-चाड विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) का पहला दौर चाड गणराज्य के एन'दजामेना में आयोजित किया गया, जिसकी सह-अध्यक्षता सेवाला नाइक मुडे, अतिरिक्त सचिव (मध्य और पश्चिम अफ्रीका), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार और फातिम अल्दजिनेह गरफा, विदेश मामलों के लिए मंत्री प्रतिनिधि, चाड गणराज्य ने की। भारत के विदेश मंत्रालय ने आज यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि एफओसी के दौरान दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स, शिक्षा, क्षमता निर्माण, रक्षा, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई), कृषि, लोगों से लोगों के बीच संपर्क और सांस्कृतिक आदान-प्रदान सहित द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों को शामिल करते हुए भारत-चाड संबंधों के संपूर्ण दायरे की व्यापक समीक्षा की। दोनों पक्षों ने बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने के लिए प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने पर सहमति व्यक्त की।दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के प्रमुख मुद्दों पर गहन चर्चा की और विचारों का आदान-प्रदान किया। विदेश मामलों के लिए मंत्री प्रतिनिधि फातिम अल्दजिनेह गरफा ने अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाने में भारत के प्रयासों की गहरी सराहना की और माना कि अफ्रीकी संघ के लिए जी-20 की सदस्यता मंच पर वैश्विक दक्षिण की स्थिति को मजबूत करेगी। यात्रा के दौरान मुडे ने चाड के प्रधानमंत्री और सरकार के प्रमुख राजदूत अल्लाह मे हलीना, सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री डॉ अब्देलमदजीद अब्देलकेरिम, दूरसंचार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और डिजिटलीकरण मंत्री बौकर मिशेल, कृषि उत्पादन और औद्योगिकीकरण मंत्री केधा बल्ला, वाणिज्य और उद्योग मंत्री गुइबोलो फंगा मैथ्यू और खान, पेट्रोलियम और भूविज्ञान मंत्री एनडोलेनोजी एलिक्स नैम्बई से भी मुलाकात की। भारत और चाड के बीच आपसी सम्मान और साझा मूल्यों पर आधारित मधुर और सौहार्द्रपूर्ण संबंध हैं। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर नियमित बातचीत होती रही है। दोनों पक्षों ने कृषि, फार्माकोपिया सहित फार्मास्यूटिकल्स, तेल, नवीकरणीय ऊर्जा और रक्षा सहित सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान की है। 2018-19 में द्विपक्षीय व्यापार 513.59 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था, लेकिन भारत द्वारा कच्चे तेल के आयात में गिरावट के कारण यह घटकर 83.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया है। चाड में लगभग 45 भारतीय कंपनियां हैं, जो ज्यादातर तेल परियोजनाओं, अंतरराष्ट्रीय संगठनों में काम कर रही हैं और कई चाड में व्यापार में लगी हुई हैं।

नारनौल में बोर्ड की परीक्षा के मद्देनजर धारा 163 लागू

एजेंसी

नारनौल। जिलाधीश डॉ विवेक भारती ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं व बारहवीं कक्षा की परीक्षा के सफल संचालन के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जिले के अन्दर बनाए गए सभी परीक्षा केन्द्रों के आसपास 15 फरवरी से 4 अप्रैल तक परीक्षा के दौरान 200 मीटर की परिधी में पांच व इससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर पाबंदी रहेगी। जिलाधीश ने दिए आदेशों में स्पष्ट किया है कि सिख समुदाय द्वारा रखी जाने वाले धार्मिक कृपान को छोड़कर घातक हथियारों शस्त्र तलवार, बरछा, कुल्हाड़ी, जेली, चाकू, साईकिल चेन और अन्य वस्तुएं जिन्हें घातक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता हैं उन पर पाबंदी रहेगी। परीक्षा की तिथि वाले दिन परीक्षा केन्द्र के आसपास 200 मीटर की परिधी में परीक्षा अवधि के दौरान फोटोस्टेट के व्यवसाय पर प्रतिबन्ध रहेगा। यह आदेश पुलिस विभाग व अन्य सरकारी कर्मचारी जो ड्यूटी पर होंगे उनके ऊपर लागू नहीं होगा। उपरोक्त आदेशों की अवहेलना में यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो वह वीएनएस 2023 की धारा 223 व अन्य कानूनी प्रावधान के तहत दण्ड का भागी होगा।

हिसार के वार्ड 4 से सुनील चौहान ने भरा पार्षद उम्मीदवार के लिए नामांकन

हिसार। नगर निगम चुनाव के लिए शहर के वार्ड नं. 4 से सुनील चौहान ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर उनके बड़े भाई संजय चौहान, चेयरमैन जय भीम आर्मी व सनातन धर्म चैरिटेबल ट्रस्ट भी मौजूद रहे। इस अवसर पर सुनील चौहान ने कहा कि इस बार आप अपना पार्षद चुनते समय किसी चेहरे या पार्टी को न देखते हुए उसकी शिक्षा, काम व सोच को देखकर अपना वोट डालना। वे लंबे समय से जनता के बीच हैं और वार्ड 4 की सभी समस्याओं से अच्छी तरह वाकिफ हूं जिसमें जलभराव की समस्या प्रमुख है। इसके अलावा वार्ड की अन्य सभी समस्याएं भी हैं। वार्ड की सभी समस्याओं का प्राथमिकता से हल करवाना और वार्ड 4 को आदर्श वार्ड बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। इस मौके पर मुख्य रूप से वार्ड वासी नरेश कुमार, राजकुमार जाटव, संतलाल वर्मा, जंगी सरपंच, राहुल महता, विक्रम, शीलू वर्मा, सुशील बासनीवाल, मोनू बिडलान, एडवोकेट बजरंग इंदल, सुनील सैनी, अभिषेक छापोला, सुरेश भुटानी, अमित वर्मा, मोहित कारगवाल, कौशल महता, हेमंत कारगवाल, विक्रम सोढी, कुनाल, संजय महता, अंजू चौहान, मीनाक्षी, पिंकी, जीतो देवी, विद्या देवी सहित वार्ड के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

हाईवा की चपेट में आने से हेल्पर की मौत

सोनीपत। सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की रात को मौत हो गई। युवक जिस हाईवा पर हेल्पर था, उसी की चपेट में आ गया। पुलिस ने चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मृतक का शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। बहालगढ़ थाना पुलिस को इमरान द्वारा दी शिकायत में बताया कि वह गांव अखनाका, तहसील फिरोजपुर झिरका, जिला मेवात नूंह का रहने वाला है, वह चालक है। उसके छह बच्चे हैं, जिनमें पांच लड़के और एक लड़की है। उसका बड़ा बेटा अरमान हाईवा पर बतौर सहायक नौकरी करता था। इसी गाड़ी पर उसका रिश्तेदार युसुफ निवासी नूरपुर, जिला नूंह मेवात बतौर चालक काम करता है। 14 फरवरी की शाम को दोनों नूंह से गांव नादनौर, जिला सोनीपत में रेती भरने के लिए निकले थे। आधी रात जब वे गांव पलड़ी मोड़ के नजदीक पहुंचे, तो अरमान को बाथरूम के लिए रुका युसुफ ने गाड़ी को रोड के साइड में लगा दिया। जब अरमान बाथरूम से लौटकर हाईवे पर चढ़ने लगा, तो उसका पैर पायदान से फिसल गया और वह नीचे गिर गया। चालक युसुफ ने अचानक गाड़ी चला दी। गाड़ी उसके बेटे अरमान को कुचलते हुए उसके ऊपर से गुजर गई। चालक ने गाड़ी को रोककर देखा तो अरमान बेहोश था। राह चलते लोगों की मदद से उसे सरकारी अस्पताल सोनीपत ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूरजकुंड मेले में शिल्प महाकुंभ के प्रति पर्यटकों का दिख रहा अपार उत्साह

फरीदाबाद। अरावली पर्वत श्रृंखला की खूबसूरत वादियों में चल रहा 38वां अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला-2025 दिन प्रतिदिन अपने शबाब की ओर बढ़ रहा है। सूरजकुंड में लगे इस शिल्प महाकुंभ में निरंतर पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है तथा पूरे उत्साह व उमंग के साथ पर्यटक मेलेक का आनंद ले रहे हैं। शाम के समय पर्यटकों की भीड़ मेला परिसर के हर कोने में देखी जा सकती हैं। मेला में स्थित छोटी व बड़ी और महा चौपाल में पर्यटक देशी व विदेशी कलाकारों की भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद उठाते नजर आ रहे हैं। हल्की सर्दी के मौसम के बावजूद पर्यटकों में शिल्प मेला के प्रति काफी रूझान देखने को मिल रहा है, विशेषकर सांय के समय मेला क्षेत्र के प्रवेश द्वार पर पर्यटकों का काफी आवागमन देखने को मिल रहा है। मेला में लगी स्टॉल्स पर युवाओं की शिल्प कला में रुचि देखते ही बन रही है। आगंतुक शिल्पकारों से न केवल सामान की खरीददारी कर रहे हैं बल्कि शिल्पकारों से कौशल के क्षेत्र में उनके हुनर की कहानी से भी रूबरू हो रहे हैं। मेला परिसर में विभिन्न स्थानों पर सेल्फी प्वाइंट बनाए गए हैं, जहां सेल्फी लेने वाले पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। मेला परिसर में इस बार महा चौपाल के साथ लगते क्षेत्र में मनोरंजन पार्क में लगे झूले भी आगंतुकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं।

भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार तीन गुना गति से करेगी विकास कार्य : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर के होने वाले नगर निगम चुनाव के दौरान अनाज मंडी जगाधरी में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा महापौर की प्रत्याशी सुमन बहमनी व 22 वार्डों

- कांग्रेस के पूर्व विधायक ने समर्थकों समेत भाजपा का दामन थामा

के पार्षद प्रत्याशियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का यहां पहुंचने पर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में रादौर से कांग्रेस के पूर्व विधायक बिशन लाल सैनी ने अपने कार्यकर्ताओं सहित कांग्रेस को छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, यमुनानगर विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल गुर्जर सहित पूर्व विधायक व जिला वरिष्ठ कार्यकर्ता भी पहुंचे। आयोजित कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज कांग्रेस

को छोड़ कर तीन बार के पूर्व विधायक बिशन लाल सैनी व उनके सैंकड़ों कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने पर उनका स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन ने हरियाणा में भाजपा की राजनीति के मायने बदल दिए और हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाने का काम किया है। सबका सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा का भाजपा में प्रदेशाध्यक्ष ने सुमन बहमनी और 22 वार्डों के प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की है। इनको शुभकामनाएं और बधाई देता हूं। यहां पर कमल का फूल खिलेगा। यहां पर भी शहर की भाजपा की तीसरी सरकार बनाएगी। हम तीन गुना काम करने संकल्प लेते है। मोदी के विजन सबका साथ, सबका विकास, हरियाणा एक हरियाणवी एक के मूल सिद्धांत पर विकास कार्य किए जा रहे है। हमारा उद्देश्य हर क्षेत्र में विकास और सबका विकास हो।शहर की सरकार आपकी सेवा में तत्पर रहेगी यह विश्वास दिलाता हूं। जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में पहले भी विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी, न अब छोड़ेंगे। दस वर्षों में यहां 760 करोड रूपये के विकास कार्य किया है। हुड्डा भी हिसाब मांगते थे। उन्हें दस वर्षों में यहां केवल 350 करोड रूपये खर्च किए। यमुनानगर- पंचकूला राज्यमार्ग बनाया। 1112 करोड़ रूपये की लागत से पंचकूला से हरिद्वार तक सड़क बनाने का काम किया।छछरौली में तहसील बनाई। खुदराबाद का नाम बदलकर प्रतापनगर रखा और बस स्टैंड बनाया गया। बिना रुके हमारी सरकार हर क्षेत्र में काम करवा रही है। चुनाव के बाद तीन गुना गति से विकास किए जाएंगे। हरियाणा भी विकसित भारत बनाने में अपना सहयोग दे रहा हूं और हरियाणा भी विकसित होगा।

पलवल के चहुंमुखी विकास में नही छोड़ी जाएगी कोई कमी : मनोहर लाल

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार के खेल व युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता मंत्री गौरव गौतम ने वंदे भारत ट्रेन से चंडीगढ़ से दिल्ली आते समय सफर के दौरान हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल से पलवल जिला के विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की। लगभग तीन घंटे की इस यात्रा में पलवल को किस तरह स्मार्ट और ग्रीन सिटी बनाया जाए और पलवल को कैसे जाम से मुक्ति मिले बारे भी विस्तार से चर्चा हुई। वही पलवल को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए भी नए-नए प्रोजेक्ट को लेकर खेल मंत्री गौरव गौतम ने केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल से बात की। वही केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने पलवल के विकास के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि कभी भी पलवल को विकास के मामले में पीछे नहीं रहने दिया जाएगा। पलवल के चहुंमुखी विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिना किसी भेदभाव के प्रदेश के सभी क्षेत्रों में समान विकास कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश में सड़कों व रेल नेटवर्क का जाल बिछाकर कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है। पलवल जिले में शहरी व ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए सरकार द्वारा पर्याप्त मात्रा में धन राशि उपलब्ध करवाई जा रही है।

अपनी ताकत को पहचाने जनप्रतिनिधि : हरविंद्र कल्याण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा की ओर से आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम संपन्न हो गया। अंतिम दिन राज्य सभा के उप-सभापति हरिवंश, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, गुजरात विधान सभा अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी, हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, हरियाणा सरकार में संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा, पूर्व सांसद डॉ.सत्यपाल सिंह, राज्यसभा के संयुक्त सचिव डॉ. राघव प्रसाद दास, लोकसभा के पूर्व संयुक्त सचिव रविन्द्र गारिमेला, केंद्रीय संसदीय मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव डॉ. सत्यप्रकाश ने विभिन्न विषयों पर जानकारी दी।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि दो दिन में बहुत से संवाद हुए हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों का आचरण मर्यादा के अनुसार होना चाहिए। कल्याण ने कहा कि जनप्रतिनिधि चुने जाने के बाद हमें बेहतर कानून बनाने का संकल्प लेना चाहिए। विधायी कामकाज ही हमारी ताकत है। इस सिलसिले में उन्होंने हाथी का उदाहरण देते हुए कहा कि इतने विशालकाय प्राणी को अपनी ताकत

का अंदाजा नहीं होता। हम सभी को अपनी ताकत का अनुमान होना चाहिए। उन्होंने विधायकों से अध्ययन करने का भी आह्वान किया। पूरे प्रदेश का बजट पास करने से लेकर खर्चों पर निगरानी ऐसी बहुत सी शक्तियां हैं, जो संविधान ने जनप्रतिनिधियों को दी है। उन्होंने कहा कि नियमों के हिसाब से अपनी बात रखनी चाहिए। कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वन नेशन-वन लेजिस्लेशन का सपना देखा है। इससे देश के संसदीय तंत्र में गुणात्मक सुधार होगा। डिजिटल प्लेटफार्म विकसित होने से सभी प्रदेश एक दूसरे के विधायी कामकाज की जानकारी आपस में साझा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा इस दिशा में काफी आगे बढ़ चुका है। इस दिशा में आप सभी के सहयोग की जरूरत है। इस दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि जनप्रतिनिधियों का आचरण कैसा होना चाहिए।

हरियाणा में बैलेट पेपर से होंगे बार एसोसिएशन चुनाव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा निर्वाचन आयोग ने प्रदेश की जिला अदालतों में होने वाले बार एसोसिएशन के चुनाव ईवीएम के माध्यम से करवाने से इनकार कर दिया है। निर्वाचन आयोग ने प्रदेश के नौ जिला बार एसोसिएशनों को इस संबंध में पत्र लिखकर सूचित कर दिया है। हरियाणा की बार एसोसिएशनों में चुनाव प्रक्रिया चल रही है। प्रदेश के कई जिलों से यह चुनाव ईवीएम के माध्यम से करवाने को लेकर जिला उपायुक्तों को पत्र दिए गए थे। उपायुक्तों ने इस मांग को राज्य निर्वाचन आयोग के पास भेज दिया था।

दूसरी तरफ प्रदेश में स्थानीय निकाय चुनाव भी चल रहे हैं। ऐसे में राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी जिला बार को पत्र लिखकर मशीनें उपलब्ध न कराने को कहा है। चुनाव आयोग ने साफ तौर पर लिखा है कि प्रदेश में निकाय चुनाव होने के कारण मशीनें उपलब्ध नहीं होंगी। इसलिए बार चुनाव पहले की तरह बैलेट पेपर से ही होंगे। आयोग ने यह पत्र पानीपत, रोहतक, पलवल, चंडीगढ़, फरीदाबाद, गुरुग्राम, हिसार, पंचकूला और सिरसा के जिला बार एसोसिएशनों को लिखा है।

आयोग की ओर से कहा गया है कि हरियाणा राज्य में नगर निगम, नगर परिषद व नगरपालिका के आम, उप चुनाव दो और नौ मार्च को ईवीएम से करवाए जाने निश्चित है। उक्त कार्य के लिए राज्य निर्वाचन आयोग की ईवीएम उपयोग में लाई जानी है। चुनाव कार्य के दृष्टिगत राज्य निर्वाचन आयोग, हरियाणा ने यह निर्णय लिया गया है कि सभी जिला बार एसोसिएशन को ईवीएम उपलब्ध नहीं करवाई जा सकती, क्योंकि नगर निकाय के आम चुनाव

के लिए ईवीएम की अति आवश्यकता है। चुनाव आयोग की तरफ से ईवीएम न मुहैया करवाए जाने के बाद अब जिला बार एसोसिएशनों के चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से ही करवाए जाएंगे।

राई की विधायक ने स्कूलों में बुनियादी ढांचा मजबूती को दी सुविधाएं

एजेंसी

सोनीपत। राई हलका विधायक एवं पूर्व मंत्री कृष्णा गहलावत ने पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कुंडली में नवनिर्मित कमरों व अन्य निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षण सुविधाएं मिल सकें। विधायक मंदबुद्धि बच्चों के विद्यालय सैनफोर्ट स्पेशल स्कूल और कुंडली स्थित राजकीय विद्यालय पहुंचीं, जहां उन्होंने लाखों रुपये की लागत से हुए विकास कार्यों का उद्घाटन किया। विभिन्न विद्यालयों में चारदीवारी, मुख्य द्वार, दर्जनों कमरों की मरम्मत, 21 नए कमरों व लैब का निर्माण, 22 कक्षा कक्षों और 20 कमरों के बरामदे में कोटा स्टोन फर्श डलवाया गया है। इसके अलावा, विद्यालयों में इंटरलॉकिंग, टॉयलेट सेट, प्राचार्य कक्ष, कॉन्फ्रेंस हॉल, स्टेज, बिजली फिटिंग, पंखे और एलईडी लाइट की

भी व्यवस्था की गई है। विधायक कृष्णा ने बताया कि यह लोकार्पण समारोह पहले आयोजित किया जाना था, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के कारण इसे स्थगित करना पड़ा था। सरकारी विद्यालयों को निजी विद्यालयों के समान उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाएं देने के लिए उनका प्रयास जारी रहेगा, जिससे विद्यार्थियों को शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकें। इस दौरान विधायक ने मानसिक रूप से विक्षिप्त बच्चों के लिए भी प्रयास करने की अपील की।

स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें शिक्षिका दीपा की कन्या भ्रूण हत्या पर प्रस्तुति को सराहा गया। इसके बाद वे जाखौली गांव में धन्यवादी कार्यक्रम में ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने अपना कार्य पूरा कर दिया है, अब उनकी बारी है। वे जनता की सेवामें कोई कसर नहीं छोड़ेंगी और राई हलका प्रदेश की नंबर-एक विधानसभा बनाने का सपना साकार करेंगी। उन्होंने जानकारी दी कि खेवड़ा से जगदीशपुर रोड का चौड़ीकरण और झुंडपुर-जाखौली-पतला-नांगल कलां रोड के निर्माण कार्य जल्द शुरू होंगे। इन पर क्रमशः 5.75 करोड़ और 5 करोड़ रुपयेकी लागत आएगी।

उपभोक्ता उत्पाद उद्योगों में सेल्फ क्लीनिंग मेटीरियल्स की शोध जरूरी : डा. नूरहाफिजा

एजेंसी

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी मलेशिया (यूटीएम) के संयुक्त तत्वाधान में 'सेल्फ क्लीनिंग स्मार्ट मेटीरियल्स' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता यूटीएम के प्रसिद्ध संकाय सदस्य एवं शोधकर्ता डॉ. नूरहाफिजा बंटी हासिम थे। डा. हासिम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई से भी मिले।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि डा. हासिम का यह व्याख्यान गुजविप्रौवि और शीर्ष-स्तरीय वैश्विक शोध संगठनों, विशेष रूप से यूटीएम के बीच चल रहे आदान-प्रदान में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इस व्याख्यान ने सहयोग के नए अवसरों पर प्रकाश डाला, जिससे भविष्य में संयुक्त शोध और विकास पहलों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह कार्यक्रम वैज्ञानिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने, नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए गुजविप्रौवि की अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। कुलसचिव डा. विजय कुमार ने डा. हासिम को

प्रशंसा पत्र प्रदान किया। उन्होंने कहा कि डॉ. हासिम द्वारा साझा की गई अंतर्दृष्टि से सैल्फ-क्लीनिंग मेटीरियल्स में आगे के शोध को बढ़ावा मिलेगा। भौतिकी विभाग के सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में डा. हासिम ने विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधकर्ताओं को भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में विश्व स्तर पर हो रहे नए शोधों और संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि निर्माण, स्वास्थ्य सेवा और उपभोक्ता उत्पादों जैसे उद्योगों में सेल्फ क्लीनिंग मेटीरियल्स की क्रांतिकारी परिवर्तन करने की क्षमता है। ये सामग्रियां खुद को साफ कर सकती हैं, जिससे मैन्युअल रखरखाव और सफाई की आवश्यकता काफी कम हो जाएगी। यह नवाचार न केवल सफाई की लागत को कम करता है, बल्कि हानिकारक रसायनों और संसाधनों पर निर्भरता को कम करके स्थिरता को भी आगे बढ़ाता है। डॉ. हासिम ने हाइड्रोफोबिक सर्फेजिज तथा फोटोकैटलिटिक कोटिंग्स जैसे सेल्फ क्लीनिंग मेटीरियल्स स्वाभाविक रूप से गंदगी और दूषित पदार्थों को दूर रखते हैं। उन्होंने इन सामग्रियों को रोजमर्रा की जिंदगी में लागू किया जाना चाहिए ये मानव के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती हैं।

फरीदाबाद की चार दुकानों में आग, लाखों का नुकसान

एजेंसी

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद के वर्ल्ड स्ट्रीट में रात एक बड़ी घटना सामने आई। यहां अज्ञात व्यक्ति ने चार दुकानों में आग लगा दी, जिससे दुकानदारों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ। पीड़ितों में एक महिला दुकानदार रिचा भी शामिल हैं, जिन्होंने महज 10 दिन पहले ही क्लाउड किचन शुरू किया था। मामले की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। दुकानदार रिचा ने बताया कि उनके पति के पैरालाइसिस के कारण परिवार की जिम्मेदारी उन पर है। वह सुबह पांच बजे से दुकान खोलकर शुद्ध देसी घी में खाना बनाकर बेचती थीं। इसी से वह घर का खर्च, होम लोन और बच्चे की स्कूल फीस चुकाती थी। घटना रात करीब डेढ बजे की है। एक स्थानीय युवक ने ड्यूटी से लौटते समय आग देखी और दुकानदारों को सूचित किया। जब तक दुकानदार मौके पर पहुंचे, सारा सामान जल चुका था। पीड़ित दुकानदारों ने आरोप लगाया है कि पास में एक फास्ट फूड की दुकान चलाने वाले युवक ने उन्हें पहले धमकी दी थी और पुलिस भेजकर दुकान हटाने का दबाव बनाया था। पीड़ितों ने पुलिस से आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर दोषी को गिरफ्तार करने और नुकसान की भरपाई कराने की मांग की है।

फरीदाबाद में प्रवीण जोशी बनी भाजपा की मेयर उम्मीदवार

एजेंसी

फरीदाबाद। हरियाणा में भाजपा ने निकाय चुनाव को लेकर नगर निगम मेयर, वार्ड पार्षद के लिए अपने सिंबल पर चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के नाम की सूची जारी कर दी है। फरीदाबाद से प्रवीण जोशी को भाजपा ने मेयर पद के उम्मीदवार के लिए चुना गया है। वे वर्तमान में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रवीण जोशी का यह पहला चुनाव है, इससे पहले उन्होंने कोई चुनाव नहीं लड़ा है। हांलाकि वह एक राजनीतिक परिवार से आती है। प्रवीण जोशी की शैक्षणिक योग्यता बीएड है। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन हैं। भाजपा के द्वारा मेयर पद की उम्मीदवार बनाई गई प्रवीण जोशी के ससुर रमेश जोशी (1993-1998) हरियाणा भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। प्रवीण जोशी के पति संदीप जोशी की राजनीति में अच्छी पकड़ है। संदीप जोशी हरियाणा में भाजपा के पूर्व में प्रदेश महामंत्री रहे हैं। फरवरी 2019 में संदीप जोशी को हरियाणा हाउसिंग बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया है। फरवरी 2019 में तात्कालीन चेयरमैन जवाहर यादव द्वारा इस्तीफा दे दिए जाने के बाद से यह पद खाली पड़ा था। जवाहर यादव को चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने उन्हें प्रचार एवं संपर्क प्रमुख बनाया था। मूलरुप से चरखी दादरी के रहने वाले संदीप जोशी फिलहाल फरीदाबाद के सूरजकुंड में रह रहे हैं। संदीप जोशी केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के खेमे से आते हैं। कृष्णपाल गुर्जर से लेकर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल तक उनके बेहद मजबूत संबंध हैं। राजनीतिक पकड़ मजबूत होने के कारण उनकी पत्नी को मेयर का टिकट दिया गया है। मेयर की टिकट मिलने के बाद प्रवीण जोशी

की जीत की राह आसान नहीं होने वाली है। हांलाकि अभी तक के चुनावों में भाजपा का वोट शेयर अच्छा रहा है। लेकिन पिछले 2 सालों से चुनाव ना होने के चलते ,जनता बहुत से परेशानियों को झेलना पड़ा है। पिछली बार भी भाजपा की महिला मेयर सुमन बाला थीं। लोग उनके कामों से संतुष्ट नहीं थे। इस बार के चुनाव में प्रवीण जोशी के लिए काफी बड़ी चुनौती होगा।

सोनीपत में मेयर के लिए भाजपा ने राजीव जैन पर विश्वास जताया

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा में नगर निगम चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपने मेयर उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। नगर निगम के लिए प्रत्याशियों में सोनीपत से राजीव जैन पर विश्वास जताया है। राजीव जैन ने बताया कि 17 फरवरी को सुबह हवन करने के बाद वे नामांकन करने जाएंगे। सोनीपत निवासी राजीव जैन हरियाणा सरकार में मीडिया सलाहकार रह चुके हैं। वे कैबिनेट मंत्री और दो बार की विधायक कविता जैन के पति हैं। 12 फरवरी 1964 को जन्मे राजीव जैन ने राजनीति में आने से पहले 1986 से 1993 तक पत्रकारिता की। बीकॉम तक पढ़ाई की है। राजीव जैन ने प्रथम वक्तव्य में कहा कि मैं पार्टी हाईकमान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली का धन्यवाद करता हूं। मैं पार्टी की उम्मीदों पर खरा उतरूंगा और जनता के लिए काम करूंगा। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा और सोनीपत में ट्रिपल इंजन सरकार (नगर निगम, राज्य और केंद्रसरकार में बीजेपी की सत्ता) बनने से विकास की गति तेज होगी। राजीव जैन ने कहा कि सोनीपत नगर निगम के अंतर्गत शहर के विकास को लेकर उनकी कई योजनाएं हैं।

वे सीवरेज, जलभराव, पीने के पानी और अन्य मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने 2014-2019 के दौरान भाजपा सरकार के कार्यकाल में किए गए कार्यों काजिक्र करते हुए कहा कि कुछ परियोजनाएं अधूरी रह गई थीं, जिन्हें अब पूरा किया जाएगा।

सोनीपत शहर के विकास का खाका उनके ध्यान में पहले से ही मौजूद है। 1996 में भाजपा-हरियाणा विकास पार्टी गठबंधन सरकार के दौरान उन्होंने पीने के पानी की समस्या के समाधान के लिए एक प्रोजेक्ट शुरू करवाया था। अब दोबारा नहर से पानी लाने की योजना तैयार हो चुकी है, जो मार्च तक पूरी होने की उम्मीद है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

एजेंसी

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर समाहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.01 प्रतिशत गिरकर 70.57 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.13 प्रतिशत उतरकर 74.64 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

मध्यस्थों ने अक्सर मेजबान देश के न्यायिक निर्णयों की अनदेखी की है: सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शाम को कहा कि मध्यस्थों ने अक्सर मेजबान देश के न्यायिक निर्णयों की अनदेखी की है। श्रीमती सीतारमण ने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी द्वारा अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक और निवेश संधि मध्यस्थता पर प्रथम स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा मध्यस्थता के नतीजे पर पहुंचते समय, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार जैसे अपराधों से संबंधित निष्कर्ष जो मेजबान देश में अदालत के माध्यम से स्थापित किए गए हैं के बीच निर्णय को स्वीकार करने के लिए विरोधाभासी स्थिति में डालते हैं। निवेश संधि को न केवल राष्ट्रों को बेहतर विनियामक शक्तियां प्रदान करनी चाहिए, बल्कि मध्यस्थता में विश्वास बहाल करने के लिए मध्यस्थों के लिए मार्गदर्शन के रूप में भी काम करना चाहिए। उन्होंने कहा÷ मेरा दृढ़ विश्वास है कि निवेश संधियों के ढांचे में नियामक शक्तियों के संबंध में राष्ट्रीय हित , विवादों को सुलझाने में मध्यस्थों के लिए मजबूत मार्गदर्शन, राष्ट्रों के हितों और परिस्थितियों को शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया के क्यूआरटी को ऐसी स्थितियों के आयाम, निहितार्थ और संपार्श्विक परिणामों को समझना चाहिए और एक सुविचारित और सोची-समझी प्रतिक्रिया के लिए योजना बनाना शुरू करना चाहिए।

भारत का रहा है डिजिटल क्रांति की अगुआई : सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज कहा कि भारत डिजिटल क्रांति की अगुआई कर रहा है, जिसके तहत सरकारी दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने 17 साल बाद 262 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है।

श्री सिंधिया ने यहां एक बिजनेस सम्मेलन में कहा, आज, डिजिटल बुनियादी ढांचे ने भौतिक बुनियादी ढांचे की जगह ले ली है, और भारत सबसे उन्नत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के साथ दुनिया का नेतृत्व कर रहा है जो वैश्विक डिजिटल लेनदेन का 46 प्रतिशत हिस्सा संचालित करता है। इस प्रगति का एक शानदार उदाहरण बीएसएनएल है, जिसने 17 वर्षों में पहली बार लाभप्रदता हासिल की है। उन्होंने कहा कि नवाचार राष्ट्रीय विकास का इंजन है, और भारत में, पूंजी जो नवाचार की कुंजी है, एक वस्तु बन गई है। यहां सरकार और निजी क्षेत्र के बीच तालमेल वैश्विक स्तर पर बेजोड़ है।

भारत का स्वास्थ्य सेवा कार्यबल देश विदेश के लिए महत्वपूर्ण सम्पत्ति: वीके पॉल

चंडीगढ़। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) वी.के. पॉल ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वैश्विक मानकों को संतुष्ट करने वाले कौशल से सम्पन्न कार्यबल की आपूर्ति को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि भारत का स्वास्थ्य सेवा कार्यबल देश और विदेश, दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति है। श्री पॉल ने कहा कि दुनिया में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए प्रशिक्षित कार्यबल की मांग बढ रही है। वह राष्ट्रीय कौशल विकास निगम इंटरनेशनल (एनएसडीसी इंटरनेशनल) द्वारा स्वास्थ्य सेवा-सुश्रुषा क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन पर यहां आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।इस कार्यक्रम का विषय था- स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कुशल श्रमबल के भविष्य का कायाकल्प जिसमें 50 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपति और10 से अधिक आयुर्विज्ञान संस्थानों के प्रमुखों ने हिस्सा लिया। एनएसडीसी इंटरनेशनल की शनिवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार श्री पॉल ने कहा, भारत का स्वास्थ्य सेवा कार्यबल राष्ट्र और विश्व दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति है। कुशल पेशेवरों की बढ़ती वैश्विक मांग के साथ, संरचित कौशल पहल हमारे कार्यबल को अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता से लैस करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

एसईसीएल ने छत्तीसगढ़ और मप्र के कोयला क्षेत्रों में 170 करोड़ रुपये की सीएसआर परियोजनाओं को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय के तहत कोल इंडिया की छत्तीसगढ़ स्थित सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 में विभिन्न कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) परियोजनाओं के लिए रुपये 170 करोड़ की मंजूरी दी है। इन पहलों से कोयला क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास के बुनियादी ढांचे को काफी बढ़ावा मिलेगा।

एक सरकारी प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि यह आवंटन वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एसईसीएल के ?99.76 करोड़ के वैधानिक सीएसआर बजट से अधिक है, जो सामुदायिक विकास के लिए कंपनी के समर्पण को दर्शाता है। इन परियोजनाओं को संबंधित समझौतों के अनुसार अगले 2-3 वर्षों में लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ये परियोजनाएं समग्र सामुदायिक विकास के लिए एसईसीएल की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। एक प्रमुख पहल में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर के साथ ?48.19 करोड़ का समझौता ज्ञापन शामिल है, जिसके तहत 500 बिस्तरों वाले 'एसईसीएल गर्ल्स हॉस्टल' का निर्माण किया जाएगा, जिसे एसईसीएल द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित किया जाएगा। इसकी आधारशिला 21 जनवरी, 2025 को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रायपुर, छत्तीसगढ़ में रखी थी।एसईसीएल ने अपनी प्रमुख परियोजना, 'एसईसीएल की धड़कन' (कोल इंडिया का नन्हा सा दिल का विस्तार) के दूसरे चरण का शुभारंभ किया है। 14 फरवरी, 2025 को साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) और श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल, रायपुर ने विश्व जन्मजात हृदय दोष (सीएचडी) जागरुकता दिवस और कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के स्वर्ण जयंती समारोह पर 'जीवन का उपहार' समारोह का आयोजन किया। एसईसीएल के निदेशक (कार्मिक) बिरंची दास की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में एसईसीएल की सीएसआर पहल 'एसईसीएल की धड़कन' पर प्रकाश डाला गया, जिसके तहत सीएचडी से पीड़ित बच्चों की 60 सर्जरी सफलतापूर्वक की गई है। बलरामपुर, छत्तीसगढ़ में सीएचडी के 57 मामलों का पता चलने के बाद, एसईसीएल ने छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में अगले 300 बच्चों के इलाज के लिए 4.71 करोड़ रुपये मंजूर किए।

उन्होंने बताया कि एसईसीएल का उद्देश्य छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश राज्य में जन्मजात हृदय दोष वाले हर बच्चे का इलाज करना है। परियोजना के दूसरे चरण के तहत 13 बच्चों का इलाज पहले ही किया जा चुका है। कार्यक्रम सुनिश्चित करता है कि वित्तीय बाधाएं बच्चों को जीवन रक्षक उपचार प्राप्त करने से न रोकें।

भारत-म्यांमार द्विपक्षीय बैठक : केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने समकक्ष उप मंत्री यू मिन मिन से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। म्यांमार के वाणिज्य मंत्रालय के उप मंत्री यू मिन मिन ने यहां वाणिज्य भवन में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद से मुलाकात की। बैठक में दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर देते हुए मंत्रियों ने फार्मास्यूटिकल्स, दालें और बीन्स, पेट्रोलियम उत्पादों के क्षेत्रों में संभावनाओं और आपसी विकास को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में शुरू किए गए रुपया-क्यात व्यापार निपटान तंत्र के अधिक उपयोग पर चर्चा की। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया और सड़कों के माध्यम से

सीमा व्यापार को फिर से शुरू करने के महत्व को भी स्वीकार किया और इस मुद्दे पर कदम उठाने पर सहमति व्यक्त की।

डीपीआईआईटी सचिव ने गुजरात और राजस्थान की मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप भाटिया ने गुजरात और राजस्थान में मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और परियोजना से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) द्वारा सुगम अंतर-मंत्रालयी और राज्य समन्वय के माध्यम से मुद्दे के समाधान में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक में 14 महत्वपूर्ण परियोजनाओं में 21 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिनमें श्रम और रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत चार परियोजनाएं शामिल हैं। इनकी कुल लागत 13,162 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके अतिरिक्त, 600 करोड़ रुपये मूल्य की एक निजी परियोजना से संबंधित सात मुद्दों की भी समीक्षा की गई।बैठक में गुजरात में खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क की ट्रांसमिशन परियोजनाओं पर महत्वपूर्ण रूप से बल दिया गया। एक बार कार्यान्वित होने के बाद पार्क से वार्षिक तौर पर लगभग 81 बिलियन यूनिट स्वच्छ बिजली उत्पन्न होने की उम्मीद है, जिससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता काफी कम हो जाएगी।

इसके अतिरिक्त, निर्माण, इंजीनियरिंग, परिचालन और रखरखाव सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 15,200 हरित रोजगारों के सृजन होने का अनुमान है। रिलायंस जियो की 5जी/4जी विस्तार परियोजना, जो तेज़ गति, कम विलंबता और व्यापक कवरेज जैसे लाभ प्रदान करती है- अल्ट्रा-हाई-डेफ़निशन स्ट्रीमिंग की सुविधा और आईओटी और स्मार्ट सिटी समाधान जैसे अनुप्रयोगों की उन्नति की भी समीक्षा की गई। डीपीआईआईटी सचिव ने

सत्यमेव जयते
Ministry of Commerce & Industry
Government of India

परियोजना निगरानी के लिए संस्थागत ढांचे को बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और संबंधित अधिकारियों को लंबित मुद्दों का समाधान निकालने में सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने परियोजना कार्यान्वयन में तेजी लाने और केंद्र सरकार, राज्य प्राधिकरणों और निजी हितधारकों के बीच सहयोग के माध्यम से अपनी चिंताओं का कुशल और समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए परियोजना निगरानी समूह (https://pmg.dpiit.gov.in/) के इस विशेष तंत्र का लाभ उठाने वाले निजी समर्थकों के महत्व पर जोर दिया।

भारत और श्रीलंका ने महत्वपूर्ण खनिजों, खोज और खनन क्षेत्र में संबंधों को मजबूत किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने आज यहां शास्त्री भवन में श्रीलंका सरकार के उद्योग और उद्यमिता विकास मंत्री सुनील हंडुनेट्टी के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। चर्चा में खनिज अन्वेषण और खनन में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया, विशेष रूप से दोनों देशों के आर्थिक और औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों को सुरक्षित करने पर। श्रीलंका के विशाल ग्रेफाइट और समुद्र तट रेत खनिज संसाधनों पर मुख्य ध्यान दिया गया, जो स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत बैटरी प्रौद्योगिकियों और उच्च तकनीक उद्योगों की ओर वैश्विक बदलाव का समर्थन करने की अपार क्षमता रखते हैं। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने श्रीलंका में भारतीय कंपनियों के लिए खनिज अन्वेषण और खनन अवसरों में सहयोग को मजबूत करने के महत्व को स्वीकार किया। दुबे ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन का उद्देश्य देश के महत्वाकांक्षी अक्षय ऊर्जा लक्ष्य को पूरा करने के लिए लिथियम, ग्रेफाइट, निकल, कोबाल्ट और तांबे जैसे आवश्यक कच्चे माल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि भारत महत्वपूर्ण खनिजों के लिए खनन अधिकार देने, अंतरराष्ट्रीय साझेदारी बनाने और भारतीय कंपनियों को वैश्विक स्तर पर खनिज संपत्ति हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। दोनों पक्षों ने इन क्षेत्रों में अन्वेषण के अवसरों, तकनीकी सहयोग और निवेश की संभावनाओं पर गहन चर्चा की। सरकार-से-सरकार (जी टू जी) आधार पर खनिज अन्वेषण की संभावना पर भी चर्चा की गई, जिसमें भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने श्रीलंका में खनिज आकलन करने में अपनी रुचि व्यक्त की। इसके अतिरिक्त, श्रीलंका ने भारत से भारतीय कंपनियों को अपने समुद्र तट की रेत और ग्रेफाइट संसाधनों के अन्वेषण और विकास में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया।

वैश्विक मछली उत्पादन में 8 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ भारत दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक देश

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक मछली उत्पादन में लगभग 8 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ भारत दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है। पिछले दो दशकों में भारत मत्स्य पालन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि और परिवर्तन का साक्षी बना है। तकनीकी प्रगति से लेकर नीतिगत सुधारों तक 2004 से 2024 की अवधि में ऐसी उपलब्धियां रही हैं, जिन्होंने वैश्विक मत्स्य पालन और जलीय कृषि में भारत की स्थिति को मजबूत किया है। केंद्रीय बजट 2025-26 में मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए 2,703.67 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक कुल वार्षिक बजटीय समर्थन प्रस्तावित किया गया है। यह जलीय कृषि और समुद्री खाद्य निर्यात में अग्रणी के रूप में भारत की उपलब्धि का प्रमाण है। केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अनुसार 2025-26 के बजट की

घोषणा रणनीतिक रूप से वित्तीय समावेशन को बढ़ाने, सीमा शुल्क को कम करते हुए किसानों पर वित्तीय बोझ को कम करने और समुद्री मत्स्य पालन के विकास को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। इसके अतिरिक्त, बजट 2025-26 में विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) और खुले समुद्र से मत्स्य पालन के सतत दोहन के लिए एक रूपरेखा को सक्षम करने पर प्रकाश डाला गया है। इसमें लक्षद्वीप और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर विशेष ध्यान दिया गया है। इससे समुद्री क्षेत्र में विकास के लिए भारतीय ईईजेड और आसपास के खुले समुद्र में समुद्री मछली संसाधनों की अप्रयुक्त क्षमता का सतत दोहन सुनिश्चित होगा।

भारत सरकार ने मछुआरों, किसानों, प्रसंस्करणकर्ताओं और अन्य मत्स्य पालन हितधारकों के लिए ऋण सुलभता बढ़ाने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। इस पहल का उद्देश्य वित्तीय संसाधनों के प्रवाह को सुव्यवस्थित करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्षेत्र की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक धन आसानी से उपलब्ध हो। देश में मछली उत्पादन 2013-14 में 95.79 लाख टन और 2003-04 में 63.99 लाख टन से बढ़कर 2023-24 में 184.02 लाख टन हो गया, जो 10 वर्षों (2014-24) में 88.23 लाख टन की वृद्धि दर्शाता है जबकि 2004-14 में 31.80 लाख टन की वृद्धि हुई थी।

सीसीपीए ने आईआईटी-जेईई परिणाम के झूठे दावे के लिए संस्थान पर लगाया 3 लाख का जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने आईआईटीयन प्रशिक्षण केंद्र प्राइवेट लिमिटेड (आईआईटीपीके) पर आईआईटी-जेईई परीक्षा के परिणामों के बारे में भ्रामक दावे करने वाले विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए 3 लाख रूपये का जुर्माना लगाया है।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के उल्लंघन के लिए मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता वाली सीसीपीए ने आईआईटीयन प्रशिक्षण केंद्र प्राइवेट लिमिटेड (आईआईटीपीके) के विरूद्ध आदेश जारी किया है।

मंत्रालय ने कहा कि सीसीपीए ने अबतक विभिन्न कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों के लिए 46 नोटिस जारी किए हैं।

सीसीपीए ने 24 कोचिंग संस्थानों पर 77 लाख 60 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है, उन्हें भ्रामक विज्ञापनों का प्रकाशन न करने का निर्देश दिया है।

मंत्रालय के मुताबिक ये निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि किसी भी वस्तु या सेवा के बारे में कोई गलत या भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित न किया जाए जो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन करता हो। ये अंतिम आदेश केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की वेबसाइट https://doca.gov.in/ccpa/orders-advisories.php?page_no=v पर उपलब्ध है)।

मादक पेयों की डंपिंग पर रोक लगे, भारतीय शराब पर विदेशों में पाबंदी दूर कराने के उपाय हों: सीआईएबीसी

एजेंसी

नयी दिल्ली। मादक पेय बनाने वाली कंपनियों के शीर्ष संगठन ने कहा है कि वे मदिरा पर आयात आयात शुल्क में कटौती के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन भारतीय बाजार को डंपिंग से बचने के लिए आयात शुल्क में कटौती धीरे धीरे की जानी चाहिए। भारतीय मादक पेय कंपनियों के परिसंघ (सीआईएबीसी) ने शनिवार को एक बयान में कहा, 'भारतीय शराब निर्माता आयात शुल्क में कटौती के खिलाफ नहीं हैं, पर वे चाहते हैं कि शुल्क में चरणबद्ध तरीके से होनी चाहिए।' सीआईएबीसी का यह बयान भारत द्वारा अमेरिकी बॉर्बन व्हिस्की पर आयात शुल्क में कटौती के मद्देनजर आया है। सीआईएबीसी ने सरकार से भारतीय कंपनियों की चिंताओं को दूर करने और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) वार्ता में समान अवसर सुनिश्चित करने और आयातित

मदिराओं की डंपिंग को रोकने के लिए कड़े प्रभावी उपाय करने की अपील की है। संगठन ने भारतीय मादक उत्पादों के लिए बेहतर अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रवेश सुगम किए जाने के मुद्दे पर भी काम करने का आग्रह किया है, जो वर्तमान में विभिन्न देशों में कई गैर-प्रशुल्कीय प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं।

संगठन ने मदिरा पर सीमा शुल्क में कमी के मद्देनजर आयातित शराब पर आबकारी में रियायतें वापस लेने का भी अनुरोध किया है। सीआईएबीसी के महानिदेशक अनंत एस अय्यर ने कहा, 'सीमा शुल्क में कटौती (मूल+अतरिक्त प्रशुल्क) और मुक्त व्यापार समझौतों एफटीए के तहत अन्य रियायतों से संबंधित मुद्दों पर निर्णय लेते समय सरकार को भारतीय शराब निर्माताओं के हितों की रक्षा करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, हमने सरकार से 10 वर्षों की अवधि में शराब पर मूल सीमा शुल्क में कटौती करने की सिफारिश की है, हम यह भी चाहते हैं कि सरकार विशेष रूप से पश्चिमी देशों में बेहतर अंतरराष्ट्रीय बाजार पहुंच सुनिश्चित करे और विशेष रूप से भारत के लिए कम कीमतों पर हस्तांतरण मूल्य तंत्र के माध्यम से उत्पादों की किसी भी डंपिंग के खिलाफ भारतीय कंपनियों के हितों की रक्षा करे।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली तेजी का नजर आ रही है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,170 रुपये से लेकर 87,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 79,910 रुपये से लेकर 80,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज मामूली तेजी दर्ज की गई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,00,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 87,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 87,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है।

मत्स्य पालन क्षेत्र के बजट में बड़ा हिस्सा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के वास्ते

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट 2025-26 में मत्स्य पालन क्षेत्र के प्रोत्साहन के लिये 2,703.67 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान है और बड़ा हिस्सा मछली कारोबार की मजबूती और मछली पालकों की प्रगति पर केंद्रित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के लिये है। इस योजना के लिये 2465 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। मत्स्य, पशुधन और डेयरी मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार मत्स्य पालन क्षेत्र का अगले साल का 2,703.67 बजट चालू वित्त वर्ष 2024-25 के बजट से 3.3 प्रतिशत अधिक है और यह अब इस क्षेत्र तक का सबसे अधिक कुल वार्षिक बजटीय आवंटन है।

वर्ष 2025-26 के लिये प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना संबंधी 2465 करोड़ रुपये का आवंटन चालू वित्त वर्ष के लिये इस योजना पर आवंटित राशि से 4.8 प्रतिशत अधिक है। मंत्रालय का कहना है कि मछली पालन और और समुद्री खाद्य निर्यात में भारत की उपलब्धि इस क्षेत्र को सरकार के समर्थन का प्रमाण है। भारत का समुद्री खाद्य उत्पाद 2003-04 से 2023-25 के दौरान लगभग 10 गुना बढ़ कर 6092 करोड़ रुपये से बढ़कर 60 हजार 523 करोड़ रुपये तक पहुंच गया ।

गुजरात, राजस्थान की 14 बुनियादी परियोजनाओं की समीक्षा

एजेंसी

नयी दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप भाटिया की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरी बैठक में गुजरात और राजस्थान से जुड़ी 14 महत्वपूर्ण परियोजनाओं के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गयी ताकि उनके क्रिन्वयन में तेजी लाई जा सके।

इसके लिए उच्चस्तारीय बैठक में निजी क्षेत्र की कंपनी रिलायंस जियों की 5जी-4जी विस्तार परियोजना की भी समीक्षा की गयी।

वाणिज्य एवं उद्याग मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री भाटिया की अध्यक्षता में परियोजना निगरानी (पीएमजी) तंत्र की मदद से दोनों राज्यों में वृहद बुनियादी परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों की समीक्षा की। श्री भाटिया ने परियोजना निगरानी के लिए संस्थागत ढांचे को बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और संबंधित अधिकारियों को लंबित मुद्दों का

समाधान निकालने में सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया। बैठक में संबंधित विभागों और राज्यों के अधिकारी शामिल थे। बैठक में, 14 महत्वपूर्ण परियोजनाओं में 21 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिनमें श्रम और रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत चार परियोजनाएं शामिल हैं, जिनकी कुल लागत 13,162 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके अतिरिक्त, 600 करोड़ रुपये मूल्य की एक निजी परियोजना से संबंधित सात मुद्दों की भी समीक्षा की गई। विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में गुजरात में खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क की ट्रांसमिशन परियोजनाओं पर महत्वपूर्ण रुप से बल दिया गया। इस परियोजना के पूरा हो जाने पर इससे हर साल लगभग 81 अरब यूनिट स्वच्छ बिजली मिलने की उम्मीद है। इसमें निर्माण, इंजीनियरिंग, परिचालन और रखरखाव सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 15,200 हरित रोजगारों के सृजन होने का अनुमान है। बैठक में निजी क्षेत्र की कंपनी रिलायंस जियो की 5जी/4जी विस्तार परियोजना की भी समीक्षा की गई। यह परियोजना अल्ट्रा-हाई-डेफ़निशन स्ट्रीमिंग की सुविधा और आईओटी और स्मार्ट सिटी समाधान जैसे अनुप्रयोगों की प्रगति से संबंधित है। श्री भाटिया ने परियोजना कार्यान्वयन में तेजी लाने और केंद्र सरकार, राज्य प्राधिकरणों और निजी हितधारकों के बीच सहयोग के माध्यम से चिंताओं का कुशल और समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) के इस विशेष तंत्र का लाभ उठाने के महत्व पर जोर दिया।

प्रोसेस्ड करके भी फल और सब्जियों को कम नुकसान, DRDO की ये टेक्नोलॉजी है बेस्ट

फूड प्रिसर्ववेशन के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की न्यूनतम प्रोसेस्ड तकनीक कई तरीके से फायदेमंद है. इससे न सिर्फ इंडियन आर्मी को फायदा होगा, बल्कि आम जनता को भी इसके बेनेफिट्स समय-समय पर मिलते रहेंगे.

खाना पकाने से पहले सब्जियों को छीलना, काटना और धोना एक ज्यादा टाइम लगने वाला प्रोसेस है. इसलिए किचन वेस्ट के साथ पैकेजिंग और ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट को कम करना भी एक जरूरी काम हो गया है. ऐसी सिचुएशन से निपटने के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (ष्ठत्रष्ठह्) की न्यूनतम प्रोसेस्ड तकनीक बेस्ट है. इस तकनीक की मदद से अब तक 14 तरह की सब्जियों को तैयार किया जा चुका है, जिसमें गाजर, फूलगोभी, पत्तागोभी, आलू, मूली, शिमला मिर्च जैसी सब्जियां शामिल हैं.

न्यूनतम प्रोसेस्ड तकनीक में मॉडर्न कंजर्वेशन मेथड का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे फलों और सब्जियों की नेचुरल क्वालिटी, पोषण और स्वाद बनाए रखा जा सकता है. साथ ही उनकी शेल्फ लाइफ भी बढ़ जाती है. न्यूनतम प्रोसेसिंग का मतलब है कि फलों और सब्जियों को इस तरह से प्रोसेस्ड किया जाए कि उनकी प्राकृतिक बनावट, पोषक तत्व और स्वाद अधिक समय तक सुरक्षित रहे, लेकिन वे जल्दी खराब न हों.

इस तकनीक में किन स्टेप्स को यूज किया जाता है?

साफ-सफाई और कटाई- फल और सब्जियों को अच्छी तरह से धोया जाता है. उन्हें जरूरत के अनुसार काटा, छिला या टुकड़ों में विभाजित किया जाता है.

डिकंटैमिनेशन करना- बैक्टीरिया और अन्य हानिकारक माइक्रोऑर्गेनिज्म को हटाने के लिए नेचुरल और सेफ तरीकों का उपयोग किया जाता है. इसमें ओजोन या हल्के बायो-प्रिजर्वेटिव्स का इस्तेमाल किया जाता है.मॉडिफाइड एटमॉस्फियर पैकेजिंग- फल और सब्जियों को एक नियंत्रित वातावरण में पैक किया जाता है, जिससे उनका ऑक्सीडेशन धीमा हो जाता है और वे लंबे समय तक ताजे रहते हैं.

मॉइस्चर बैलेंस- फलों और सब्जियों में पानी की उचित मात्रा बनाए रखने के लिए हाइड्रोजेल या प्राकृतिक कोटिंग का उपयोग किया जाता है. इससे वे अधिक समय तक सूखने या खराब होने से बचते हैं.

क्या है इस तकनीक का प्रोसेस?

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने इस तकनीक को विकसित करने के लिए फूड साइंस और बायोटेक्नोलॉजी का यूज किया है. इसे मुख्य रूप से सैनिकों के लिए विकसित किया गया था ताकि उन्हें बिना किसी न्यूट्रिशनल लॉस के लंबे समय तक ताजे फल और सब्जियां मिल सकें. लेकिन अब इस तकनीक का इस्तेमाल आम लोगों के लिए भी किया जा रहा है.आर्मी के लिए है फायदेमंद- भारतीय सेना के जवान कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं, जहां ताजे फल और सब्जियां उपलब्ध नहीं होतीं. रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की इस तकनीक के जरिये लंबे समय तक खराब न होने वाली सब्जियां और फल सैनिकों को मुहैया किए जाते हैं.एग्रीकल्चर और ट्रेड के लिए- किसानों को अपनी उपज को लंबे समय तक प्रिसर्व रखने की सुविधा मिलती है. व्यापारियों के लिए यह एक किफायती समाधान है, .

बिहार से पहले बंगाल की चर्चा क्यों

दिल्ली चुनाव के नतीजों पर टीवी कवरेज के दौरान जब भाजपा की जीत पक्की लगने लगी तो साथ बैठे एक पत्रकार ने, जिनका रुझान साफ भाजपा की तरफ रहता है

भाजपा भी यह हिसाब लगा ही रही होगी कि इस बार उसे क्या करना है और कैसे अपने आखिरी मजबूत विपक्षी गढ़ को फतह करना है लेकिन उससे पहले ममता की यह घोषणा आ चुकी है कि अगला चुनाव तृणमूल अकेले लड़ेगी और कांग्रेस से कोई गठबंधन नहीं होगा। उलटे उन्होंने दिल्ली में आप की पराजय के लिए कांग्रेस के सिर भी गठबंधन नहीं करके भाजपा को मदद करने का तोहमत मढ़ दिया। इंडिया गठबंधन को बनाने और उसकी परवाह न करने में ममता अगुआ हैं।

दिल्ली चुनाव के नतीजों पर टीवी कवरेज के दौरान जब भाजपा की जीत पक्की लगने लगी तो साथ बैठे एक पत्रकार ने, जिनका रुझान साफ भाजपा की तरफ रहता है, कहा कि अब दिल्ली का तो फैसला हो गया, अब अगली लड़ाई बंगाल की है। तब लगा कि शायद वे इसके बाद होने वाले बिहार चुनाव को भूल रहे हैं, सो टोक दिया। लेकिन अगले दिन जब कैरियर और कमाई के लिए सारे धरम और विचार बेच चुके अपने पुराने सहयोगी दिलीप मण्डल जी का सोशल मीडिया संदेश देखा तो लगा कि मैं ही चूक कर रहा था। संघ परिवार और भाजपा की नजर दिल्ली के बाद बंगाल पर ही है और जिस तरह आप और अरविन्द केजरीवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के लिए %सिरदर्द% बने हुए थे उसी तरह ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस भी एक चुनौती बनी हुई है- संभवत- केजरीवाल से भी बड़ी। ममता का राज तो 2011 से चल रहा है लेकिन भाजपा ने जितनी तैयारी से 2021 और 2016 का चुनाव लड़ा उससे बंगाल जीतने की उसकी गहरी इच्छा का पता चलता है। अब यह हो रहा है कि तृणमूल के वोट कम हों न हों भाजपा का वोट प्रतिशत और जीत कम होती जा रही है। ऐसा लोक सभा चुनाव में भी हुआ है और विधान सभा चुनाओं में भी।भाजपा भी यह हिसाब लगा ही रही होगी कि इस बार उसे क्या करना है और कैसे अपने आखिरी मजबूत विपक्षी गढ़ को फतह करना है लेकिन उससे पहले ममता की यह घोषणा आ चुकी है कि अगला चुनाव तृणमूल अकेले लड़ेगी और कांग्रेस से कोई गठबंधन नहीं होगा। उलटे उन्होंने दिल्ली में आप की पराजय के लिए कांग्रेस के सिर भी गठबंधन नहीं करके भाजपा को मदद करने का तोहमत मढ़ दिया। इंडिया गठबंधन को बनाने और उसकी परवाह न करने में ममता अगुआ हैं। अरविन्द केजरीवाल बनाने से दूर रहे लेकिन लाभ घाटे के आधार पर उसका उपयोग करते और दूरी बनाते रहे। ममता ने अगर कांग्रेस से गठबंधन को लेकर इतना साफ बयान दे दिया है तो वाम दलों से गठजोड़ का सवाल ही नहीं उठता। और अगर कांग्रेस और वामदल साथ आकर ममता बनर्जी के पंद्रह साल के शासन से पैदा एंटी इंकम्बेन्सी का लाभ लेकर अपना प्रदर्शन जरा भी सुधार लें तो फिर तृणमूल की जीत मुश्किल हो जाएगी। आखिर दिल्ली में कांग्रेस के मतों में दो फीसदी का इजाफा और आप तथा कांग्रेस का साथ न लड़ना ही भाजपा की जीत में सबसे बड़ा कारण बना। भाजपा इस संभावना से खुश होगी।तय मानिए कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह वाली भाजपा की बंगाल विजय की रणनीति में अकेले यही दांव नहीं होगा। और यह भी मत मानिए कि एक बार बंगाली मुसलमानों को पटाने तो दुबारा मटुआ समुदाय को ज्यादा जोर-शोर से अपनाने (तथा घुसपैठी बांग्लादेशी हिंदुओं को नागरिकता दिलाने का कानून लाने) जैसे कदमों की असफलता के बाद भाजपा के तरकश के तीर समाप्त हो गए होंगे। पिछले दिनों एक डाक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले पर उसने पश्चिम बंगाल के साथ देशव्यापी स्तर पर जिस तरह ममता सरकार की घेराबंदी की थी उसमें यह लगने लगा था कि अगर राज्य सरकार बर्खास्त भी हों जाए तो कोई आश्चर्य की बात न होगी। खैर इस प्रकरण में राज्य सरकार बच निकली और हत्यारे के साथ ममता या तृणमूल का कोई न्यस्त स्वार्थ साबित नहीं हुआ। उलटे ममता बनर्जी भी इस कांड के दोषियों को सजा दिलाने में तत्पर लगीं और एक सीमा के बाद हड़ताली डाक्टरों का विरोध राजनैतिक लगने लगा। देश भर से दबाव बनाने की भाजपाई रणनीति अभी भी बनी हुई है और केजरीवाल की तरह ममता को भी बंगाल के विकास का दोषी, परिवारवादी और भ्रष्टाचारियों का संरक्षक बताने की मुहिम जारी है।

ममता की लड़ने-भिड़ने की ताकत भी कम नहीं है पर उनकी ईमानदारी और सादगी ऐसे गुण हैं जिन पर बंगाल ही नहीं, देश का काफी बड़ा वर्ग फिदा है। ममता और नीतीश जैसे नेता आज की राजनीति में कम हैं और अगर भाजपाई जमात बिहार की जगह बंगाल के चुनाव की चर्चा शुरू करने लगा है तो उसकी वजह उसकी अपनी ताकत से ज्यादा नीतीश कुमार का साथ ही है। वैसे भाजपा के अंदर एक समूह नीतीश को %निपटाने% की रणनीति वाला है क्योंकि उनके रहते भाजपा के लिए बिहार में जीत हासिल करना कठिन होगा। ममता बनर्जी आज इस बात का भी काफी प्रचार कर रही हैं कि उनके शासनकाल में बंगाल में साढ़े चार लाख करोड़ के निवेश के प्रस्ताव आये है। पर बंगाल पुराने दिनों की तरह देश की आर्थिक राजधानी बनने से तो कोसों दूर हों चुका है। इतने लंबे शासन से उम्मीदें न पूरी होने की नाराजगी भी बढ़ती ही गई है जिसे मैनेज करना भी एक चुनौती होगी। ममता के लिए एक चुनौती अपनी जिद पर अकेले राजनीति करने की भी है। वे देश स्तर पर तो मोदी विरोधियों की एकजुटता चाहती हैं लेकिन बंगाल को अपने लिए रखना चाहती हैं। कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ उन्होंने इधर काफी कुछ कहा है। और इस बीच बचाव करने वाले प्रणव मुखर्जी भी नहीं हैं।

जो धमक अभी से सुनाई दे रही है उससे साफ लगता है कि बंगाल का घमासान दिलचस्प होगा। जाहिर तौर पर इस पर उससे पहले हुए बिहार चुनाव का प्रभाव भी रहेगा और तब तक और घटनाक्रम भी अपना स्वतंत्र रुख भी रखेंगे। लेकिन भाजपा किस तरह की तैयारी करती है इसे नहीं भूलना चाहिए। ओडिशा में जब उसने पाइका विद्रोह का मसला उठाकर खंडायतों को साथ करने की रणनीति अपनाई तब बहुतों को लगता था कि यह व्यर्थ की कवायद है क्योंकि खुद खंडायत भी गोलबंद नहीं है। वे एक साथ क्षत्रिय से लेकर शूद्र होने के दावे करते हैं। पर बंगाल में मटुआ अर्थात नामशूद्रों का मसला ज्यादा लाभ नहीं पहुंचा सका। इसकी एक वजह तो उनका भारत और बंगाल में कम होना है। फिर सामने ममता बनर्जी थीं जिन्होंने भाजपा का रुख भांपते ही अपनी सरकार और पार्टी में मटुआ लोगों की कदर बढ़ा दी। फिर बंगाल की मुसलमान आबादी का ऊंचा अनुपात भी भाजपा ओवैसी या फुरफुरा साहिब के कुछ धर्मगुरुओं के सहारे पार करने लायक नहीं है। बंगाल का पढ़ा-लिखा समाज भाजपाई राजनैतिक हथकंडों से खुश नहीं रहता और बंगाल में जातिगत गोलबंदियां बहुत कम हैं। लड़ाई लगभग सीधी होने से भाजपा को आसानी हो गई है और इसमें अगर दिल्ली की तरह कांग्रेस और वाम दल कुछ ज्यादा वोट पाते हैं तो भाजपा की गोटी लाल हों सकती है।

संपादकीय

कांग्रेस: बदलाव नहीं कायाकल्प ज़रूरी

यह चर्चा जोरों पर है कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व बड़े सांगठनिक बदलाव की तैयारी कर रहा है। इस परिवर्तन में किन्हें अहम जिम्मेदारियां मिलेंगी और किन-किन की छुट्टी होगी, इसका खुलासा कहते हैं कि अगले कुछ दिनों में हो सकता है, पर सर्जरी जैसी कार्रवाई एक तरह से न केवल अपेक्षित है बल्कि ज़रूरी भी है। हाल के वर्षों में कांग्रेस ने जो नया रूप अख्तियार किया है वह गिनती के कुछ नेताओं के बल पर ही है। पार्टी का एक बड़ा हिस्सा अब भी अपना पर्याप्त योगदान नहीं दे पा रहा है। संगठन के वृहत्तर धड़े को सक्रिय किये बिना बड़े नतीजों की कोई उम्मीद नहीं की जा सकती। बताया जाता है कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, और राहुल गांधी देश भर की इकाइयों समेत बड़े परिवर्तनों को अंतिम रूप दे रहे हैं। उम्मीद यही की जाये कि कांग्रेस का नया स्वरूप हालिया चुनौतियों का मुकाबला करने के लायक हो। ताश के पत्तों की तरह फेंटकर कुछ लोगों को इधर से उधर कर देना पर्याप्त नहीं होगा। मौजूदा हालात में संगठन का कायाकल्प अपरिहार्य है।

पूरी कांग्रेस राहुल गांधी, प्रियंका और मल्लिकार्जुन खरगे पर टिकी हुई है। प्रदेशों के जो बड़े नेता हैं उन्हें भी अपने चमत्कार को बनाये रखने के लिये इन्हीं तीन नेताओं का सहारा लेना पड़ता है। कुछेक को छोड़कर उनके अभाव में ज्यादातर क्षेत्रीय नेता न अपनी चमक बिखेर पाते हैं और न ही चुनाव में अपने दम पर कुछ हासिल कर सकते हैं। पूछा जा सकता है कि उसकी प्रमुख प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी भी तो गिनती के दो लोगों पर टिकी हुई है तो यह समझ लेना ज़रूरी है कि उसके पास केन्द्र की सत्ता है और कई प्रदेशों में उसका शासन है। फिर उसके पास कुटिल चालें भी हैं। उसे ऐसे कई अतिरिक्त लाभ है। कांग्रेस में हमेशा से ही विकेन्द्रीकृत नेतृत्व प्रणाली अपनाई जाती रही है। जवाहर लाल नेहरू तथा इंदिरा गांधी जैसे शक्तिशाली नेताओं के रहते भी नेतृत्व की दूसरी व तीसरी तथा उसके बाद तक की ताकतवर और सक्रिय नेताओं की पंक्ति थी। सम्भवत- राजीव गांधी के चेहरे पर कांग्रेस को जो बहुमत मिला था, उसके बाद निचले क्रम के नेताओं को एक नाम व चेहरे पर टिक जाने की आदत हो गयी।कांग्रेस को मिली लगातार चुनावी असफलताओं ने भी संगठन को कमजोर किया है। इसे मान लेने में कोई बुराई नहीं है। भाजपा द्वारा जिस तरह से कांग्रेस और वह भी खासकर नेहरू-गांधी परिवार पर आक्रमण किये गये, उसने भी संगठन के उन लोगों को भ्रम में डाला व हतोत्साहित किया क्योंकि उनके लिये मानों यह परिवार ही प्राण वायु है जिसके बल पर उनकी अपनी सियासत चलती थी। परिवार के भीतर पार्टी की कमान को बार-बार बदलने से भी संगठन निष्क्रिय होता चला गया था। भाजपा द्वारा बड़े पैमाने पर कांग्रेस के लोगों को तोड़ने का विपरीत असर तो होना ही था और वह हुआ। आज अपेक्षाकृत कमजोर दिखने वाली कांग्रेस इन्हीं तमाम बातों का परिणाम है।कांग्रेस मुक्त भारत के नारे पर सवार होकर 2014 में केन्द्र की सत्ता पर काबिज हुए नरेन्द्र मोदी 2019 का लोकसभा चुनाव और बड़े शक्तिशाली ढंग से जीतकर आये। इन दो पराजयों से पूरी तरह से निढाल हो चुकी कांग्रेस के बारे में यही सोचा जा रहा था कि उसे नेस्तनाबूद करने के भाजपा के मंसूबे जल्दी पूरे हो जायेंगे- शायद 2024 के ही चुनाव में। इसके विपरीत तकरीबन दो वर्ष कांग्रेस ने अपनी खोई शक्ति को बटोरकर संगठन व विमर्श के स्तरों पर लोगों को एक तरह से आश्चर्यचकित करना प्रारम्भ किया। 15 मई, 2022 को राजस्थान के उदयपुर में आयोजित चिंतन शिविर में संगठनात्मक फेरबदल की ज़रूरत तो महसूस की गयी पर शीर्ष नेतृत्व मे कतिपय बदलावों के अतिरिक्त इस दिशा में बहुत काम न हो सका। जो हुआ वह तात्कालिक ज़रूरतों को पूरा करने के लिये- बेतरतीब सा। जैसे सुनियोजित बदलाव होने चाहिये वैसे नहीं। पार्टी तय नहीं कर पाती थी कि बदलाव तत्काल प्रभाव से लिये जायें या क्रमिक। सम्भवत- असंतोष फूटने के डर से एकाएक बदलाव से कांग्रेस परहेज करती रही है।चिंतन शिविर के निर्णय के अनुरूप राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रानिकाली जिसे जबर्दस्त सफलता मिली।

भारत को विकसित हो रही एआई विश्व व्यवस्था में प्रमुखता से शामिल होना होगा

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा आकार दिये जा रहे विकासशील विश्व व्यवस्था में वैश्विक दक्षिण पर अधिक जोर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आह्वान एक रणनीतिक प्रस्ताव है

एआई का भू-राजनीतिक परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है, और भारत एक चौराहे पर खड़ा है। जबकि पश्चिमी तकनीकी दिग्गजों के साथ इसके रणनीतिक गठबंधन सहयोग के लिए अवसर प्रदान करते हैं, इसकी दीर्घकालिक एआई रणनीति को एआई विकास में आत्मनिर्भरता और नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा आकार दिये जा रहे विकासशील विश्व व्यवस्था में वैश्विक दक्षिण पर अधिक जोर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आह्वान एक रणनीतिक प्रस्ताव है। 21वीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी शक्ति बनने के साथ, यह जरूरी है कि विकासशील देश, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण में, इसके प्रक्षेपवक्र को परिभाषित करने में भूमिका निभायें। पेरिस संस्करण के बाद अगले एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की भारत की पेशकश, जिसकी सह-अध्यक्षता मोदी ने की, इस परिवर्तनकारी स्थान में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने की उसकी महत्वाकांक्षा को रेखांकित करती है।

हालांकि, यह इरादा नेक है, चीन की हालिया प्रगति, विशेष रूप से डीपसीक के उद्भव के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता के परिदृश्य में पहले से ही एक बड़ा बदलाव आया है, जो एआई के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। डीपसीक से पहले और बाद के चरण एक नई वास्तविकता को दर्शाते हैं जिसमें एआई में लंबे समय से चले आ रहे अमेरिकी प्रभुत्व को गंभीर व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है। डीपसीक द्वारा उत्प्रेरित एआई में चीन का उत्थान, अमेरिकी एआई साम्राज्यवाद के लिए एक बनियादी चनौती का प्रतिनिधित्व करता है।

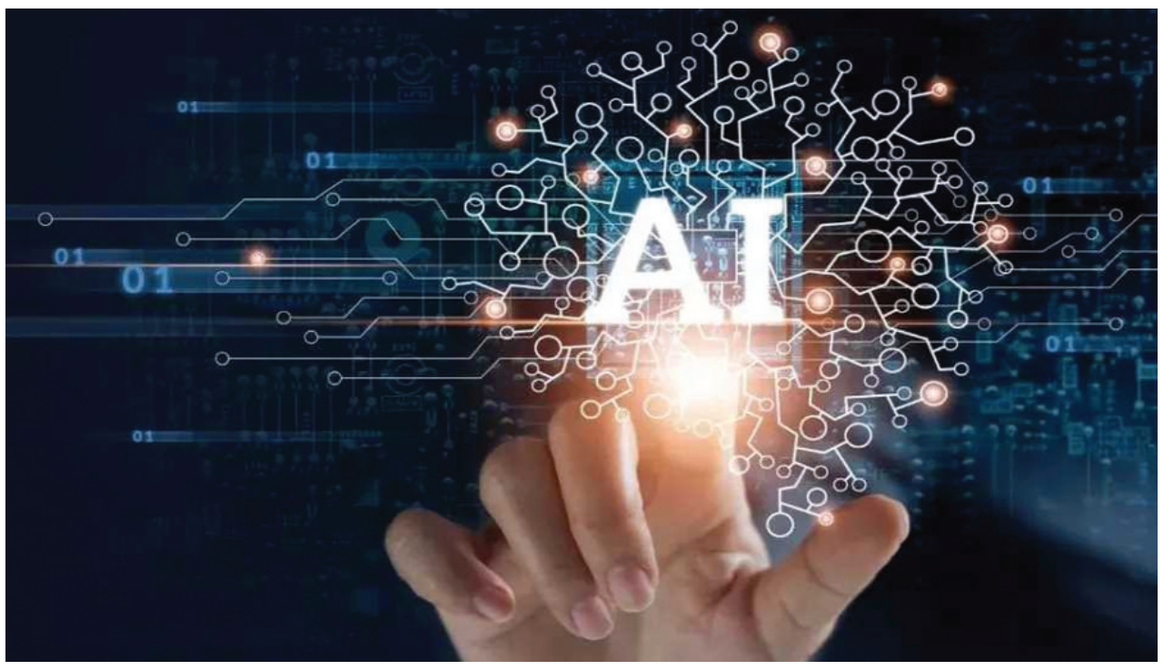

यह बदलाव अकेले नहीं हुआ है, बल्कि, यह रणनीतिक और नीति-संचालित विकास की एक श्रृंखला की परिणति है, जिनमें से कई का पता संयुक्त राज्य अमेरिका के तकनीकी वर्चस्व के अपने दृष्टिकोण से लगाया जा सकता है। सेमीकंडक्टर तकनीक और एआई चिप्स पर निर्यात प्रतिबंध सहित वाशिंगटन की प्रतिबंधात्मक नीतियों ने अनजाने में स्वदेशी विकल्प विकसित करने के चीन के दृढ़ संकल्प को बढ़ावा दिया है, जिससे डीपसीक जैसी सफलताएं मिली हैं। यह बदलाव केवल एआई मॉडल या एल्गोरिदम के बारे में नहीं है, बल्कि एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में भी है जिसमें सेमीकंडक्टर विनिर्माण, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और क्वांटम कंप्यूटिंग शामिल हैं। इस सभी क्षेत्रों में चीन तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

भारत के लिए चुनौती दोहरी है। सबसे पहले, उसे अपने और एआई महाशक्तियों, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ती खाई को पाटने के लिए अपनी एआई क्षमताओं में तेज़ी लानी होगी। दूसरा, उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी एआई नीतियां वैश्विक दक्षिण को सशक्त बनाने के बड़े लक्ष्य के साथ संरेखित हों, ताकि एआई को भू-राजनीतिक आधिपत्य का एक और उपकरण बनने से रोका जा सके। पेरिस में मोदी के साथ गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई की बैठक वैविक तकनीकी दिग्गजों द्वारा एआई में भारत की संभावित भूमिका को मान्यता देने को दर्शाती है। हालांकि, इस क्षमता को ठोस कार्रवाई में बदलना होगा, जिसमें घरेलू एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने से लेकर नियामक ढांचे विकसित करना शामिल है जो नवाचार को नैतिक विचारों के साथ संतुलित करते हैं।

भारत की एआई यात्रा को अक्सर संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने दो साल पहले ही भारत के एआई परिदृश्य को %निराशाजनक% बताया था। हाल ही में उन्होंने स्वीकार किया कि भारत अब ओपन एआई का दूसरा सबसे बड़ा बाज़ार है, जो देश की प्रगति का प्रमाण है। फिर भी, एआई तकनीकों का एक प्रमुख उपभोक्ता होना एआई अनुसंधान और विकास में अग्रणी होने से बहुत अलग है। भारत को मूलभूत एआई मॉडल बनाने, एआई-विशिष्ट हार्डवेयर विकसित करने और एक मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने का प्रयास करना चाहिए जो स्वदेशी एआई नवाचार को आगे बढ़ा सके।एआई में वैश्विक दक्षिण की भूमिका निष्क्रिय भागीदारी या मौजूदा महाशक्तियों के साथ नीति संरेखण तक सीमित नहीं हो सकती। इसके बजाय, इसे आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन के लिए एआई का लाभ उठाना चाहिए। एआई में स्वास्थ्य सेवा, कृषि, शिक्षा और शासन में क्रांति लाने की क्षमता है, ऐसे क्षेत्र जहां विकासशील देशों को सबसे अधिक लाभ मिल सकता है। चुनौती वैश्विक दक्षिण की अनूठी जरूरतों के अनुरूप एआई समाधान विकसित करने की है, न कि बहुत अलग सामाजिक-आर्थिक संदर्भों के लिए डिज़ाइन किये गये मॉडल आयात करने की। यह सुनिश्चित करने के लिए एआई अनुसंधान, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता है ताकि एआई डिजिटल उपनिवेशीकरण का एक और तंत्र न बन जाये।

एआई का भू-राजनीतिक परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है, और भारत एक चौराहे पर खड़ा है। जबकि पश्चिमी तकनीकी दिग्गजों के साथ इसके रणनीतिक गठबंधन सहयोग के लिए अवसर प्रदान करते हैं, इसकी दीर्घकालिक एआई रणनीति को एआई विकास में आत्मनिर्भरता और नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। चीन के डीपसीक ने एआई में एक नये युग का संकेत दिया है, और ऐसी स्थिति में भारत आत्मसंतुष्ट होकर बैठा रहना बर्दाश्त नहीं कर सकता। एआई-संचालित विश्व व्यवस्था को सही मायने में आकार देने और ग्लोबल साऊथ की वकालत करने के लिए, इसे अपनी स्वयं की एआई क्षमताओं में निवेश करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उभरते एआई ढांचे समावेशी, नैतिक और सभी देशों के हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि केवल प्रमुख खिलाड़ियों का।

हनुमान जी के ध्यान से बनता है जीवन मंगलमय

कहते है संकट मोचक श्री हनुमान जी के शरण में जाने वाले व्यक्तियों को कभी भी किसी प्रकार की कोई समस्या भुगतने को नहीं मिलती। क्योंकि उसके सारे कष्ट और दुखों का बजरंग बली समाधान कर देते हैं। दुनिया के सारे मुश्किल काम सिर्फ श्री हनुमान की कृपा व स्मरण से ही आसान हो जाते हैं।इसलिए मंगलवार का दिन ऐसे श्री हनुमान के ध्यान से जीवन मंगलमय बनाने के लिए बहुत ही शुभ माना जाता है। इस दिन श्री हनुमान का ध्यान ग्रह, मन, कर्म व विचारों के दोषों को दूर कर सुख-सफलता देने वाला माना गया है। इसके लिए हनुमान के विशेष मंत्र के ध्यान का खासा महत्व माना गया हैं।

हनुमान गायत्री मंत्र -

ऊँ आञ्जनेयाय विद्महे, वायुपुत्राय धीमहि।
तन्नो हनुमत् प्रचोदयात्।

इस मंत्र का जाप रविवार, मंगलवार और शनिवार को करना अत्यंत ही शुभ होता है। क्योंकि मंगलवार को श्री हनुमान जी की भक्ति, रविवार श्री हनुमान जी के गुरु सूर्य की भक्ति व शनिवार को हनुमान जी की भक्ति करने वाले पर शनिदेव जी ने स्वयं कृपा करने का वचन श्री हनुमान को दिया था।

श्री हनुमान चालीसा में वर्णित

दुर्गम काज जगत के जेते।
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते॥

इस चौपाई का जाप परेशानी, कष्ट, किसी भी प्रकार के अभाव में करने से समस्त भय, बाधा, चिता व क्षोभ नष्ट हो जाते हैं और मुश्किल काम भी बन जाते हैं।

इन तीनों दिनों में ब्रहम मूर्हत में उठने के पश्चात स्नान कर लाल वस्त्र पहन कर श्री हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर के समक्ष बैठकर कुंकुम, अक्षत, लाल फूल और उनका प्रिय सिंदूर अर्पित करें। तदउपरांत इस हनुमान गायत्री मंत्र और चौपाई का जाप पूरी श्रद्धा और भक्ति से करें। भोग में श्री हनुमान जी को गुड़, चने या गेहूं के आटे और घी से बना चूरमा चढ़ाना शुभ माना जाता है।

घर में खुशियां भर देता है स्वास्तिक

हर व्यक्ति यह सोचता है कि उसका घर खुशियों से भरा रहे। इन खुशियों के लिए लोगा काफी प्रयत्न किया करते हैं। लेकिन लोग पुराने धर्म कर्म को पूरी तरह से भुला देते हैं। जी हां इन में से ही एक है स्वस्तिक। स्वस्तिक का आविष्कार आर्यों ने किया और पूरे विश्व में यह फैल गया। आज स्वस्तिक का प्रत्येक धर्म और संस्कृति में अलग-अलग रूप में इस्तेमाल किया गया है। कुछ धर्म, संगठन और समाज ने स्वस्तिक को गलत अर्थ में लेकर उसका गलत जगहों पर इस्तेमाल किया है तो कुछ ने उसके सकारात्मक पहलू को समझा। स्वस्तिक को भारत में ही नहीं, अपितु समुचे विश्व के कई देशों में विभिन्न स्वरूपों में मान्यता प्राप्त है। जर्मनी, यूनान, फ्रांस, रोम, मिस्र, ब्रिटेन, अमरीका, स्कैण्डिनेविया, सिसली, स्पेन, सीरिया, तिब्बत, चीन, साइप्रस और जापान आदि देशों में भी स्वस्तिक का प्रचलन किसी न किसी रूप में देखने को मिल ही जाता है।

हिदू धर्म में स्वस्तिक को शक्ति, सौभाग्य, समृद्धि और मंगल का प्रतीक माना जाता है। हर मंगल कार्य में इसको बनाना शुभ माना जाता है। स्वस्तिक का बायां हिस्सा गणेश की शक्ति का स्थान बीजमंत्र होता है। इसमें जो चार बिदियां होती हैं, उनमें गौरी, पृथ्वी, कच्छप और अनंत देवताओं का वास होता है। इस मंगल-प्रतीक का गणेश की उपासना, धन, वैभव और ऐश्वर्य की देवी लक्ष्मी के साथ, बही-खाते की पूजा की परम्परा आदि में विशेष महत्व है। घर के वास्तु को ठीक करने के लिए स्वस्तिक का प्रयोग किया जाता है। स्वस्तिक के चिन्ह को भाग्यवर्धक वस्तुओं में गिना जाता है। स्वस्तिक के प्रयोग से घर की नकारात्मक ऊर्जा बाहर चली जाती है। इसकी चारों दिशाओं के अधिपति देवताओं, अग्नि, इंद्र, वरुण एवं सोम की पूजा हेतु तथा सप्तऋषियों के आशीर्वाद को प्राप्त करने में प्रयोग किया जाता है। यह चारों दिशाओं और जीवन चक्र का भी प्रतीक है।

टोने-टोटको से निजात दिलाता है पीपल का पत्ता

मनुष्यों में एक दुसरे को देख कर जलन की भावना प्रकट हो ही जाती है।चाहे वह कुछ भी करे दुसरे की तरक्की उसे कभी रास नहीं आती। उन्हें परेशान करने के लिए वह तरह-तरह के टोने-टोटके का सहारा लेने लगता है।लेकिन ज्योतिष के उपायों के इस्तेमाल से आप इन प्रकार की चीजों से बच सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में कोई ग्रह दोष होते हैं तो वह धन संबंधी मामलों में भी सफलता प्राप्त नहीं कर पाता है। ग्रह दोषों के कारण ही उसे सुख नहीं मिलता। यदि उचित ज्योतिषीय उपचार किया जाए तो व्यक्ति पैसों की परेशानियों से निजात पा सकता है।

शमी का पौधा घर में लगाने से शनि देव प्रसन्न होते हैं, नकारात्मक ऊर्जा का शमन होने लगता है, टोने-टोटको का प्रभाव नहीं होता। हर रोज शमी वृक्ष की पूजा करने के बाद सरसों के तेल का दीपक जरूर जलाएं। तो शनि दोष से होने वाले कुप्रभाव से बचा जा सकता है। नवरात्र में विजयादशमी के दिन शमी की पूजा करने से घर में धन दौलत का आगमन होता है।

शनिवार के दिन पीपल का एक पत्ता तोड़े उसे गंगाजल से धोकर उसके ऊपर हल्दी तथा दही के घोल से अपने दाएं हाथ की अनामिका अंगुली से ह्रीं लिखकर उस पत्ते को धूप-दीप दिखाकर अपने पर्स में रखें। प्रत्येक शनिवार को यह क्रम दोहराएं तथा पत्ता बदलते रहें। ऐसा करने से आपका पर्स कभी धन से खाली नहीं होगा। पुराना पत्ता किसी पवित्र स्थान पर ही रखें।

काली मिर्च के 5 दाने लें उसे अपने सिर पर से 7 बार घुमाएं 4 दाने चारों दिशाओं में फेंक दें तथा पांचवें दाने को आकाश की ओर उछाल दें। ऐसा करने से आकस्मिक धन लाभ होता है।

श्रीकृष्ण के अनन्य भक्त श्री वल्लभाचार्य

श्री वल्लभाचार्य का जन्म वि म संवत 1535, वैशाख कृष्ण एकादशी को चम्पारण्य में हुआ था। इनकी माता का नाम इलम्मा तथा इनके पिता का नाम श्री लक्ष्मण भट्ट था। इनके पिता सोमयज्ञ की पूर्णाहुति पर काशी में एक लाख ब्राह्मणों को भोजन कराने जा रहे थे, उसी समय रास्ते में चम्पारण्य में श्री वल्लभाचार्य का जन्म हुआ। इनके अनुयायी इन्हें अग्निदेव का अवतार मानते हैं। उपनयन संस्कार के बाद इन्होंने काशी में श्रीमाधवेन्द्रपुरी से वेद शास्त्रों का अध्ययन किया। ग्यारह वर्ष की अल्पायु में ही इन्होंने वेद, उपनिषद, व्याकरण आदि में पाण्डित्य प्राप्त कर लिया। उसके बाद श्री वल्लभाचार्य तीर्थाटन के लिए चल दिये।

श्री वल्लभाचार्य ने विजयनगर के राजा कृष्णदेव की सभा में उपस्थित होकर वहां के बड़े बड़े विद्वानों को शास्त्रार्थ में पराजित किया। वहीं इन्हें वैष्णवाचार्य की उपाधि प्राप्त हुई। राजा कृष्णदेव ने स्वर्ण सिंहासन पर बैठाकर इनका सविधि पूजन किया। पुरस्कार में इन्हें बहुत सी स्वर्ण मुद्राएं प्राप्त हुई, जिनको उन्होंने वहां पर उपस्थित विद्वान ब्राह्मणों में वितरित कर दिया।

विजय नगर से चलकर श्री वल्लभाचार्य उज्जैन आये और वहां शिप्रा के तट पर इन्होंने एक पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर साधना की। वह स्थान आज भी इनकी बैठक के नाम से प्रसिद्ध है। इन्होंने वृंदावन, गिरिराज आदि कई स्थानों में रहकर भगवान श्रीकृष्ण की आराधना की। इनके जीवन काल में कई आश्चर्यजनक घटनाएं हुई।

एक बार की बात है। एक सज्जन शालग्रामशिला और भगवान की प्रतिमा दोनों की एक साथ ही पूजा करते थे। वे शिला को प्रतिमा से कनिष्ठ श्रेणी का समझते थे। श्री वल्लभाचार्य ने उन्हें समझाया कि भगवद् विग्रह में भेद अनुचित है। इस पर उस सज्जन ने आचार्य के सुझाव को अपना अपमान समझा और अहंकार में शालग्रामशिला को रात में प्रतिमा के ऊपर रख दिया। प्रातःकाल जब उन्होंने देखा तो प्रतिमा के ऊपर रखी गयी शालग्रामशिला चूर चूर हो गयी थी। इस घटना को देखकर उनके मन में पश्चाताप हुआ और उन्होंने श्री वल्लभाचार्य से अपनी भूल के लिए क्षमा याचना की। आचार्य श्री ने उन्हें चूर्णशिला को भगवान के चरणामृत में भिगोकर गोली बनाने का आदेश दिया। ऐसा करने पर शालग्राम शिला पूर्ववत् हो गयी। कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण ही इनके यहां विट्ठल के रूप में पुत्र बनकर प्रकट हुए थे। श्री वल्लभाचार्य ने लोक कल्याण के उद्देश्य से अनेक ग्रंथों की रचना की। अपने जीवन के अंतिम समय में ये काशी में निवास करते थे। एक दिन जब ये हनुमानघाट पर स्नान कर रहे थे, उसी समय वहां एक ज्योति प्रकट हुई और देखते ही देखते श्री वल्लभाचार्य का शरीर उस ज्योति में ऊपर उठकर आकाश में विलीन हो गया। इस प्रकार संवत 1589 में 52 वर्ष की अवस्था में अनेक नर नारियों को भक्तिपथ का पथिक बनाकर श्री वल्लभाचार्य ने अपनी लौकिक लीला का संवरण किया।

हेल्थ प्लस

अमृतफल अमरूद

अमरूद स्वास्थ की दृष्टि से उपयोगी फल है। इससे स्नायुमंडल, पाचन संस्थान, दिल और दिमाग़ को बल मिलता है। इससे हमें विटामिन सी, फाइबर, कैल्शियम, फासफोरस और पोटैशियम की प्रचुर मात्रा प्राप्त होती है। पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण इसे संस्कृत में अमृतफल कहा जाता है। अमरूद कभी छीलकर नहीं खाना चाहिए, क्योंकि इनमें विटामिन सी काफी मात्रा में होता है, जो दांतों और मसूड़ों के रोगों और जोड़ों के दर्द में बहुत उपयोगी है। पके अमरूद की अपेक्षा कच्चे अमरूद में विटामिन सी अधिक मात्रा में पाया जाता है। खाना खाने के पहले अमरूद के नियमित सेवन से कब्ज की शिकायत नहीं होती। अमरूद के प्रयोग से सेरम कोलेस्ट्रॉल घटा कर हाई ब्लड प्रैशर से बचाव किया जा सकता है। इसके बीजों को खूब चबा-चबा कर खाने से शरीर को आयरन की आपूर्ति होती है। अमरूद के पेड़ की जड़ें, तने, पत्ते सभी दवा बनाने में काम आते हैं। पेटदर्द में अमरूद का सफेद गूदा नमक के साथ खाने से लाभ मिलता है। पुराने जुकाम के रोगी के लिए आग में भुना हुआ गरम अमरूद नमक और काली मिर्च के साथ स्वास्थ्य लाभ दे सकता है।

कैंसर से बचाव के लिए करें संतुलित भोजन

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा यह पाया गया है कि संतुलित भोजन द्वारा कैंसर से बचा जा सकता है। कैंसर के बढ़ते मामलों में से 40 प्रतिशत को संतुलित भोजन एवं नियमित शारीरिक व्यायाम कर तथा धूम्रपान, तंबाकू, गुटखे से दूर रहकर नियंत्रित किया जा सकता है। वैसे भोजन एवं पथ्य-अपथ्य का सभी रोगों में महत्व है। पथ्य-अपथ्य के पालन से सभी बीमारियों का नियंत्रण सरल हो जाता है। कैंसर के मामले में भी ऐसा ही है। कैंसर ज्ञात हो जाए तो उसका जांच उपरांत निदान अवश्य कराएं एवं जांच व उपचार से कतराएं नहीं।

कमर दर्द के लिए पिन होल सर्जरी

आजकल युवाओं में डिस्क (कमर) दर्द की शिकायत आम बात हो गई है। डिस्क के दर्द का मुख्य कारण व्यस्त व अनियमित दिनचर्या है। डिस्क पेन आगे झुकने से, वजन उठाने से, झटका लगने से, गलत तरीके से उठने-बैठने व सोने से, इसके अलावा व्यायाम के अभाव एवं पेट आगे निकलने के कारण भी हो सकता है। वास्तव में मानव के रीढ़ की बनावट ही है, जिसकी वजह से वह इस धरती पर राज कर रहा है। दरअसल हमारी रीढ़ की बनावट साइकिल की चेन के समान लचीली होती है न कि लाठी की तरह सीधी।

यही कारण है कि हमारा आगे-पीछे, दाएं-बाएं झुकना संभव हो पाता है? स्पाइन (रीढ़) पूरे शरीर में 33 खंडों में बंटा होता है। प्रत्येक खंड को वर्टिब्रा (मेरूदंड) कहते हैं। प्रति दो खंडों के बीच में एक डिस्क होती है, जो वर्टिब्रा को हुक की तरह जोड़कर रखती है। रीढ़ के पीछे स्पाइन कैनाल होता है जिसके भीतर नसें मस्तिष्क से पैर की ओर गुजरती हैं। स्पाइन का वजन काफी कम होता है, पेरूस्थल के बीच डिस्क बहुत ही व्यवस्थित ढंग से फिट रहती हैं और डिस्क वर्टिब्रा पर अंकुश कायम रखती हैं अगर किसी कारण से वर्टिब्रा आगे की तरफ खिसकती है तो वह स्थिति मरीज के लिए बहुत घातक होती है। कमर दर्द का आज की तारीख में सबसे बेहतर इलाज है पिन होल सर्जरी, जिसके बारे में गंगाराम अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डा. सतनाम सिंह छाबड़ा सलाह देते हैं कि नई उपलब्धियों के कारण अब डिस्क (कमर) दर्द का इलाज लेजर डिस्केटॉमी द्वारा सफलतापूर्वक किया जा सकता है। इस तकनीक द्वारा उन रोगियों का इलजा भी सफलतापर्वूक किया जा सकता है जिन्हें सामान्य इलाज से कोई राहत नहीं मिलती। इस प्रक्रिया का कोई हानिकारक इसर भी नहीं है।

सुंदर बालों के लिए भृंगराज

भृंगराज संस्कृत का शब्द है, जिसका अर्थ है- वह जो बालों को चमकीला रंग प्रदान करता है। यह बालों की ग्रोथ बढ़ाता है और उन्हें काले व घने बनाता है। बालों को समय से पहले सफेद होने और गंजे होने से बचाने में भृंगराज सहायता करता है। इसका स्वाद तीखा और कड़वा होता है। यह इंटरनली और एक्सर्टनली दोनों तरह से ही फायदेमंद है। इंटरनली भृंगराज कई बीमारियों में लाभदायक है। म्यूकस कम करता है और अस्थमा व खांसी में सांस लेने में राहत पहुंचाता है। यह भूख और पाचन शक्ति बढ़ाता है। इसके सेवन से स्मरण शक्ति व आंखों की रोशनी तेज होती है। यह दांतों और त्वचा के रोगों में फायदेमंद है। यह सबसे बढ़िया ब्लड प्यूरीफायर्स में से एक है। सोजिश और दर्द होने पर इसका लेप लगाने से आराम मिलता है। भृंगराज का पेस्ट लगाने से क्रॉनिक व संक्रमित जख्म बेहतर ढंग से साफ किए जा सकते हैं और वे जल्दी ही भर भी जाते हैं। इसके ताजा जूस के साथ सिर की मसाज करने से सिर दर्द दूर हो जाता है।

खेलोगे-कूदोगे तो बनोगे लाजवाब

खेलने से बच्चे फिजिकली और मेंटली चुस्त-दुरुस्त रहते हैं और उनका सामाजिक जीवन भी बेहतर बनता है। बढ़ती उम्र में गंभीर बीमारियों से बचने के लिए बचपन से ही रोजाना खेल-कूद को अपनी हैबिट बना लें...

किसी वक्त कहा जाता था- 'पढ़ोगेलि खोगे, तो बनोगे नवाब, खेलोगे- कूदोगे, तो बनोगे खराब।' लेकिन अब कहा जाता है- '...खेलोगे-कूदोगे, तो बनोगे लाजवाब।' इसका कारण है उम्र बढ़ने के साथ होने वाली कई गंभीर बीमारियां, जिनका प्रमुख कारण है फिजिकली एक्टिव न होना।

बच्चे जब छोटी उम्र से ही कार्टून चैनल्स और प्लेइंग गैजेट्स की बजाय क्रिकेट, फुटबॉल, टैनिस, बैडमिंटन जैसे आउटडोर गेम्स में रुचि लेने लगते हैं, तो इससे न सिर्फ उनकी फिजिकल व मेंटल हैल्थ इम्प्रूव होती है, बल्कि पढ़ाई में भी उनका प्रदर्शन बेहतर होता है। जब बच्चे कंप्यूटर पर गेम्स खेलते हैं, तो बंद कमरे में खेलने के कारण उनका जीवन की वास्तविक सच्चाईयों से सामना नहीं होता, लेकिन बाहर मैदान में दोस्तों के साथ खेलते हुए वे जिंदगी की चुनौतियों को जान-समझ लेते हैं और अपनी समझ-बूझ से उनका दृढ़ता से सामना भी करना सीख जाते हैं।

हैल्थ बैनेफिट्स

फ्लेक्सिबिलिटी: जब बच्चे फुटबॉल, बैडमिंटन, स्वीमिंग आदि खेल खेलते हैं, तो उनके ज्वाइंट्स के आस-पास मूवमेंट होने लगता है। इसी मूवमेंट के कारण उनके शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी तेजी से बढ़ती है।

ग्लैंड्स पर प्रभाव: जब बच्चे सुबह खुले मैदान में दौड़भा ग वाले खेलों में भाग लेते हैं, तो उनके शरीर में थायरॉइड ग्लैंड, पिट्यूटरी ग्लैंड, एडरीनल ग्लैंड आदि से हार्मोन का सिक्रीशन समुचित मात्रा में होता है। इससे बच्चे के शरीर का विकास सही तरीके से होता है।

इम्यून सिस्टम: कुछ बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होती है और वे अक्सर सर्दी-खांसी से परेशान रहते हैं। लेकिन यदि वे रोजाना दौड़-भाग वाले खेलों में भाग लेते हैं, तो इससे उनका इम्यून सिस्टम मजबूत होता है व बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ती है।

ब्लड सर्कुलेशन: दौड़-भाग वाले खेलों में हिस्सा लेने से बच्चों के शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही तरीके से होने लगता है। इससे न सिर्फ शरीर हैल्दी बनता है, बल्कि कई बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है।

हार्ट बीट: आउट डोर गेम्स से हार्ट-बीट यानी सांस लेने की गति बढ़ जाती है। इससे शरीर के सभी सैल्स तक ऑक्सीजन पहुंचने की प्रक्रिया इम्प्रूव होती है। धीरेधीरे जब बच्चे इन खेलों में अभ्यस्त हो जाते हैं, तो उनकी हार्ट बीट सामान्य होने लगती है। इससे भविष्य में हार्ट डिसीज होने का खतरा कम हो जाता है।

स्टेमिना: फुटबॉल, क्रिकेट, स्वीमिंग, टैनिस इत्यादि खेलों से बच्चों का स्टेमिना लगातार बढ़ता जाता है। खेलने से भूख भी बढ़िया लगती है और भोजन भी आसानी से हजम हो जाता है। इससे उनकी काम करने और पढ़ने की एफिशिएंसी भी बढ़ जाती है।

मेंटल हैल्थ : खेलने से बच्चों के अंदर कम्पीटिशन की भावना पैदा होती है। कम्पीटिशन की भावना उन्हें दिमागी तौर पर मजबूत बनाती है। जब बच्चे मेंटली स्ट्रॉन्ग होंगे, तो वे सही फैसला ले पाएंगे। हार सहने की ताकत उन्हें खेल के मैदान से ही मिलती है। वे जान लेते हैं कि जीत की इतनी खुशी नहीं मनानी चाहिए कि दूसरों को दुख हो और न ही हार का इतना दुख होना चाहिए कि दोबारा खेल ही न सको। यही टॉलरेंस उन्हें भावी जिंदगी में भी तनावों से दूर रखती है। जिन लोगों में सहनशीलता नहीं होती, वे जल्दी ही स्ट्रैस के शिकार हो जाते हैं।

सोशल बैनेफिट्स

सोशल को-ऑपरेशन: जब बच्चा घर की चारदीवारी के भीतर ही रहता है, तो उसका सामाजिक दायरा भी सिमट कर रह जाता है, लेकिन जब वह दूसरे बच्चों के साथ प्ले-ग्राउंड पर खेलने जाता है, तो वहां वह नए बच्चों के साथ दोस्ती करता है और उसमें धीरे-धीरे सहयोग की भावना विकसित होती है।

अनुशासन : खेल बच्चों को अनुशासित बनाता है। खेल में वे समय का महत्व जान जाते हैं। वे जान लेते हैं कि समय निकल जाने पर लकीर पीटने का कोई फायदा नहीं होता। अनुशासित व्यक्ति ही जीवन के हर क्षेत्र में सफल होता है।

टीम-स्पिरिट: सबसे महत्वपूर्ण बात जो खेल बच्चों को सिखाता है, वह है टीम-भावना। वह भावनाओं के समुद्र में ज्यादा नहीं भटकता। यह स्पिरिट उन्हें यही सिखाती है- हार और जीत जीवन के हिस्से हैं या यूं कहें कि यह हमें सिखाती है कि कभी हम गेम जीतते और कभी हम गेम नहीं जीतते, लेकिन हम हारते कभी नहीं हैं। स्पोर्ट्समैन स्पिरिट भविष्य में करियर और प्रोफैशनल लाइफ में भी बेहद महत्वपूर्ण है।

एकाग्रता: खेल बच्चों में एक और गुण का विकास करते हैं, वह है- एकाग्रता। यह गुण ताउम्र बच्चे को जीवन में आगे बढ़ने में सहायक साबित होता है।

जीत का जज्बा: स्पोर्ट्स बच्चे के अंदर जीत का जज्बा पैदा करते हैं। यह एक ऐसा जज्बा है, जो नामुमकिन को मुमकिन बनाने की ललक पैदा करता है। यही ललक न सिर्फ उन्हें खेलों में जीत दिलाती है, बल्कि उनमें जिंदगी की चुनौतियों का सामना करने का साहस भी पैदा करती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

काकुरो पहेली - 1990

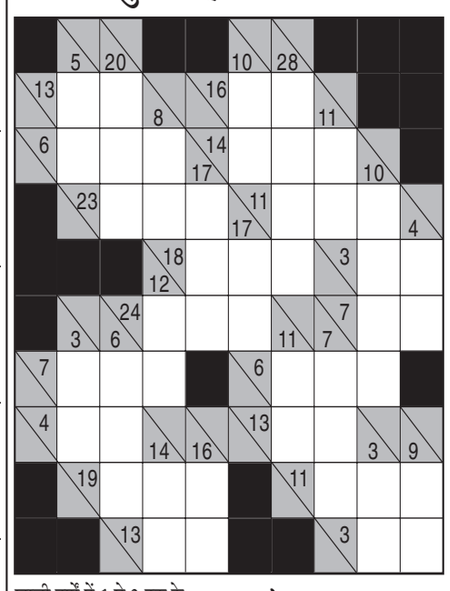

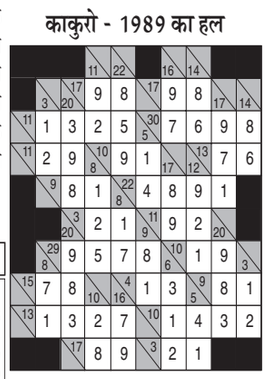

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1989 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.

'पांच सौ रुपये लगेंगे !'

'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'

'फिर ?'

'कोई सस्ता तरीका बताइए !'

'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'

'कृपया जल्दी बताइये !'

' घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.

फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला- 'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूँ ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'

आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''

उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''

प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूँ.''

फिल्म वर्ग पहेली- 1990

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1989

सूडोकु -1990

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1989 का हल

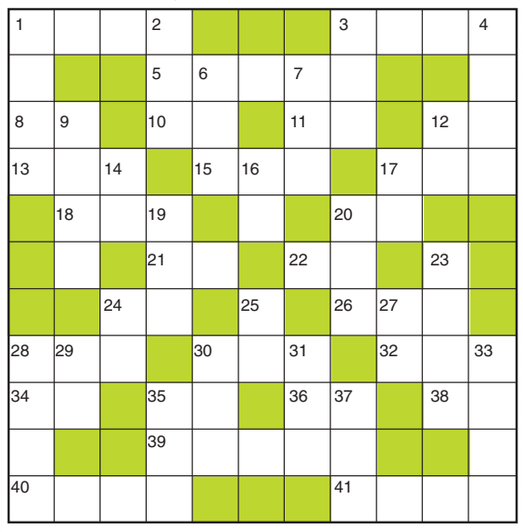

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 1990

बाएँ से दाएँ

1.पक्षियों का शोर-4
3.मुठभेड़,भिड़ंत-4
5.क्रोधित होवा-5
8.लाश,पार्थिव देह-2
10.नवीन-2
11.सरिता-2
12.संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13.दोजख,नर्क-3
15.नमकीन लवण-3
17.बेकार-3
18.आंचल-3
20.फायदा,लाभ-2
21.चिट्ठी,पत्र-2
22.जी,चित-2
24.संपूर्ण-2
26.कुचलना,दबाना-3
28.दाड़म,एक फल-3
30.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32.खिचड़ी,पुलाव-3
34.मां,आई-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.सौतन-2
38.लीन-2
39.चमकीला-5
40.नसीब,किस्मत-4
41.चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1.दलाली-4
2.स्वदेश,जन्मभूमि-3
3.दौंडी पीटना-3
4.बेमिसाल-4
6.इसमें तलवार रखते हैं-3
7.मापदंड,आदर्श-3
9.इच्छित वस्तु-4
12.जीरक,कणिका-2
14.थोड़ा,जरा-2
16.आनंद-2
17.क्रोधित,रुष्ट-2
19.अदा-3
20.पति की बहन-3
23.मन को हरने वाला-4
24.निष्कर्ष-2
25.उम्मीद-2
27.वोट,अभिमत-2
28.धरोहर,थाती-4
29.रिश्ता-2
30.नकद राशि,रोकड़-3
31.संधिपत्र,मसविदा-3
33.रीति अनुसार-4
35.अदृढ,तर्कहीन-3
37.द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली - 1989 का हल

पंजाब पुलिस ने डंकी रूट से लोगों को अमेरिका भेजने वाले एजेंट को किया गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने एनआरआई मामले में अवैध इमिग्रेशन घोटाले को लेकर कार्रवाई तेज कर दी है। इस मामले में पुलिस ने एक विशेष टीम गठित की थी। टीम ने पटियाला से ट्रैवल एजेंट अनिल बत्रा को गिरफ्तार कर लिया है। पंजाब पुलिस डंकी रूट से लोगों को अमेरिका भेजने वाले ट्रैवल एजेंटों के विरूद्ध जांच कर रही है। इस मामले में 10 एफआईआर दर्ज की गई हैं। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने अमेरिका से अवैध पंजाबियों का पहला जहाज आने के बाद इमिग्रेशन(अप्रवास) की गतिविधियों में शामिल धोखेबाज ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ शिकायतों की जांच के लिए चार सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी ने डिपोर्ट किए गए व्यक्तियों को आगे आकर जांच में सहायता करने के लिए प्रोत्साहित किया था। इसके अंतर्गत पुलिस ने कानूनों का उल्लंघन कराने वालों को कानूनी सजा दिलाने का भरोसा दिलाया था। एनआरआई मामले के एडीजीपी प्रवीण सिन्हा ने बताया कि इमिग्रेशन मामले में एजेंट अनिल बत्रा को एसपी एनआरआई मामले पटियाला गुरबंस सिंह बैंस की निगरानी में एसएचओ पुलिस स्टेशन एनआरआई पटियाला, इंस्पेक्टर अभय सिंह चौहान की नेतृत्व वाली टीम ने गिरफ्तार किया है। हरियाणा में कुरुक्षेत्र थाना अंतर्गत शांति नगर के टेका मार्केट निवासी अनिल बत्रा को पटियाला स्थित उसके ससुराल से गिरफ्तार किया गया है।

हजारों वर्ष की परंपरा को नई ऊंचाई की ओर लेकर जाएगा काशी तमिल संगमम: सीएम योगी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी के विजन को ध्यान में रखकर हमारी सरकार ने जिस कार्यक्रम को बढ़ाया, उसका परिणाम है कि महाकुम्भ प्रयागराज में लगभग 51 करोड़ श्रद्धालुओं ने मां गंगा, मां यमुना व मां सरस्वती की त्रिवेणी में डुबकी लगाकर भारत की आस्था को एकता के संदेश के साथ जोड़ने का कार्य किया है। यहां जाति-पाति, क्षेत्र का भेद नहीं है, बल्कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को लेकर हर गंगे का उद्घोष करते हुए और मां गंगा का आशीर्वाद लेते हुए देश के अलग-अलग कोने से आकर श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। यह अब तक सबसे बड़ा आयोजन है। इस बार महाकुम्भ के आयोजन के साथ काशी तमिल संगमम को भी जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। सीएम ने विश्वास व्यक्त किया कि काशी तमिल संगमम् हजारों वर्ष की परंपरा को नई ऊंचाई की ओर लेकर जाएगा।

रक्सौल स्थित बिहार-नेपाल सीमा पर मानव तस्करी का खुलासा,सात तस्कर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम एसएसबी 47वीं बटालियन, रक्सौल पुलिस और सामाजिक संगठनों के संयुक्त अभियान में भारत-नेपाल सीमा पर एक बड़े मानव तस्करी गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। साथ ही रक्सौल शहर के बाटा चौक से दो नेपाली युवतियों को उत्तर प्रदेश ले जा रहे सात मानव तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम के इंस्पेक्टर विकास कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि कुछ नेपाली युवतियों को तस्करी कर उत्तर प्रदेश भेजा जा रहा है। इस आधार पर एसएसबी, रक्सौल पुलिस, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर और स्वच्छ रक्सौल ने संयुक्त अभियान चलाया और बाटा चौक पर एक स्कॉर्पियो गाड़ी को रोका गया, जिसमें दो नेपाली युवतियां सवार थीं। पूछताछ के लिए सभी को रक्सौल थाना लाया गया।पूछताछ के दौरान युवतियों ने बताया कि वे नेपाल के परसा और रौतहट जिलों की रहने वाली हैं। उनके जीजा के दोस्त दिनेश साह और संजीत कुमार यादव ने छपरा (बिहार) में लक्ष्मी पूजा में शामिल होने की बात कहकर उन्हें बुलाया था। इसके बदले में पंद्रह हजार रुपये देने का वादा किया गया था। पूजा से पहले शरीर की लंबाई, चौड़ाई और अन्य माप लेकर वीडियो बनाने और भेजने के लिए कहा गया था। युवतियों ने वीडियो दिनेश साह को भेजा, जिसके बाद इसे छपरा के जितेंद्र कुमार और राजेश कुमार तक पहुंचाया गया।

देश में राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 हाइब्रिड मोड पर कर रहा है कार्य : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि राष्ट्रीय युवा महोत्सव में युवाओं की भागीदारी के लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से निरंतर प्रयास किए जा रहे है। मंत्रालय की ओर से विकसित भारत चैलेंज नामक चार चरणों वाली प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। वहीं राष्ट्रीय युवा महोत्वस तथा राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम का पुनर्गठन कर विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी) नाम दिया गया।

इस संवाद के माध्यम से युवाओं के साथ अधिक गहनता से जुड़ने का एक प्रयास किया जा रहा है। वहीं इस संवाद में युवाओं को विकसित भारत के विभिन्न पहलुओं के बारे में लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने सदन में यह जानकारी दी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि वीबीवाईएलडी–2025 के माध्यम से देशभर के 30 लाख से अधिक प्रेरित युवा एक साथ आए। 15 से 29 आयु वर्ग के सबसे वाइब्रेंट यूथ का प्रति?निधित्व कर रहे लगभग 2500 ऊर्जावान युवाओं को योग्यता के आधारित, बहु चरणीय प्रक्रिया के माध्यम से विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025 में भाग लेने के लिए चुना गया हैं।

'बोडो समुदाय को सशक्त बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहा एनडीए'

- 'कोकराझार में विधानसभा सत्र पर बोले पीएम मोदी'

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'वैश्विक चुनौतियों का समाधान युद्ध में नहीं बुद्ध में'' मानते हैं। सनातन संस्कृति में कई सभ्यताओं के आविर्भाव से पहले ही वसुधैव कुटुम्बकम की बात कही गई थी। प्रधानमंत्री मोदी इसी भाव से विश्व को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शाम कालिदास अकादमी उज्जैन में यूनाइटेड कॉन्शासनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव-2025 के तीन दिवसीय जीवन प्रबंधन कार्यशाला को भोपाल स्थित अपने निवास कार्यालय समत्व भवन से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके कार्यशाला का

वर्चुअल शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति प्रत्येक जीव में ईश्वर का वास और विश्व के कल्याण में विश्वास रखती है। वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जहाँ युद्ध, आतंकवाद और संघर्ष ने पूरी दुनिया को तनावग्रस्त किया है, ऐसे में यूनाइटेड कॉन्शासनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव जैसे आयोजन शांति, समरसता और मानवता की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए समाधान प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस कॉन्क्लेव के प्रमुख आकर्षणों में महाकालेश्वर जलाभिषेक, पृथ्वी तत्व का आव्हान, पंचमहाभूत आव्हान और विशेष सांस्कृतिक संध्या जैसी गतिविधियां शामिल हैं। इन अनुष्ठानों से सम्पूर्ण विश्व के बीच एकता और समरसता को प्रकट करने के प्रयास होंगे। कुल 22 देशों के प्रतिनिधि अपने-अपने देशों की नदियों के जल से बाबा महाकाल का अभिषेक करेंगे। यह कॉन्क्लेव भारत की प्राचीन संस्कृति, योग और आध्यात्मिकता को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर है। यह भारत की पॉवर को और अधिक सशक्त करेगा तथा विश्व, भारत की आध्यात्मिक शक्ति से लाभान्वित हो सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉन्क्लेव के सहभागियों से वैश्विक शांति की स्थापना और विश्व में प्रेम, सौहार्द्र तथा सकारात्मकता के प्रसार में हरसंभव योगदान देने संकल्प लेने का आव्हान किया।

भोपाल में लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना पर एनसीडब्ल्यू ने लिया संज्ञान

एजेंसी

भोपाल। भोपाल में 19 साल की लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है। आरोपितों ने इस जघन्य अपराध के बाद पीड़ति को छत से फेंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़ति का पास के अस्पताल में इलाज चल रहा है।

इस गंभीर घटना पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजा है। पत्र में घटना की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच करने, पीड़ति को चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक सहायता सुनिश्चित करने तथा जरूरत पड़ने पर सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश भी गए। इसके साथ आयोग ने मामले की तीन दिन के अंदर विस्तृत कार्रवाई की रिपोर्ट भी देने को कहा है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने पुलिस महानिदेशक को अपने पत्र के माध्यम से आरोपित पर बीएनएस अधिनियम, 2023 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज करने और जल्द से जल्द उन्हें गिरफ्तार करने की बात भी कही। इस मामले में की गई सभी कार्रवाई से आयोग को तीन दिन के अंदर अवगत कराने का अनुरोध किया। उल्लेखनीय है कि भोपाल के एक गांव में 19 साल की लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। युवती को घटना के बाद आरोपितों ने छत से फैंक दिया। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी सुभाष बघेल के मुताबिक, मुख्य आरोपित अरबाज (20 साल), शेख शरीफ खान (30), इरफान खान को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है।

हिन्दू समाज में समता व समरसता का भाव जगाना होगा: बजरंग लाल बांगड़ा

एजेंसी

महाकुंभनगर। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय महामंत्री बजरंग लालबांगड़ा ने कहा कि हिंदू समाज में समता व समरसता का भाव जगाना होगा। सामाजिक समरसता का काम समर्पण भाव व तेज गति से करने की आवश्यकता है। गत हजार वर्षों से विधर्मियों के आक्रमण के कारण समाज में जातिगत भेदभाव का निर्माण हुआ। हिंदू समाज जातियों में बंट गया व गुलाम हो गया। बड़ी मात्रा में हमारे हिंदू बंधु धर्मांतरित होकर ईसाई व मुसलमान बन गए। वह विश्व हिंदू परिषद के सामाजिक समरसता अभियान की अखिल भारतीय बैठक को महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर-18 स्थित आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

हिंदू परिषद (विहिप) के महा शिविर में प्रारंभ हुई बैठक में उन्होंने कहा कि जातिभेद व अस्पृश्यता की समस्या को हल करने के लिए अनेक महापुरुषों व संतों ने काम किया है। मध्यकाल में मीराबाई, स्वामी दयानंद सरस्वती, डॉ भीमराव अंबेडकर, महात्मा फुले व डॉक्टर हेडगेवार जैसे महापुरुषों ने हिंदू समाज की एकता व समरसता के लिए कार्य किया। आज

वही कार्य विश्व हिंदू परिषद गत 60 वर्षों से समाज में सामाजिक समरसता के काम में लगी है फिर भी समस्या हल नहीं हो रही है। सामाजिक विषमता की घटनाएं देखने को मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज और सनातन की रक्षा करना और इसके समक्ष क्या खतरे हैं, उसको पहचाना आवश्यक है। आंध्र प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना,केरल व सारे देश में ईसाइयों के कारण धर्मांतरण हो रहा है। 60 वर्षों में पंजाब में सिख समाज का ईसाइयों ने बड़े पैमाने पर धर्मांतरण किया है। 200 वर्षों में जो काम ईसाई मिशनरी नहीं कर सकीं, वह काम 10 वर्षों में ईसाइयों ने पंजाब में किया है, जोकि हमारे लिए चुनौती का विषय है। इसलिए आने वाले समय में विषमता को दूर करने के लिए अधिक परिश्रम करना होगा। तेलंगाना से आए संत शंकर स्वामी ने कहा कि दलित नारायण की सेवा ही श्रेष्ठ कार्य है। केरल, आंध्र प्रदेश व तमिलनाडु जैसे प्रान्त में धर्मांतरित ईसाई हमारे हिंदू बंधुओ को प्रताड़ति करते हैं।

अखिलेश यादव ने की सरकार से महाकुंभ का समय बढ़ाने की मांग : बोले-अभी भी सड़कों पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या

एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सपा व्यापार सभा के अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल से जुड़े मामले में भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा गलत भाषा का प्रयोग करेगी तो सपा भी उन्हीं शब्दों में जवाब देगी।

सपा मुखिया ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान सपा के व्यापार सभा के अध्यक्ष मनीष जगन की गिरफ्तारी को लेकर कहा कि अब वह सपा मीडिया सेल का हिस्सा नहीं हैं। हमारी ओर से पहले गलत भाषा का प्रयोग नहीं किया गया। भाजपा लगातार भाषा की मर्यादा तोड़ रही है। अगर भाजपा के लोग अपने में सुधार लाएंगे तो सपा के लोग भी अपने आपको सुधारेंगे, ऐसा समझौता हुआ था। लेकिन, भाजपा के लोग गलत शब्द का इस्तेमाल करेंगे तो उसी भाषा में उन्हें जवाब मिलेगा।अखिलेश यादव ने सरकार से महाकुंभ का समय बढ़ाने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि सरकार से अपील है कि कई बुजुर्ग स्नान नहीं कर पाए हैं। सम्राट हर्षवर्धन के समय में कुंभ 75 दिन का होता था, जिसमें दूर-दूर से लोग आकर स्नान करते थे। सरकार से मांग है कि कुंभ का समय बढ़ा दें। उन्होंने एक बार फिर महाकुंभ के आंकड़ों को लेकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग आंकड़ों को लेकर झूठ बोलते हैं। हमारी जानकारी के अनुसार 60 करोड़ लोग स्नान कर चुके होंगे। मैनेजमेंट की स्टडी की जाए तो उनकी असफलता की जानकारी सामने न आ जाए। महाकुंभ में फौज की मदद ली जाती तो हालात इतने खराब नहीं होते। यह सरकार अन्याय कर रही है। लोगों को बहुत परेशानी उठानी पड़ी है। जाम से बहुत दिक्कत हुई है। प्रयाग का पुलिस कमिश्नरेट फेल हुआ है। पुलिस को भाजपा की टोपी पहनकर बैठना चाहिए।

उन्होंने मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि एक सीट पर अन्याय कर सकते हैं, 403 पर बेईमानी नहीं चलेगी। यूपी सरकार का बजट आने वाला है। बहुत सारी बातें बजट से साफ हो जाएंगी। भाजपा ने इन्वेस्टमेंट मीट की, लेकिन जो एमओयू साइन हुए, उसके बाद कोई भी इंडस्ट्रियल पॉलिसी नहीं बनाई, जिससे निवेश हो सके।

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की जीत ऐतिहासिक : सीएम साय

एजेंसी

रायपुर । छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनावों में पार्टी को मिली बड़ी बढ़त के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की जनता का आभार जताया। सीएम ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर लोगों के विश्वास का नतीजा बताया। उनके मुताबिक जनता ने सरकार की नीतियों पर मुहर लगाई है।

सीएम साय ने कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। जनता ने देश के पीएम मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया है। इस जीत के लिए मैं छत्तीसगढ़ के मतदाताओं को धन्यवाद देता हूं। सबने अटल विश्वास पत्र पर भरोसा जताया। मुख्यमंत्री होने के नाते वादा करता हूं कि जो भी वादा अटल विश्वास पत्र में किया है, वह पूरा होगा। हम लोगों को ठगने के लिए नहीं बल्कि वादा

पूरा करने के लिए आए हैं।

साय ने पिछले चुनाव के नतीजों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि तब कांग्रेस ने लोकतंत्र की हत्या की थी। महापौर और अध्यक्ष चुनाव को प्रत्यक्ष नहीं कराया था, लेकिन इस बार हमने जनता को उनका हक दिया और लोकतंत्र की जीत हुई। सीएम ने आगे कहा कि रायपुर में पिछले बार के कांग्रेस से जीते महापौर इस बार पार्षद का चुनाव भी नहीं जीत पाए। आगे कहा, 10 नगर निगम के चुनाव हुए, जिसमें हमें जीत मिली। सभी ने अच्छे अंतर से जीत दर्ज की है। 49 नगर पालिका में से 33 पर भाजपा ने जीत दर्ज की है, वहीं 114 नगर पंचायत में 84 में हम जीत चुके हैं और परिणाम डिक्लेयर होते-होते तस्वीर और खूबसूरत होगी। बता दें कि रायपुर से महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे 1 लाख से भी ज्यादा मतों से जीत गई हैं। वो अब तक नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। तीन बार की पार्षद रहीं हैं। वहीं, कोरबा नगर निगम चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शानदार प्रदर्शन किया है। भाजपा की महापौर प्रत्याशी संजू देवी राजपूत की जीत पक्की मानी जा रही है। वहीं, पार्षद पद पर भी भाजपा को बड़ी सफलता मिली है, जहां पार्टी के 52 पार्षदों ने जीत दर्ज की है।

मुख्यमंत्री ने एआईसीसी सचिव मनोज चौहान के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला कराया दर्ज

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिव और पार्टी के राज्य सह-प्रभारी मनोज चौहान के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला दर्ज कराया है। यह मामला गुवाहाटी के कामरूप (मेट्रो) के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में दायर किया गया।11 फरवरी को गुवाहाटी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चौहान ने आरोप लगाया था कि डॉ. सरमा ने दुबई और सिंगापुर में शॉपिंग मॉल और होटल व्यवसाय में निवेश किया है। इन आरोपों को बेबुनियाद और असत्य बताते हुए मुख्यमंत्री ने अब आपराधिक मानहानि का मामलादर्ज कराया है। डॉ. सरमा की याचिका पर अदालत ने मामला सीआर 78/2025 के तहत दर्ज कर लिया है और एआईसीसी सचिव को पूर्व संज्ञान नोटिस जारी किया है। साथ ही, अदालत ने चौहान को 17 मार्च को पेश होने का समन भेजा है। इस बीच, डॉ. सरमा ने कांग्रेस नेता के खिलाफ सिविल मानहानि का मुकदमा दायर करने का भी फैसला किया है।

देश में सांस्कृतिक एकता दिखाने का सबसे बड़ा मिसाल: धर्मेन्द्र प्रधान

एजेंसी

वाराणसी। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि संस्कृत की तरह तमिल भी देश की सबसे पुरानी भाषा हैं, जो सांस्कृतिक एकता दिखाने का सबसे बड़ा मिसाल हैं। काशी-तमिल संगमम् एक सांस्कृतिक उत्सव है। इसका उद्देश्य उत्तर भारत और दक्षिण भारत की विविध पारंपरिक और सांस्कृतिक प्रथाओं को एक साथ लाना है। केन्द्रीय मंत्री यहां नमोघाट पर आयोजित काशी तमिल संगमम के तीसरे संस्करण के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केन्द्रीय राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन के साथ केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने बटन दबाकर संगमम का उद्घाटन किया।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए कहा कि प्रयागराज का महाकुंभ हम सभी के जीवन में सौभाग्य लेकर आया है। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री योगी

और मुझे संगमम के अतिथियों को कुंभ क्षेत्र में रहने और दर्शन कराने दायित्व सौंपा है। इस बार के महाकुंभ ने समस्त सनातनियों में जागृति पैदा की है।विशेषकर समाज का सामान्य वर्ग और युवा वर्ग ने महाकुंभ दर्शन का संकल्प लिया है, ऐसा प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि तमिल अतिथियों को इस बार बाबा विश्वनाथ के साथ महाकुंभ मेला तथा अयोध्या स्थित राममंदिर में दर्शन करने का अवसर मिलेगा। अयोध्या राममंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के बाद आयोजित इस तमिल समागम के अतिथि भी भाग्यशाली हैं कि आपको वहां दर्शन का सौभाग्य मिलेगा। इस बार का महाकुंभ न केवल भारतीय बल्कि पूरी दुनिया के सनातनियों में नयी ऊर्जा का संचार किया है। केन्द्रीय मंत्री ने समागम में आम बजट में उल्लेखित नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी तथा 22 भाषाओं के डिजिटल कुम्भ के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बार के केंद्रीय बजट में पहली बार प्राविधान किया गया है कि एआई के माध्यम से देश की महान ग्रन्थों को संरक्षित किया जाएगा। केन्द्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री के पंच प्रण को दोहराते हुए 2047 तक विकसित भारत की बात कही। कहा कि 2047 तक भारत को विकसित बनाने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की घोषणा को अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए हमें इसे मूर्त रुप देना है। समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर और दक्षिण के लोगों के सांस्कृतिक व धार्मिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए आयोजित समारोह को सराहा। उन्होंने कहा कि संगमम हमारे लिए एक भारत, श्रेष्ठ भारत, के प्रधानमंत्री मोदी के विजन को आगे बढ़ाने के महायज्ञ का भाग है। यह आयोजन इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन महाकुंभ प्रयागराज में चल रहा है। इस कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके (पीएम मोदी) नेतृत्व में लगातार तीसरी बार काशी तमिल संगमम का बाबा विश्वनाथ की पावन धरा पर शुभारंभ हो रहा है। नए भारत की परिकल्पना को आगे बढ़ाते हुए महर्षि अगस्त्य को केंद्र में रखकर इस बार के काशी तमिल संगमम् का थीम रखा गया है।

महाकुम्भ में नागा संतों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए भरी हुंकार

एजेंसी

महाकुम्भनगर। संगम की रेत पर नागा साधुओं ने एकजुट होकर पर्यावरण संरक्षण के लिए हुंकार भरी। इस ऐतिहासिक आयोजन में विभिन्न अखाड़ों के नागा साधुओं ने पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ नदी शुद्धिकरण का संकल्प लिया। नागा संन्यासियों को संबोधित करते हुए वाटर विमन शिप्रा पाठक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर यदि आज हम नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां महाकुम्भ के मोक्ष और पुण्य को तरस जाएंगी। कार्यक्रम के दौरान नागा साधुओं ने संकल्प लिया कि हर व्यक्ति हर वर्ष एक पौधा लगाएगा और उसका संरक्षण करेगा। इस पहल के जरिए देशभर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। अमृतेश्वर महादेव पीठाधीश्वर श्री सहदेवानंद गिरी जी ने

इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है, जब अध्यात्म और पर्यावरण एक साथ खड़े हैं। वहीं, दिगंबर शक्ति गिरी ने कहा कि इस पहल को पूरे भारत में फैलाया जाएगा।

जिससे देश को हरा-भरा बनाया जा सके। महाकुम्भ में हुए इस अनोखे संगम ने यह सिद्ध कर दिया कि जब धर्म और पर्यावरण एक साथ आते हैं, तो एक नया जागरण जन्म लेता है। संतों ने कहा कि नागा साधु केवल तपस्वी नहीं, बल्कि राष्ट्र रक्षकों का इतिहास भी रखते हैं। जब-जब राष्ट्र पर आक्रमण हुआ, नागाओं ने तलवार उठाई है। अब समय आ गया है कि वे त्रिशूल, डमरू और तलवार के साथ यह संदेश दें कि नदियों के दोहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

'लव जिहाद' रोकने के लिए पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में विशेष समिति नियुक्त

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस नीत राज्य सरकार ने अंतरधार्मिक विवाहों के माध्यम से सामने आ रही 'लव जिहाद' जैसी घटनाओं पर नकेल कसने के लिए पुलिस महासंचालक की अध्यक्षता में विशेष समिति गठित करने का शासनादेश जारी कर दिया है। भाजपा नेता और पूर्व सांसद नवनीत राणा ने इस विशेष समिति का स्वागत किया है और कहा कि बहुत जल्द राज्य में लव जिहाद विरोधी कानून लागू होगा और महाराष्ट्र इस कानून को लागू करने वाला दसवां राज्य बन जाएगा। देर रात गृह विभाग की ओर जारी शासनादेश के अनुसार पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में नियुक्त समिति में महिला एवं बाल विकास, अल्पसंख्यक विकास, विधि एवं न्याय, सामाजिक न्याय विभाग के अतिरिक्त प्रमुख सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव तथा गृह विभाग की विधि शाखा के संयुक्त सचिव या उप सचिव सदस्य होंगे। गृह विभाग के संयुक्त सचिव या उप सचिव इस समिति के सदस्य सचिव होंगे। यह समिति लव जिहाद और जबरन या धोखाधड़ी से धर्मांतरण के खिलाफ अन्य राज्यों के कानूनों का अध्ययन करेगी और सरकार को कानून का मसौदा तैयार करने की सिफारिश करेगी। इसके बाद राज्य सरकार लव जिहाद विरोधी कानून बनाएगा। अब तक देश के नौ राज्यों - उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ - ने लव जिहाद विरोधी कानून बनाए हैं।

हर भारतीय को विश्वस्तरीय चिकित्सा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता : जेपी नड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि हर भारतीय तक विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। पहले कैंसर जैसे इलाज के लिए घर और जमीन बिक जाती थी। अब प्रधानमंत्री जन आरोग्य आयुष्मान भारत योजना और कैंसर की दवाइयों के सस्ती होने से सभी कैंसर पीड़ति अपना इलाज करवा पा रहे हैं।

जेपी नड्डा झज्जर के बाढ़सा के राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में कैंसर पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। सेमिनार से पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने एनसीआई में बोन मैरो

ट्रांसप्लांट यूनिट, रेडियो न्यूक्लिड थेरेपी वार्ड और निःशुल्क जेनेरिक औषधालय जनता को समर्पित किए। उन्होंने इस दौरान राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में मौजूद सुविधाओं का जायजा भी लिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 1998 से पहले देश में केवल एक एम्स था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने 16 और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने अभी तक 22 एम्स बनाएं हैं। मेडिकल के क्षेत्र में मानवतावादी सोच के साथ अनुसंधान और नवाचार को फोकस किया गया है। सरकार लोक हित में नीति बना रही है। डॉक्टर्स, पैरा मेडिकल और वैज्ञानिक मेहनत कर रहे हैं। अब कैंसर के इलाज के लिए विदेश जाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि छह साल पहले शुरू किया गया यह राष्ट्रीय कैंसर संस्थान आज वैश्विक स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष केंद्र सरकार देश के 200 जिलों में कैंसर डे-केयर सेंटर शुरू करने जा रही है और तीन वर्षों में देश के हर जिले में यह सुविधा होगी।

उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में समाज सेवा कर रहे नागरिकों और संस्थाओं को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, एम्स के निदेशक डॉ एन श्रीनिवासन, डीन एकेडमिक डॉ के के वर्मा, स्वास्थ्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव जयदीप मिश्रा, देशभर के कैंसर विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और स्कॉलर मौजूद रहे।

पके कटहल को करें डाईट में शामिल, दूर होंगी कई बीमारियां

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

गठिया का रामबाण इलाज है कच्चे पपीते की चाय

उम्र बढ़ने के साथ-साथ या फिर कैल्शियम की कमी से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। इन्हीं में से एक समस्या है गठिया की, जिससे कई लोग परेशान होते हैं। इसमें जोड़ों में दर्द, यूरिक एसिड के क्रिकेट का जोड़ों में जमा होना जैसी समस्याएं आती है। इससे बचने के लिए या फिर इलाज के लिए आप काफी कुछ आजमा चुके हैं और फिर भी कोई असर नहीं होता, तो इसका एक बेहतरीन घरेलू उपाय है हमारे पास। ये उपाय है कच्चे पपीते की चाय। जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी कि पपीते की चाय का सेवन आपकी गठिया की समस्या समाप्त कर सकती है। मेडिकल साइंस की दुनिया में भी इस चाय का काफी महत्व है। पपीता शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा को घटाता है और इसमें सूजन को दूर करने वाले गुण होते हैं।

विधि - इस चाय को बनाने के लिए आपको चाहिए - पानी, कच्चा हरा पपीता, ग्रीन टी बैग या ग्रीन टी की पत्तियां। अब चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी लेकर उसमें कच्चे पपीते के टुकड़े डाल दें और इसे आंच पर रख दें। जब यह उबलने लगे, तो आंच बंद करके इसे थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। इस इसे छान लें और इसमें ग्रीन टी डालकर लगभग 3 मिनट के लिए छोड़ दें। अब यह चाय पीने के लिए तैयार है, इसे गर्मागर्म या गुनगुनी ही पिएं।

जानिए पपीते की इस चाय के फायदे -

- गठिया की समस्या में फायदेमंद।
- शारीरिक सूजन कम करने में मददगार।
- ब्लड प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ाने में मददगार।
- शरीर के अवांछित तत्वों को बाहर कर आंतरिक सफाई में मददगार।

बीपी-शुगर में रामबाण है ब्लैक राइस

आपने आज तक सफेद या ब्राउन चावल के बारे में सुना होगा। लेकिन क्या आपने काले चावल के लाभ के बारे में सुना है। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताते हैं काले चावल के बेमिसाल फायदे।

हमारे देश में चावल का सेवन सदियों से किया जा रहा है। बिरयानी से लेकर डोसा और इडली तक चावलों से ना जाने कितने ही व्यंजनों को तैयार किया जाता है। आज से कुछ समय पहले तक ज्यादातर लोगों को केवल सफेद चावल के बारे में ही जानकारी थी। लेकिन अब लोग चावल की अलग-अलग किस्मों को ना केवल जान रहे हैं बल्कि इनका सेवन भी कर रहे हैं। ऐसे में आप काले चावल को ही ले लीजिए। दरअसल काले चावल ओरीजा सैटिवा प्रजाति से आते हैं। प्राचीन काल में चीन के अंदर इन काले चावल के पोषक तत्वों को देखते हुए इसे रॉयल्टी में शामिल किया गया था। आपको बता दें कि काले चावल के अंदर कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट गुण और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो आपको जिंदगी भर सेहतमंद रख सकते हैं। आज इन काले चावलों के जरिए विश्व भर में तरह-तरह की खाद्य सामग्री तैयार की जाती है। जिनका लुत्फ आप भी उठा सकते हैं। लेकिन इससे पहले जरा काले चावल के फायदे जानिए।

आयरन और प्रोटीन का खजाना

अगर आप अपनी रोजाना की डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, तो आप काले चावल का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि 10 ग्राम ब्लैक राइस में लगभग 9 ग्राम प्रोटीन होती है, जो ब्राउन राइस के मुकाबले कहीं अधिक है। यही नहीं इसमें आयरन भी मौजूद होता है जो शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए बेहद जरूरी है। इसके अलावा इसमें कुछ अन्य पोषक तत्व हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

45 ग्राम चावल में पोषक तत्व की मात्रा

कैलोरी - 160
फैट - 1.5 ग्राम
प्रोटीन - 4 ग्राम
कार्ब्स - 34 ग्राम
फाइबर - रोजाना की जरूरत का 6 प्रतिशत

इसके 23 एंटीऑक्सीडेंट हृदय रोग और अल्जाइमर से बचाते हैं

आज तक आपने ऐसी बहुत सी खाद्य सामग्रियों का सेवन किया होगा जिनमें एक, दो या पांच एंटीऑक्सीडेंट होंगे। लेकिन ब्लैक राइस में एक या दो नहीं बल्कि पूरे 23 एंटी ऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट गुण आपको ऑक्सीडेटिव तनाव से राहत दिलाते हैं। ज्ञात हो कि ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस की वजह से कैंसर, हृदय रोग और अल्जाइमर जैसी समस्या पैदा होती है। आप इन सभी समस्याओं से ब्लैक राइस की वजह से बचे रह सकते हैं। यही नहीं इसके अंदर कई तरह के फ्लेवोनोइड्स और कैरोटीनॉयड होते हैं। यह भी आपको सेहतमंद बनाए रखने में मदद करते हैं। इस लिहाज से आप ब्लैक राइस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

हृदय के लिए फायदेमंद

अब तक ब्लैक राइस को लेकर कई शोध हो चुके हैं जो हृदय रोगों से बचाने के दावे कर रहे हैं। हालांकि यह अध्ययन अभी उतने अधिक नहीं हुए हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस को लेकर जानवरों और इंसानों पर कई शोध हुए हैं जिनमें एंथोसायनिन की भूमिका को जांचा गया है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर में सुधार देखा गया है। अध्ययनों को देखकर लगता है कि यह हृदय के लिए फायदेमंद है। लेकिन अभी इस पर कुछ और अध्ययनों की आवश्यकता भी है।

कैंसर से बचाए

ब्लैक राइस को लेकर हुए कई अध्ययनों में ऐसा पाया गया है कि जो लोग अधिक मात्रा में एंथोसायनिन का सेवन करते हैं उन्हें कोलोरेक्टल कैंसर होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा हुए टेस्ट ट्यूब अध्ययन में पया गया कि काले चावल में मौजूद एंथोसायनिन ने महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की कोशिका को कम कर दिया। साथ कैंसर के फैलने की गति को भी धीमा कर दिया। इन अध्ययनों में भले ही अब तक अच्छे प्रमाण हासिल हुए हों। लेकिन अभी इस पर अन्य अध्ययन की आवश्यकता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

ब्लैक चावल के अंदर जेक्सैन्थिन और ल्यूटिन मौजूद होता है जो दो प्रकार की कैरोटीनॉयड यह आंखों को स्वस्थ रखने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। आपको बता दें कि यह यौगिक आपकी आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक मुक्त कणों से राहत दिला सकते हैं। साथ ही ब्लैक राइस के अंदर मौजूद इन गुणों पर जब अध्ययन किए गए तो इसमें पाया गया कि यह मोतियाबिंद जैसी समस्या से भी राहत दिला सकते हैं जो एक उम्र के बाद लोगों को होने लगती है। हालांकि इस पर अभी अध्ययन केवल चूहों पर ही किया गया है इंसानों पर नहीं।

वजन घटाने में असरदार

अगर आप वजन घटाना चाहते है तो आप ब्लैक राइस का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस के अंदर मौजूद प्रोटीन और फाइबर आपका पेट भी लंबे समय तक भरा रख सकते हैं और आपका वजन घटाने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। इसके अलावा एंथोसायनिन को भी वजन घटाने में कई अध्ययनों में कारगर माना गया है। हालांकि यह रिसर्च अभी तक इंसानों पर नहीं हुई हैं। इसलिए इस पर अभी और अध्ययन बाकी हैं।

ग्लूटेन फ्री है ब्लैक राइस

आप शायद जानते ही होंगे कि ग्लूटेन फ्री एक तरह का प्रोटीन होता है जो कई तरह के अनाज में पाया जाता है जैसे गेहूं, जौ और राई आदि। ऐसे लोग सीलिएक रोग से पीड़ित लोगों को इस प्रोटीन से बचना होता है क्योंकि यह उनकी आंत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में अगर आप सीलिएक रोग से पीड़ित हैं तो आप ब्लैक राइस का लुत्फ ले सकते हैं, क्योंकि यह आपकी स्थिति को बिगाड़ेगा नहीं।

इन कामों को करने वाले सबसे ज्यादा झेलते हैं साइटिका का दर्द

क्या आपको अक्सर कमर से लेकर पैरों तक तेज दर्द या जलन महसूस होती है, तो यह साइटिका या साइटिका की समस्या हो सकती है। आइए जानते हैं साइटिका के होने की वजह और इसके उपाय एवं इलाज के बारे में।

मानव शरीर के अंदर करीब 206 हड्डियां होती हैं। इनमें से अगर किसी में भी जरा दिक्कत शुरू हो जाए तो उसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। साथ ही आप एक भंयकर और जानलेवा दर्द से गुजरने लगते हैं। ऐसा ही कुछ होता है साइटिक नर्व में। इस स्थिति से जूझने वाले व्यक्ति को कमर से लेकर कूल्हों और पैरों तक बहुत तेज दर्द, जलन, और सुन्न होने की समस्या होने लगती है। इस स्थिति में दरअसल साइटिका के जरिए ही आप अपने पैरों को नियंत्रित कर पाते हैं और पैरों को महसूस इसकी वजह से होता है। साइटिका के उपचार या उपाय का तरीका जानने से पहले जरूरी है कि आप इस दर्द को सही प्रकार समझ लें। ऐसे में साइटिका दर्द की समस्या के कारण और उपचार के तरीकों और जटिलताओं के बारे में बता रहे हैं पेन स्पेशलिस्ट।

क्या है साइटिका का दर्द

साइटिका नर्व आपकी रीढ़ की हड्डी से शुरू होकर आपके कूल्हों से लेकर आपके पैरों तक जाती है। यह मानव शरीर की सबसे महत्वपूर्ण तंत्रिकाओं में से एक है। आमतौर पर यह दर्द लोगों को 30 साल के बाद ही होता है। यूं तो साइटिका पेन एक अस्थाई दर्द ही है जो खुद भी ठीक हो जाता है और इसके लिए दवा और कुछ उपायों की आवश्यकता भी हो सकती है। साइटिका नर्व में हुई समस्या से जूझ रहे मरीजों को कमर दर्द, पैरों में सुन्नपन आ जाना या दर्द अनुभव होता है। साइटिका को कटिस्नायुशूल के नाम से भी जाना जाता है। आइए जानते हैं इस दर्द की वजह या कारणों के बारे में।

किस वजह से होता है साइटिका

साइटिका की समस्या के पैदा होने की यूं तो कई वजह होती हैं। लेकिन डॉक्टर अमोद बताते हैं कि इस दर्द की मुख्य वजह स्लिप डिस्क होती है। आपको बता दें कि हमारी रीढ़ की हड्डी में बहुत सी हड्डियां होती हैं और इसके आगे एक डिस्क होती है, जिसे आप किसी कुशन की तरह समझ सकते हैं। इसकी वजह से हम आसानी से कमर को मोड़ सकते हैं। लेकिन जब यह डिस्क अपनी जगह से हिल जाती हैं तो इसके पीछे निकलने वाली नसों पर दबाव पड़ने लगता है। अब यह नस जहां तक जाती हैं वहां तक साइटिका का दर्द हो सकता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि साइटिका के दर्द का केवल यही कारण है। इसकी कई वजह हो सकती हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

- धूम्रपान-खराब लाइफस्टाइल बनते हैं साइटिका का कारण
- अगर हड्डियों की एलाइनमेंट खराब हो तो भी साइटिका पैन हो सकता है।
- उम्र के साथ बॉडी पॉश्चर में बदलाव आता है जिसकी वजह से भी यह समस्या हो सकती है।
- अगर कोई व्यक्ति अधिक वजन उठाने के कार्य करता है तो भी यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
- खराब जीवन शैली भी साइटिका पेन की वजह बन सकता है।
- ऐसे लोग जिनका वजन अधिक है उन्हें भी साइटिका का दर्द हो सकता है।
- अधिक धूम्रपान करने वाले लोगों को भी साइटिका का दर्द हो सकता है।

साइटिका का परीक्षण कैसे

आमतौर पर लोगों को लगता है कि साइटिका की स्थिति के बारे में जानने के लिए उन्हें एक्सरे कराना होगा। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। एक्सरे दूसरी कई समस्या में काम आ सकता है। लेकिन साइटिका के बारे में सही जानकारी प्राप्त करने के लिए आपको MRI ही करवाना होता है।

साइटिका से जुड़े भ्रम और सच

साइटिका के दर्द को लेकर राहत की बात यह है कि यह तीन महीने के अंदर-अंदर ठीक भी हो सकती है। हालांकि कुछ लोगों को ऐसा लगता है कि साइटिका की स्थिति में केवल सर्जरी ही एक विकल्प होता है। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है क्योंकि इस स्थिति में महज 1 प्रतिशत लोगों को ही सर्जरी की जरूरत पड़ती है। बाकि अन्य साधारण उपाय से भी ठीक हो जाते हैं।

साइटिका का उपचार का तरीका

साइटिका के दर्द से राहत दिलाने और इसे हील करने के लिए डॉक्टर आपको कई तरह की पेन किलर दवाओं का सेवन करने की सलाह दे सकते हैं। इन दवाओं से आपको काफी हद तक आराम मिल सकता है। पेन किलर दवाओं का असर ना होने पर कई मामलों में डॉक्टर साइटिका की समस्या में आपके उसी हिस्से पर इंजेक्शन लगाते हैं जहां दर्द हो। इलाज की इस प्रक्रिया से जल्दी ही दर्द से राहत मिलने लगती है। वहीं अगर इनमें से कोई भी उपाय काम नहीं करता तो डॉक्टर आपको सर्जरी कराने का विकल्प देते हैं।

कैसे ठीक होता है साइटिका

अगर आपको साइटिका की समस्या है तो डॉक्टर आपको वजन घटाने, धूम्रपान छोड़ने, और एक सही जीवन शैली का पालन करने की सलाह दे सकते हैं। डॉक्टर अमोद कहते हैं कि इस समस्या में सर्जरी का विकल्प सबसे आखिरी होता है। वहीं दवाओं और इंजेक्शन के माध्यम से सर्जरी को टाला जा सकता है। जबकि कई मामलों में यह स्थिति खुद भी ठीक हो जाती है।

चीनी खाने से कैसे बढ़ता है आपका वजन?

चीनी का इस्तेमाल हर घर में होता है। चाय, कॉफी और मिठाईयों के अलावा रोजमर्रा की ऐसी कई चीजें हैं, जिनमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती हैं। ऐसे में चीनी का सेवन कम से कम करना चाहिए क्योंकि चीनी का सेवन ज्यादा करने से आपका वजन तेजी से बढ़ता है। आइए, जानते हैं कि चीनी कैसे बढ़ाती है आपका वजन-

फ्रक्टोज इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बनता है

चीनी का अधिक मात्रा में सेवन करना आपके ब्लड में इन्सुलिन के स्तर को बढ़ा देता है, जो आपके खाद्य पदार्थों से एनर्जी को कम करता है और उसे फैट सेल्स में परिवर्तित करता है और जब शरीर में फैट की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आपका शरीर आपके मष्तिष्क को भूख लगने का संकेत पहुंचाता है।

फ्रक्टोज लेप्टीन नामक हार्मोन के प्रतिरोध का कारण

फ्रक्टोज लेप्टिन नामक हार्मोन के प्रभाव से वजन बढ़ने की समस्या होती है। लेप्टीन वसा कोशिकाओं द्वारा उत्पादित होता है। वसा कोशिका जितनी बड़ी होगी, उतना अधिक लेप्टिन का उत्पादन होगा। इस वजह से शरीर में अधिक वसा जमा हो जाती है और साथ ही वजन भी बढ़ता है।

फ्रक्टोज ग्लूकोज की तरह काम नहीं करता

ग्लूकोज आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, लेकिन फ्रक्टोज के सेवन से ऐसा कुछ महसूस नहीं होता है, बल्कि फ्रक्टोज के सेवन से आपको अधिक भूख महसूस होती है और इस वजह से आप कैलोरी और फैट का सेवन अधिक मात्रा में करते हैं।

फ्रक्टोज आपकी भूख को बढ़ाता है

फ्रक्टोज आपके हंगर हॉर्मोन को नियंत्रित करने में मदद नहीं करता है और इस वजह से खाने के बाद भी आपको अधिक भूख लगती है। ऐसे में कैलोरी का सेवन करते हैं जो आपके शरीर में एक्सट्रा फैट को बढ़ाता है जिसकी वजह से आपका वजन भी बढ़ता है।

इंग्लैंड के ओपनर डकेट चैंपियंस ट्रॉफी के लिए फिट

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट अगले सप्ताह पाकिस्तान में शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए फिट हो गए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अहमदाबाद में तीसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत से मिली करारी हार के दौरान डकेट की कमर के बायें हिस्से में समस्या थी, लेकिन स्कैन से 30 वर्षीय खिलाड़ी की चोट पूरी तरह से ठीक हो गई है। इंग्लैंड संयुक्त अरब अमीरात से पाकिस्तान की यात्रा करेगा और 22 फरवरी को लाहौर में अपने शुरुआती ग्रुप गेम में ऑस्ट्रेलिया से खेलेगा। इंग्लैंड अपने ग्रुप मैचों में दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान से भी खेलेगा। ब्रेंडन मैकुलम की टीम भारत से वनडे सीरीज में 3-0 से हार के बाद टूर्नामेंट में उतर रही है।

आखिरी गेंद पर दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को 2 विकेट से हराया

वडोदरा। वीमेंस प्रीमियर लीग 2025 के दूसरे मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को आखिरी गेंद तक चले रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हरा दिया है। इस मैच में मुंबई ने पहले खेलते हुए 164 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली ने आखिरी गेंद पर दो रन भागते हुए जीत सुनिश्चित की। वड़ोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 164 रन का स्कोर खड़ा किया। मुंबई के लिए नैट साइवर ब्रंट ने नाबाद 80 रन की पारी खेली और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 42 रनों का योगदान दिया। जबकि मुंबई के आठ बल्लेबाज तो दहाई का आंक?ा भी नहीं छू पाए। दिल्ली के लिए एना सदरलैंड ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए और शिखा पांडे ने भी दो विकेट लिए। जबकि मिन्नु मनी और एलिस कैप्सी को एक-एक सफलता मिली। 165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत काफी अच्छी रही। कप्तान मेग लैनिंग और शफाली वर्मा ने पावरप्ले में ही टीम का स्कोर 60 के पार पहुंचा दिया। लैनिंग 15 रन बनाकर आउट हो गईं। जबकि शफाली ने 18 गेंद में 43 रन की पारी खेली। मिडिल ओवरों में दिल्ली जब जीत से दूर होती दिख रही थी तब निकी प्रसाद ने 35 रन की धीमी लेकिन महत्वपूर्ण पारी खेल टीम को जीत के करीब ले जाने का काम किया।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' आयोजन में केंद्रीय खेल मंत्री और शिवानी पवार होंगी शामिल

नई दिल्ली/मुंबई। स्वस्थ जीवनशैली और फिटनेस को प्रोत्साहित करने के लिए इस देशभर में 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान का आयोजन किया जाएगा। इस पहल में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया मुंबई में साइकिल चालकों के साथ सवारी करेंगे। मुंबई में यह साइकिल रैली 'मोटापे से लड़ो' थीम के तहत गेटवे ऑफ इंडिया से गिरगांव चौपाटी तक आयोजित होगी, जिसमें फिटनेस विशेषज्ञ, प्रशासनिक अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता भी भाग लेंगे। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुबह 8 बजे से यह अभियान शुरू होगा, जिसमें 2024 सीनियर एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में कांस्य पदक विजेता और 2025 राष्ट्रीय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता शिवानी पवार भी हिस्सा लेंगी। दिल्ली में यह साइकिल यात्रा मेजर ध्यानचंद स्टेडियम से शुरू होकर वहीं समाप्त होगी। इसके अलावा, डेकाथलॉन, कल्ट.फिट, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और योगासन भारत के वेलनेस कोच भी इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे। यह अभियान पूरे देश में साई के क्षेत्रीय केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों और खेलो इंडिया केंद्रों के सहयोग से संचालित किया जाएगा।

स्नेह राणा आरसीबी में हुईं शामिल, चोटिल श्रेयंका पाटिल की लेंगी जगह

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के शेष मुकाबलों के लिए टीम में बदलाव किया है। चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हुई श्रेयंका पाटिल की जगह अनुभवी ऑलराउंडर स्नेह राणा को शामिल किया गया है। श्रेयंका, जिन्होंने अब तक आरसीबी के लिए 15 मुकाबले खेले और 19 विकेट चटकाए, चोटिल होने के कारण इस सीजन का हिस्सा नहीं बन पाएंगी। उनकी जगह लेने वाली स्नेह राणा इससे पहले गुजरात जायंट्स टीम का हिस्सा थीं और अब वह आरसीबी के लिए 30 लाख रुपये में शामिल हुई हैं।राणा की से आरसीबी को ऑलराउंडर विभाग में मजबूती मिलने की उम्मीद है। टीम आगामी मैचों में संतुलित प्रदर्शन की ओर देख रही है।

इंग्लैंड को हरा कर भारतीय महिलाओं ने किया शानदार आगाज

एजेंसी

भुवनेश्वर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच महिला प्रो लीग के एक रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को 3-2 से हरा कर अपने अभियान का शानदार आगाज किया। कलिंगा स्टेडियम में भारत के लिए वैष्णवी विट्ठल फाल्के (6फीसदी), दीपिका (25फीसदी) और नवनीत कौर (59फीसदी) ने गोल किया, जबकि इंग्लैंड के लिए डार्सी बॉर्न (12फीसदी) और फियोना क्रैकल्स (58फीसदी) ने गोल किया। भारत के दो गोल पेनल्टी कार्नर से आये, जो उस क्षेत्र में सुधार दर्शाता है जिसे अक्सर उनकी कमज़ोरी माना जाता है। पहले क्वार्टर में कड़ा मुकाबला रहा, जिसमें दोनों टीमों ने एक-एक गोल किया। भारत ने मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर छठे मिनट में ही बढ़त बना ली। मनीषा चौहान के शुरुआती शॉट को इंग्लैंड की फर्स्ट रशर टेसा हॉवर्ड ने रोक दिया। रिबाउंड सुशीला चानू के पास गया, जिन्होंने एक शक्तिशाली शॉट लगाया,

जिसे वैष्णवी विट्ठल फाल्के ने चतुराई से नेट में डाल दिया। इंग्लैंड ने रक्षात्मक चूक का फायदा उठाते हुए 12वें मिनट में जवाब दिया। शूटिंग सर्कल के अंदर वैष्णवी ने कब्ज़ा खो दिया, जिससे मैडी एक्सफ़ोर्ड को शॉट लेने का मौका मिला, जिसे शुरू में गोलकीपर सविता ने बचा लिया। हालाँकि, डार्सी बॉर्न ने त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रिबाउंड को गोल में डाल दिया और स्कोर बराबर कर दिया। पहले क्वार्टर के अंत में, टेसा हॉवर्ड ने बाईं ओर से एक शक्तिशाली शॉट लगाया, लेकिन सविता ने एक मजबूत बचाव करते हुए स्कोर 1-1 से बराबर रखा।

दूसरे क्वार्टर में कड़ा मुकाबला रहा। भारत ने सटीक पासिंग के साथ गेंद को तेजी से आगे बढ़ाते हुए गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा। 25वें मिनट में, भारत को अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे युवा ड्रैग-फ्लिक सनसनी दीपिका ने कुशलता से गोल में बदल दिया, जिसने एक महत्वपूर्ण गोल के साथ अपनी 50वीं अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति दर्ज की। तीसरा क्वार्टर एक मनोरंजक अंत-से-अंत लड़ाई थी, जिसमें दोनों पक्षों ने आक्रामक तरीके से हमला किया। भारत ने मिडफ़ील्ड को नियंत्रित करने पर ध्यान केंद्रित किया, जबकि इंग्लैंड ने फ़्लैंक का फायदा उठाने का प्रयास किया। इंग्लैंड की ओर से केटी कर्टिस ने गेंद को आगे बढ़ाने के लिए अपने स्टिक कौशल का उपयोग किया, लेकिन भारत रक्षा में दृढ़ रहा और प्रमुख पासों को रोक दिया।

अखिल भारतीय इंटर जोनल महिला भारोत्तोलन प्रतियोगिता : अंडर-45 और अंडर-49 कैटेगरी विजेता किये सम्मानित

एजेंसी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला में भारतीय विश्वविद्यालय संघ के सौजन्य से आयोजित की जा रही चार दिवसीय अखिल भारतीय इंटर जोनल महिला भारोत्तोलन प्रतियोगिता के पहले दिन अंडर-45 और अंडर-49 कैटेगरी विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-45 वर्ग में रानी नायक (चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी) ने पहला स्थान हासिल कर गोल्ड मैडल जीता है। जबकि सरगार काजोल महादेव (शिवाजी यूनिवर्सिटी, कोल्हापुर) ने सिल्वर और विनाताई अय्यर (लमरीन टेक. स्किल यूनिवर्सिटी) ने ब्रॉन्ज मैडल अपने नाम किए। इसी तरह अंडर-49 वर्ग में थोकचोम संजू देवी (जैन यूनिवर्सिटी), बोर्नली बोराह (लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी) और वानी पूरी (पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़) ने मैडल अपने नाम किए।

वहीं प्रतियोगिता के अंडर-59 वर्ग में रीमा बोही (लवली प्रोफेशनल विवि) को गोल्ड मैडल, शगुन राव (एमजी काशी विद्यापीठ वाराणसी) को सिल्वर और राजेश्री बिस्वा (एडम्स विश्वविद्यालय) को ब्रॉन्ज मैडल मिला है।

कई पूर्व शूटर राष्ट्रीय टीम के कोच के रूप में नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की राष्ट्रीय रायफल संघ (एनआरएआई) ने कई पूर्व शूटरों को राष्ट्रीय टीम के कोच के रूप में नियुक्त किया है जबकि द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता दीपाली देशपांडे को हेड कोच (राइफल) और जसपाल राणा को हाई-परफॉर्मेंस कोच (25 मीटर) के रूप में नियुक्त किया गया। संघ की गवर्निंग बॉडी की बैठक यहां कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित की गई, जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कुल मिलाकर, 16 नए सदस्यों को कोचिंग टीम में शामिल किया गया, जबकि 19 को बरकरार रखा गया, जिनमें एक समन्वयक (अमर जंग सिंह) और दो कोच (प्रीति शर्मा और अनुजा जंग) को बधिर शूटरों के लिए नियुक्त किया गया। पूर्व शूटरों में से जिनका चयन राष्ट्रीय टीम के नए कोचों के रूप में किया गया है, उनमें प्रमुख नामों में पूर्व पिस्टल शूटर जीतू राय (पद्म श्री और

खेल रत्न पुरस्कार विजेता, 10 मीटर एयर पिस्टल) शामिल हैं। इसके अलावा, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पूजा घटकर (10 मीटर एयर राइफल), पेम्बा तमांग (25 मीटर पिस्टल), अमरिंदर चीमा (स्कीट) और वर्षा तोमर (ट्रैप) भी शामिल हैं। इसके अलावा, दो हाई-परफॉर्मेंस मैनेजर, मानशेर सिंह (शॉटगन) और रोनक पंडित (पिस्टल) को भी नियुक्त किया गया है। जसपाल राणा के अलावा, अन्य हाई-परफॉर्मेंस कोचों में डी.एस. चंदेल (एयर राइफल), अनवर सुल्तान (ट्रैप) और मनोज कुमार (50 मीटर राइफल) शामिल हैं। अनुभवी विक्रम चोपड़ा (शॉटगन) और समरेश जंग (पिस्टल) को भी बरकरार रखा गया है और वे दीपाली के साथ हेड कोच की त्रिमूर्ति का हिस्सा होंगे। बैठक में भारत की पहली शूटिंग लीग, शूटिंग लीग ऑफ इंडिया से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण फैसले भी लिए गए। इनमें प्रमुख रूप से पूर्व हॉकी इंडिया की सीईओ ऐलेना नोर्मा को लीग की कंसल्टेंट नियुक्त किया गया।

शानदार खेल इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल खेल प्रतिभा निखारने में हो : धामी

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में राज्य के खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर बधाई देते हुए शनिवार को कहा कि अब हमें 39वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारी में जुटना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में, राष्ट्रीय खेलों के लिए तैयार किए गए खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के भी दीर्घ कालिक इस्तेमाल की योजना बनाई जाएगी।

श्री धामी ने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड को आयोजन के साथ ही खेल प्रदर्शन को लेकर शानदार यादें देकर गया है। उत्तराखंड की मेजबानी को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है, उत्तराखंड ने इस आयोजन के जरिए लंबी लकीर खींचने का काम किया है। इसी तरह उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने भी अपने शानदार प्रदर्शन से, इस आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब हमें

मेघालय में प्रस्तावित 39वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारी में जुटना होगा। इसके लिए खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों से लेकर विभाग को तक प्रयास करने होंगे। सरकार इस काम में पूरा सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेलों के जरिए उत्तराखंड के विभिन्न शहरों में शानदार खेल इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध हो गया है। इसका इस्तेमाल खेल प्रतिभाओं को निखारने में किया जाएगा। सरकार खेल सुविधाओं के दीर्घकालिक इस्तेमाल के लिए योजना बनाएगी।

जानिक सिनर पर तीन महीने का प्रतिबंध

एजेंसी

रोम। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जानिक सिनर ने पिछले साल अपने दो प्रतिबंधित दवाओं के परीक्षण पर विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के साथ समझौता करने के बाद टेनिस से तत्काल तीन महीने का प्रतिबंध स्वीकार कर लिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, 23 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी, जिसने पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था, को 9 फरवरी से 4 मई तक निलंबित कर दिया गया है। वह वर्ष के अगले ग्रैंड स्लैम इवेंट, फ्रेंच ओपन में खेलने के लिए पात्र होंगे, जो 19 मई से शुरू होगा। वाडा ने इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) द्वारा सिनर को निलंबित नहीं करने के 2024 के फैसले पर कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) में अपील की थी। वाडा दो साल तक का प्रतिबंध चाहता था लेकिन शनिवार को उसने कहा कि वह उसके स्पष्टीकरण को स्वीकार करता है कि वह अनजाने में अपने फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा प्रतिबंधित पदार्थ क्लोस्टेबोल से ग्रसित हो गया था और अब उस पर मुकदमा नहीं चलेगा। संस्था ने स्पष्ट किया कि वह स्वीकार करती है कि तीन बार के

ग्रैंड स्लैम चैंपियन का धोखा देने का इरादा नहीं था, और दवा ने कोई प्रदर्शन-बढ़ाने वाला लाभ नहीं दिया। यह उसकी जानकारी के बिना उसके दल के सदस्यों की लापरवाही के परिणामस्वरूप हुआ।इसमें कहा गया है, हालांकि, कोड के तहत और कैस मिसाल के आधार पर, एक एथलीट दल की लापरवाही के लिए ज़िम्मेदार होता है। इस मामले के तथ्यों के अनूठे सेट के आधार पर, तीन महीने का निलंबन एक उचित परिणाम माना जाता है। अपने वकीलों द्वारा जारी एक बयान में, सिनर ने कहा, यह मामला मेरे ऊपर लगभग एक साल से लटका हुआ था और इस प्रक्रिया में अभी भी काफी समय लग गया था और शायद साल के अंत में ही निर्णय आएगा। मैंने हमेशा स्वीकार किया है कि मैं अपनी टीम के लिए जिम्मेदार हूं और मुझे एहसास है कि वाडा के सख्त नियम मेरे पसंदीदा खेल के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा हैं। इस आधार पर मैंने तीन महीने की मंजूरी के आधार पर इन कार्यवाहियों को हल करने के वाडा के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। टेनिस में पिछले छह महीनों में कुछ हाई-प्रोफाइल डोपिंग मामले देखे गए हैं, जिसमें प्रमुख महिला खिलाड़ी इगा स्विएटेक को प्रतिबंधित पदार्थ के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद नवंबर में एक महीने का निलंबन स्वीकार करना पड़ा, जब वह दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी थीं। मार्च 2024 में क्लोस्टेबोल के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद पहले एक स्वतंत्र पैनल द्वारा सिनर को किसी भी गलत काम से मुक्त कर दिया गया था। इसने स्वीकार किया था कि वह अपने फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा अनजाने में दूषित हो गया था, जो एक ओवर-द-काउंटर स्प्रे के साथ उसके हाथ पर चोट का इलाज कर रहा था, जिसमें बाद में प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया था। आईटीआईए ने अगस्त में कहा था कि पैनल ने पाया कि क्लोस्टेबोल के मेटाबोलाइट के निम्न स्तर के लिए सकारात्मक परीक्षण के लिए सिनर में कोई गलती या लापरवाही नहीं थी। एक स्टेरॉयड जिसका उपयोग मांसपेशियों के निर्माण के लिए किया जा सकता है लेकिन वाडा ने पिछले सितंबर में कैस में एक अपील दायर की थी, जिसमें उस समय कहा गया था कि कोई गलती या लापरवाही नहीं का निष्कर्ष लागू नियमों के तहत सही नहीं था।

ओडिशा एफसी ने हैदराबाद एफसी को 3-1 से हराया

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा एफसी ने यहां कलिंगा स्टेडियम में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मैच में हैदराबाद एफसी को 3-1 से हरा दिया। ओडिशा अब 29 अंकों के साथ तालिका में सातवें स्थान पर है और छठे स्थान पर मौजूद मुंबई सिटी एफसी (31) से दो अंक पीछे है।

ओडिशा की टीमने खेल में आधे समय तक एक गोल से पिछड़ी थी मगर अगले 45 मिनट में एक के बाद एक तीन गोल कर जीत की दावेदार बन गयी। इस प्रकार ओडिशा एफसी ने हैदराबाद एफसी के खिलाफ भुवनेश्वर में घरेलू मैदान पर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। दूसरे हाफ में घरेलू टीम लगातार आक्रामक रही और हैदराबाद एफसी को पीछे से आगे तक अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा। ओडिशा एफसी अपने अगले मैच में 23 फरवरी को मोहन बागान सुपर जाइंट से खेलेगी, जबकि हैदराबाद एफसी 19 फरवरी को मुंबई सिटी एफसी से भिड़ेगी।

गुजरात के खिलाफ अभियान का आगाज करेंगी यूपी वारियर्स

एजेंसी

लखनऊ। कप्तान दीप्ति शर्मा की अगुवाई वाली यूपी वारियर्स वुमेन्स प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के सीजन 3 के अपने पहले मैच का आगाज गुजरात जायंट्स के खिलाफ करेगी। गुजरात जायंट्स से भिड़ंत से दो दिन बाद सीजन के दूसरे मैच में यूपी वारियर्स 19 फरवरी को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलेंगे। दोनों मैच वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में होने हैं।

पहली बार यूपी वारियर्स की कप्तानी करने वाली दीप्ति शर्मा इस चुनौती के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ' मैं इस अवसर को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। जब मुझे कप्तानी मिलने के बारे में पता चला, तो यह एक शानदार एहसास था। मुझे लगता है कि इस साल यूपी वॉरियर्स के लिए अच्छी चीजें होंगी।' महिला टी20 में भारत की सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी दीप्ति ने कहा, 'मैंने अपनी राज्य टीम की

कप्तानी की है। इससे मुझे पहले से ही इस जिम्मेदारी का अनुभव मिल गया है। यह सीनियर खिलाड़ी के तौर पर टीम का हिस्सा होने से थोड़ा अलग है। यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन मुझे चुनौतियों का सामना करना पसंद है, चाहे वह किसी भी स्तर की क्यों न हो। इसलिए, मैं इस सीजन को लेकर उत्साहित हूं।'

जब उनसे पूछा गया कि वह यूपी में खेलने के बारे में कैसा महसूस करती हैं, तो दीप्ति ने तुरंत जवाब दिया कि टीम लखनऊ में खेलने के लिए उत्सुक है, एक ऐसा मैदान जहां उन्होंने पहले कभी नहीं खेला है। डब्ल्यूपीएल के सीजन 3 में मुकाबले पहली बार लखनऊ में भी होंगे। यह यूपी वॉरियर्स का घरेलू मैदान है। भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में, यूपी वॉरियर्स गुजरात जायंट्स (3 मार्च), मुंबई इंडियंस (6 मार्च) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (8 मार्च) के साथ खेलेंगे।

डब्ल्यूपीएल सीजन 2 में एमवीपी पुरस्कार जीतने वाली दीप्ति ने कहा, 'लखनऊ के एकाना स्टेडियम में खेलना यूपी वॉरियर्स के लिए बहुत ही रोमांचक बात होगी। हमें खुशी है कि हमें अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने खेलने का मौका मिलेगा। उत्तर प्रदेश के क्रिकेट प्रशंसकों ने पहले दो सीजन में हमेशा अपने घरों से हमारा सपोर्ट किया है, लेकिन इस बार हम लखनऊ के स्टेडियम में खेलते हुए उनके सपोर्ट का अनुभव करने के लिए उत्सुक हैं। हम एक टीम के रूप में वहां अपने तीन आगामी मैचों का बेसब्री से इंतजार कर रहे है।'

चंडीगढ़ ने जीती चौथी राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैम्पियनशिप

ग्वालियर। व्हीलचेयर क्रिकेट इंडिया एसोसिएशन (डब्ल्यूसीआईए) द्वारा फरवरी से आयोजित चौथी राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैम्पियनशिप 2025 का शनिवार को फाइनल मुकाबले के साथ समापन हुआ। यहाँ ग्वालियर के एलएनआईपीई में राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैम्पियनशिप के फाइनल में चंडीगढ़ की टीम ने कर्नाटक को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। चैम्पियनशिप के समापन अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने विजेता व उप विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। दिव्यांगजन कल्याण मंत्री कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दिव्यांगों के कल्याण के लिए केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा कई योजनायें संचालित की जा रही हैं। सरकार दिव्यांगों में छिपी खेल प्रतिभा को निखारने एवं उन्हें आगे बढ़ने के अच्छे अवसर प्रदान करने के लिये कटिबद्ध है।

राष्ट्रीय खेलों में पदक विजेता खिलाड़ियों को ओडिशा सरकार देगी नकद पुरस्कार

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतने वाले राज्य के खिलाड़ियों के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की है। इन खिलाड़ियों में से स्वर्ण पदक विजेताओं को छह लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं को चार लाख रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को तीन लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

ओडिशा के खिलाड़ियों ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में कुल 46 पदक जीते। इनमें से 14 स्वर्ण, 15 रजत और 17 कांस्य पदक शामिल हैं। राज्य ने फाइनल रैंकिंग में 12वां स्थान प्राप्त किया, और देश के शीर्ष 15 राज्यों में अपनी जगह बनाई। ओडिशा के खेल मंत्री सूर्यवंशी सूरज ने कहा, इस साल, ओडिशा ने राष्ट्रीय खेलों में अपनी छाप छोड़ी है, और शीर्ष 15 राज्यों में अपनी जगह बनाई है। उन्होंने कहा कि 46 पदक जीतना, जिसमें 14 स्वर्ण शामिल हैं, राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मंत्री ने कहा कि ओडिशा के खिलाड़ियों की उपलब्धियों को

मान्यता देते हुए राज्य सरकार उन्हें नकद पुरस्कार प्रदान करेगी। उन्होंने कहा, हम अपने खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनकी प्रतिभा को बढ़ावा देना जारी रखेंगे ताकि वे राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर चमक सकें। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, 38वें राष्ट्रीय खेलों ओडिशा का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 302 खिलाड़ी और 75 सहायक कर्मचारी थे। उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में, धावक अनिमेष कुजूर ने तीन स्वर्ण पदक जीते, जिम्नास्ट राकेश पात्रा ने दो स्वर्ण पदक जीते, जिम्नास्ट प्रणति नायक ने एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक हासिल किए। साइकिलिस्ट स्वस्ति सिंह ने ओडिशा की पदक तालिका में एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक जोड़े। इसके अलावा, ओडिशा के खिलाड़ियों ने विभिन्न श्रेणियों में नए रिकॉर्ड स्थापित किए, जिससे राज्य की खेलों में उभरती ताकत के रूप में स्थिति और मजबूत हुई।

पंजाब एफसी पर जीत से चेन्नइयन एफसी प्लेऑफ की होड़ में बरकरार

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नइयन एफसी ने घरेलू मैदान जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में खेले गए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में पंजाब एफसी को 2-1 से हरा कर अपनी प्लेऑफ उम्मीदों को कायम रखा है। चेन्नइयन एफसी की जीत में कोलंबियाई स्ट्राइकर विल्मर जॉर्डन गिल (पेनल्टी किक पर) ने 19वें और स्थानापन्न नाइजीरियाई स्ट्राइकर डेनियल चीमा चुक्कू ने 84वें मिनट में गोल किए। चेन्नइयन एफसी के स्कॉटिश विंगर कॉनर शील्ड्स को प्रभावी प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। आज, मरीना माचान्स की जीत से स्कॉटिश कोच ओवेन कॉयल निश्चित रूप से प्रसन्न होंगे। चेन्नइयन एफसी 21 मैचों में छह जीत, छह ड्रा और नौ हार से 24 अंक लेकर तालिका में 10वें स्थान पर बनी हुई है। वहीं, अपनी टीम की हार से पंजाब एफसी के ग्रीक हेड कोच पैनागियोटिस दिलमपेरिस जरूर निराश होंगे। पंजाब एफसी 20 मैचों में सात जीत, तीन ड्रा और 10 हार से 24 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर बरकरार है। मैच का पहला गोल 19वें मिनट में आया, जब कोलंबियाई स्ट्राइकर विल्मर जॉर्डन गिल ने पेनल्टी किक के जरिये चेन्नइयन एफसी की शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। चेन्नइयन को पेनल्टी किक के रूप में यह सुनहरा मौका 18वें मिनट में मिला, जब पंजाब एफसी के सेंटर-बैक मेलरॉय अस्सिसी अपने बॉक्स के अंदर हैंडबॉल कर बैठे और रैफरी हरीश कुंडू ने लंबी सीटी बजाकर पेनल्टी किक का इशारा कर दिया। इसके बाद गिल ने करारा राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को टॉप लेफ्ट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में उलझा दिया जबकि पंजाब एफसी के गोलकीपर रवि कुमार ने सही अनुमान के साथ दाहिनी तरफ डाइव लगाई लेकिन बचाव नहीं कर पाए। यह इस सीजन में गिल का दसवां गोल है। 48वें मिनट में पंजाब एफसी के कप्तान व स्लोवेनियाई स्ट्राइकर लुका माजसेन ने गोल करके अपनी टीम को 1-1 की बराबरी दिला दी। बॉक्स के अंदर अस्मिर सुल्जिच से बैक-पास पाने के बाद अर्जेंटीनी मिडफील्डर पुल्गा विडाल ने करारा शॉट लगाया, जिसे बॉक्स के बीचों-बीच मौजूद लुका ने बाएं पैर से गेंद को बॉटम लेफ्ट कॉर्नर दिशा दिखा दी जबकि चेन्नइयन एफसी के गोलकीपर मोहम्मद नवाज अपने दाहिनी तरफ डाइव लगाकर भी बचाव नहीं कर पाए। 84वें मिनट में स्थानापन्न नाइजीरियाई स्ट्राइकर डेनियल चीमा चुक्कू ने गोल करके चेन्नइयन एफसी को फिर से बढ़त दिलाते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। स्थानापन्न ब्राजीली अटैकिंग मिडफील्डर लुकस ब्राम्बिला ने बॉक्स के अंदर घुसने के बाद बायीं तरफ से क्रॉस डाला, जिसे चुक्कू ने आसानी से दाहिने पैर से टैप-इन करके बॉटम राइट कॉर्नर के अंदर भेज दिया जबकि गोलकीपर रवि कुमार के पास बचाव का कोई मौका नहीं था। पहला हाफ चेन्नइयन एफसी के नाम रहा, क्योंकि मेजबान टीम ने कोलंबियाई स्ट्राइकर विल्मर जॉर्डन गिल के पेनल्टी किक पर गोल की मदद से बढ़त बनाई और उसे बरकरार रखा। लिहाजा, चेन्नइयन एफसी 1-0 की बढ़त के साथ हाफ टाइम ब्रेक पर गई।

आलिया भट्ट

का चला जादू! इस मामले में अमेरिकन सिंगर जेनिफर लोपेज को छोड़ा पीछे

आलिया भट्ट ने अपनी दमदार एक्टिंग और अपने दम पर फिल्मों को सुपरहिट बनाकर खुद को हिंदी सिनेमा की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल कर लिया है. आलिया अब डायरेक्टर्स की पहली पसंद बन चुकी हैं और डायरेक्टर्स भी उनपर आंख बंद करके भरोसा करने लगे हैं. जल्द ही आलिया अपने दम पर बड़ी-बड़ी फिल्में भी करती हुई नजर आने वाली हैं. इसी बीच आलिया भट्ट का एक बार फिर से ग्लोबल लेवल पर जादू चल गया है. आलिया भट्ट दुनिया भर में इंस्टाग्राम पर सबसे प्रभावशाली सिनेमा और एक्टर इंफ्लूएंसर के तौर पर दूसरे नंबर पर आ चुकी हैं.

इंफ्लूएंसर मार्केटिंग प्लेटफॉर्म हाइपऑडिटर की एक रिपोर्ट के अनुसार, आलिया ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक पावरहाउस के रूप में अपनी पॉजिशन मजबूत करते हुए ड्वेन जॉनसन और अमेरिकन सिंगर जेनिफर लोपेज जैसी इंटरनेशनल आइकन को पीछे छोड़ दिया है. तगड़ी फैन फॉलोइंग के साथ, आलिया ने अपनी दमदार परफॉर्मेंस, ब्रांड कोलैबोरेशन और सोशल मीडिया प्रेजेंस के जरिए से दर्शकों को बांधे रखा. फिल्म के अलावा भी उनका इम्पैक्ट बाकी फील्ड में भी है, जिसमें फैशन और डिजिटल इंगेजमेंट भी शामिल है.

आलिया भट्ट ने बनाया नया रिकॉर्ड

रिपोर्ट के मुताबिक इस लिस्ट में नंबर 1 की पॉजिशन पर जेंडाया हैं और ठीक उनसे पीछे आलिया भट्ट का नाम है. लेकिन आलिया इस लिस्ट में रैंक 2 पर आने वाली पहली इंडियन सेलिब्रेटी बन चुकी हैं. आलिया के 85 मिलियन से ज्यादा इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स हैं. आलिया सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं. प्रमोशन ब्रांड से लेकर अपनी निजी जिंदगी की जानकारी भी आलिया सोशल मीडिया पर फैन्स के साथ शेयर करती हैं.आलिया भट्ट ने गंगुबाई काठियावाड़ी, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, राजी और आरआरआर जैसे फिल्मों से लोगों को काफी इंप्रेस किया है. अब आने वाले वक्त में आलिया के पास एक से बड़े एक प्रोजेक्ट्स मौजूद हैं. आलिया पति रणबीर कपूर के साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में भी नजर आएंगी. वहीं आलिया साउथ डायरेक्टर नाग अश्विन के साथ अगली फिल्म को लेकर बातचीत कर रही हैं.

कटरीना कैफ

ने किया पति विकी कौशल की 'छावा' का रिव्यू, बोलीं- मेरे पास शब्द नहीं हैंज

विकी कौशल इन दिनों अपनी नई फिल्म 'छावा' को लेकर सुर्खियों में हैं. 14 फरवरी को उनकी ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, जिसे लक्ष्मण उतेकर ने डायरेक्ट किया है. रिलीज से एक दिन पहले 13 फरवरी को इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई थी. विकी के साथ उनकी पत्नी कटरीना कैफ भी स्क्रीनिंग में पहुंची थीं. अब उन्होंने इस फिल्म को लेकर एक पोस्ट किया है.कटरीना ने इंस्टग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए ये बताया है कि उन्हें ये फिल्म कैसी लगी या फिर यूं कहें कि उन्होंने इस पिक्चर का रिव्यू किया है. उन्होंने विकी, लक्ष्मण उतेकर और फिल्म के प्रोड्यूर दिनेश विजान और पूरी टीम की तारीफ की है. कटरीना ने लिखा, क्या सिनेमैटिक एक्सपीरियंस है और छत्रपति संभाजी महाराज की महिमा को जीवित करना एक शानदार काम है. लक्ष्मण उतेकर ने इस कहानी को शानदार तरीके से बताया है.

कटरीना पर पड़ा गहरा प्रभाव

कटरीना ने आगे लिखा, फिल्म के आखिरी 40 मिनट आपको हैरान कर देंगे, जिसे देखकर आप बिल्कुल स्पीचलेस हो जाएंगे. मैंने सुबह का अधिकतर समय ये सोचते हुए गुजार दिया कि इस फिल्म को एक बार फिर से देखूं. इस फिल्म का मेरे ऊपर ऐसा प्रभाव पड़ा है, जो कहने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं.

विकी कौशल के बारे में क्या बोलीं कटरीना ?

विकी को मेंशन करते हुए कटरीना ने कहा, आप सच में अद्भुत हैं. हर बार जब आप स्क्रीन पर आते हैं, तो हर शॉट को आप बेहतरीन तरीके से पेश करते हैं. आप अपने किरदारों में जिस तरह से बदलते हैं, वो शानदार है. मैं आप और आपके टैलेंट पर गर्व महसूस करती हैं. कटरीना ने दिनेश विजान को मेंशन करते हुए उन्होंने विजनरी बताया और कहा, कहने के लिए क्या है. आप सपोर्ट करते हैं, भरोसा करते हैं. आप एक नया रास्ता तैयार कर रहे हैं. पूरी कास्ट शानदार है. ये एक बड़ी सक्रीन की फिल्म है. पूरी टीम को बधाई.

अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' हुई पोस्टपोन, अब इस दिन होगी रिलीज

साल 2025 की शुरुआत में अक्षय कुमार की फिल्म स्काई फोर्स ने धमाल मचाया था और अब वो जल्द दोबारा से सिनेमाघरों में आने वाले हैं. अक्षय कुमार के इस फिल्म का इंतजार काफी वक्त से किया जा रहा था, जिसके बारे में अब फिल्ममेकर्स ने बात की है. उन्होंने बताया है कि जिस फिल्म का टाइटल शंकर दिया जा रहा था अब उसे 'केसरी चैप्टर 2 ड्ड द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग' कर दिया गया है. इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ अनन्या पांडे और आर माधवन भी को-स्टार के तौर पर हैं.

अक्षय कुमार की ऐतिहासिक ड्रामा होने वाली है, जिसका इंतजार लंबे वक्त से किया जा रहा है. बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, ये फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होगी. फिल्म की बात की जाए, तो इसे करण सिंह त्यागी डायरेक्ट कर रहे हैं. 'केसरी चैप्टर 2 ड्ड द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग' धर्मा प्रोडक्शंस, लियो मीडिया कलेक्टिव और केप ऑफ गुड फिल्म्स के द्वारा बनाई जा रही है. ये फिल्म साल 1991 में जलियांवाला बाग हत्याकांड से जुड़ी कहानियों पर बेस्ड है.

केसरी फिल्म से नहीं है कनेक्शन

मेकर्स के मुताबिक, ये फिल्म ऑडियंस को इमोशनल एक्सपीरियंस देगी. ये फिल्म रघु पलात और पुष्पा पलात की किताब 'द केस दैट शूक द एम्पायर' पर बनाई गई है. जिसमें दिवंगत वकील सर चित्तूर शंकरन नायर की कहानी होगी. फिल्म का टाइटल 'केसरी चैप्टर 2' है, लेकिन इस फिल्म का कनेक्शन केसरी फिल्म से नहीं है. फिल्म का प्रोडक्शन करण जौहर का प्रोडक्शन हाउस धर्मा प्रोडक्शन के तहत हो रहा है. पहले ये फिल्म 14 मार्च को रिलीज होने वाली थी, जिसे अब पोस्टपोन कर दिया गया था.

कई सारी फिल्में होंगी रिलीज

हालांकि, अक्षय कुमार की बाकी अपकमिंग फिल्मों की बात करें, तो इस साल वो कई सारी फिल्मों में नजर आने वाले हैं. इस साल उनकी फिल्मों के सीक्वल रिलीज होंगी. 'जॉली एलएलबी 3', 'हाउसफुल 5', 'वेलकम टू द जंगल' और 'हेरा फेरी 3' में दिखेंगे. हालांकि, हेरा फेरी 3 इस साल रिलीज होने की उम्मीद कम है, लेकिन कहा जा रहा है कि इसकी शूटिंग कुछ वक्त में शुरू की जाएगी.

प्रतीक बब्बर-प्रिया बनर्जी की शादी में घरवाले नहीं थे इन्वाइटेड, सौतेले भाई ने किया कमेंट

बॉलीवुड के वर्सटाइल एक्टर प्रतीक बब्बर शादी के बंधन में बंध गए हैं. प्रतीक ने अपनी लॉन्गटाइम गर्लफ्रेंड प्रिया बनर्जी से शादी की है. दोनों ने शादी की तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर किया. प्रतीक बॉलीवुड के लेजेंडरी एक्टर राज बब्बर और दिवंगत एक्ट्रेस स्मिता पाटिल के बेटे हैं. प्रतीक की शादी की तस्वीरों पर जहां उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा है, तो वहीं दूसरी तरफ उनके सौतेले भाई ने कमेंट कर लोगों का ध्यान खींचा है.प्रतीक बब्बर ने अपनी गर्लफ्रेंड प्रिया संग शादी रचाई लेकिन उन्होंने अपने परिवार को शादी का न्योता नहीं दिया है. उनके पिता राज बब्बर, भाई आर्य बब्बर और परिवार के अन्य सदस्यों को शादी का निमंत्रण नहीं मिला है. अब इसी बात पर प्रतीक बब्बर के

सौतेले भाई आर्य ने कमेंट किया है.

परिवार से नहीं है अच्छे रिश्ते

खबरों की मानें तो पिछले छह महीनों से प्रतीक का अपने परिवार के साथ अच्छा रिश्ता नहीं रहा है. जनसत्ता की रिपोर्ट के मुताबिक, भाई आर्य बब्बर ने बताया कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि प्रतीक ने परिवार से खुद से क्यों दूर कर लिया. उन्होंने कहा कि ये पूरे परिवार के लिए बहुत दुखद और तकलीफदेह है. आर्य के हिसाब से परिवार ने रिश्ते सुधारने की पूरी कोशिश की थी, लेकिन शायद वो पर्याप्त नहीं कर पाए.

1983 में हुई थी राज-स्मिता की शादी

प्रतीक बब्बर और प्रिया की शादी पारंपरिक रीति-रिवाजों से हुई और इसमें सिर्फ करीबी दोस्त शामिल हुए. ये प्रतीक की दूसरी शादी है. इससे पहले उन्होंने साल 2019 में सान्या सागर से शादी की थी, लेकिन 2023 में दोनों ने तलाक ले लिया था. प्रतीक के पिता राज बब्बर ने स्मिता पाटिल से दूसरी शादी की थी. पहली शादी उन्होंने नादिरा बब्बर से की थी, जिनसे उनके दो बच्चे हैं एक आर्य बब्बर और दूसरी जूही. स्मिता और राज ने साल 1983 में शादी की थी. 1985 में बेटे प्रतीक को जन्म देने के बाद मां स्मिता का देहांत हो गया, जिसके बाद राज वापस नादिरा के पास आ गए.